श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-6 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर, अहमदाबाद, गुजरात-380008

वर्ष :16 । अंक:09। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 04 सितम्बर 2026 (शुक्रवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

भारत-बेल्जियम रिश्तों को नई ताकत

पीएम मोदी और बार्ट डी वेवर की मुलाकात में रक्षा से ग्रीन एनर्जी तक कई मुद्दों पर चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और बेल्जियम के बीच रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के बीच गुरुवार को महत्वपूर्ण बैठक हुई। दोनों नेताओं की मुलाकात नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में हुई। बैठक में रक्षा सहयोग से लेकर ग्रीन एनर्जी, व्यापार और तकनीकी साझेदारी तक कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा पर बढ़ेगा सहयोग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त बयान में कहा कि भारत-बेल्जियम सहयोग अब पारंपरिक क्षेत्रों से आगे बढ़कर रक्षा और स्वच्छ ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों तक पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि दोनों देश आधुनिक रक्षा उपकरणों के क्षेत्र में साथ काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने विशेष रूप से जोरावर टैंक का उल्लेख किया। इसके अलावा आंध्र

प्रदेश के काकीनाडा में बड़े ग्रीन अमोनिया प्रोजेक्ट को भी दोनों देशों के सहयोग का महत्वपूर्ण उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा और नई तकनीक आने वाले समय में भारत-बेल्जियम साझेदारी के प्रमुख क्षेत्र होंगे।

प्रथम विश्व युद्ध के बलिदान को किया याद

पीएम मोदी ने दोनों देशों के ऐतिहासिक संबंधों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि प्रथम विश्व युद्ध के दौरान बेल्जियम में हजारों भारतीय सैनिकों के साहस और बलिदान की साझा स्मृति दोनों देशों के रिश्तों को ऐतिहासिक आधार देती है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्य, बाजार आधारित अर्थव्यवस्था और लोगों के बीच मजबूत संबंध भारत और बेल्जियम को स्वाभाविक साझेदार बनाते हैं।

व्यापार दोगुना करने का लक्ष्य

दोनों देशों ने आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए भारत-बेल्जियम बिजनेस फोरम को नियमित व्यवस्था बनाने पर सहमति जताई। वित्तीय, फिनटेक और नियामक संस्थानों के बीच सहयोग बढ़ाने की भी योजना है। भारत का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करना है। इसके साथ ही स्टार्टअप, विश्वविद्यालयों, रिसर्च और समुद्री क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति बनी। प्रतिभाओं की आवाजाही को आसान बनाने के लिए माइग्रेशन एंड मोबिलिटी पार्टनरशिप एग्रीमेंट पर आगे बढ़ने की बात कही गई।

राजघाट पहुंचकर गांधी को दी श्रद्धांजलि

बैठक से पहले बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर ने राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने पुष्पांजलि अर्पित करने के साथ विजिटर बुक में अपने विचार भी दर्ज किए। डी वेवर फरवरी 2025 में बेल्जियम के प्रधानमंत्री बने थे और यह उनकी भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है। करीब दो दशकों बाद किसी बेल्जियम प्रधानमंत्री का भारत दौरा हो रहा है। उनके साथ रक्षा और विदेश व्यापार मंत्री थियो फ्रैंकन तथा उच्चस्तरीय कारोबारी प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है।

केरल चुनाव में हार के बाद सीपीआई(एम) में घमासान

नेतृत्व पर उठी उंगलियां

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम । केरल चुनाव के बाद सीपीआई(एम) में मंथन और तेज होता जा रहा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता थॉमस आइजैक ने चुनावी हार पर अपनी स्पष्ट और आलोचनात्मक टिप्पणी पर कायम रहते हुए नेतृत्व की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। वहीं पार्टी के पूर्व वरिष्ठ नेता टी.के. गोविंदन ने भी सीधे तौर पर पार्टी नेतृत्व की आलोचना की है। आईजैक ने गुरुवार को कहा कि उनकी टिप्पणियां पूरी तरह से पार्टी की केंद्रीय समिति की रिपोर्ट में निहित टिप्पणियों पर आधारित थीं और वह अपने कहे पर कायम हैं। उन्होंने यह स्वीकार किया कि दस साल सत्ता में रहने के बाद पार्टी और उसके कार्यकर्ताओं में अहंकार आ गया था, जिससे संगठन के भीतर पहले ही बहस छिड़ गई थी। पार्टी द्वारा अगले सप्ताहांत से शुरू होने वाली विस्तारित राज्य समिति की बैठक में रखे जाने वाले मुद्दों को अंतिम रूप देने की तैयारी के बीच आईजैक की स्थिति का महत्व और भी बढ़ जाता है। राज्य सचिवालय और राज्य समिति से यह अपेक्षा की जाती है कि वे उन प्रमुख संगठनात्मक और राजनीतिक प्रश्नों की पहचान करें जिन पर विस्तृत चर्चा की आवश्यकता है। इस बीच, गोविंदन, जिन्होंने सीपीआई (एम) से नाता तोड़कर बागी उम्मीदवार के रूप में तालिपारम्बा विधानसभा चुनाव लड़ा था, ने खुले तौर पर नेतृत्व को हार की जिम्मेदारी स्वीकार करने की चुनौती दी है।

जन्माष्टमी के पावन पर्व पर राजस्थान की पावन धरा पर 'महानगर मेट्रो' का नव-प्रातः

अब हर पन्ने पर जीवंत होंगे सच के असली रंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबू पर्वत (माउंट आबू): सत्य, भक्ति और मर्यादा के प्रतीक भगवान श्री कृष्ण के जन्मोत्सव यानी जन्माष्टमी के अत्यंत पावन एवं अलौकिक अवसर पर 'महानगर मेट्रो' समाचार पत्र समूह अपने प्रिय पाठकों के समक्ष एक नया स्वर्णिम इतिहास रचने जा रहा है। आप सभी निष्ठावान पाठकों के अटूट विश्वास, असीम स्नेह और निरंतर मिल रहे संबल के बल पर आज से 'महानगर मेट्रो' का नया, भव्य और पूर्णतः कलर (रंगीन) संस्करण अपनी एक ऐतिहासिक यात्रा का श्रीगणेश कर रहा है। वीरों, त्यागी पुरुषों और महान संतों की इस पावन माटी राजस्थान में आज से महानगर मेट्रो अपनी निर्भीक, निष्पक्ष और सत्यनिष्ठ पत्रकारिता का महा-आगाज कर रहा है। माँ अर्बुदा (अम्बे) के पौराणिक एवं पावन धाम आबू पर्वत से उनका दिव्य आशीर्वाद लेकर, महानगर मेट्रो की यह नई अलख अब पूरे प्रदेश में जन-जन की सबसे सशक्त और बुलंद आवाज़ बनने के लिए पूरी तरह से संकल्पबद्ध है।

प्रिंट मीडिया में क्रांतिकारी कदम: निष्पक्ष पत्रकारिता का नया अध्याय वर्तमान समय में जहाँ प्रिंट मीडिया के समक्ष विश्वसनीयता, व्यावसायिकता और जन-सरोकारों को बचाए रखने की गंभीर चुनौतियाँ खड़ी हैं, ऐसे दौर में ग्रुप एडिटर श्री पवन माकन जी ने माँ भगवती के असीम आशीर्वाद से प्रिंट मीडिया जगत में यह अत्यंत साहसिक और क्रांतिकारी कदम उठाया है।

महानगर मेट्रो का उद्देश्य केवल दैनिक समाचार पहुँचाना मात्र नहीं है, बल्कि

सत्य की गवेषणा: बिना किसी दबाव या प्रभाव के सच को पूरी पारदर्शिता और स्पष्टता के साथ जनता के सामने रखना।

जन-आवाज़ का माध्यम: समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति, शोषितों और पीड़ितों की समस्याओं को शासन-प्रशासन के गलियारों तक पहुँचाना।

निर्भीक रिपोर्ताज: बिना किसी पक्षपात या पूर्वाग्रह के केवल जनहित को सर्वोपरि रखकर पत्रकारिता के धर्म का पालन करना।

हर वर्ग के अधिकारों का प्रहरी, हर नागरिक का सच्चा साथी

महानगर मेट्रो केवल कागज पर छपे अक्षरों का समूह नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग के अधिकारों का एक प्रहरी है।

किसानों का संबल: अपनी कड़ी मेहनत और खून-पसीने से पूरे देश का पेट भरने वाले अन्नदाता किसानों के हक, उनकी समस्याओं और उनकी मांगों को प्राथमिकता से उठाना।

युवाओं की बुलंद आवाज़: देश और प्रदेश का भविष्य गढ़ने वाले युवाओं के सपनों, उनके रोजगार, उनकी शिक्षा और उनके संघर्षों को मुख्यधारा में लाकर उन्हें सही दिशा और उचित मंच प्रदान करना।

सामाजिक समरसता: समाज के प्रत्येक वर्ग, जाति और समुदाय के हितों की रक्षा करते हुए एक सशक्त और जागरूक समाज का निर्माण करना।

कृतज्ञता, आभार एवं हमारा अखंड संकल्प

राजस्थान की इस ऐतिहासिक और स्वाभिमानी धरा से अपनी इस नई यात्रा का शुभारंभ करते हुए ग्रुप एडिटर पवन माकन जी एवं समस्त 'महानगर मेट्रो' परिवार अपने सभी सम्मानित पाठकों, सहयोगियों और शुभचिंतकों का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करता है।

हमारा अखंड संकल्प

'हम न किसी के दबाव में झुकेंगे, न अपने पथ से डिगेंगे; सत्य का निर्भीक साथ देकर जनता के विश्वास की रक्षा करेंगे। 'आपका यह स्नेह और विश्वास ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। हमें पूर्ण विश्वास है कि जिस प्रकार आपने अब तक 'महानगर मेट्रो' को अपना भरपूर प्यार दिया है, उसी प्रकार आपका यह साथ और आशीर्वाद हमारी इस नई, रंगीन और संकल्पित यात्रा में भी निरंतर मिलता रहेगा।

– पवन माकन एवं समस्त महानगर मेट्रो परिवार

मायावती ने आकाश आनंद को बताया अपरिपक्व

यूपी में नहीं दी कोई बड़ी जिम्मेदारी

एजेंसी

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने गुरुवार को पार्टी की आल इंडिया बैठक में पिछले दिये गये कार्यों की समीक्षा व उनकी कमियों को दूर करने के निर्देश दिए। साथ ही, हर वर्ष के सालाना होने वाली गतिविधियों के बारे में भी पार्टी के सभी छोटे-बड़े पदाधिकारियों को दिये गये जरूरी दिशा-निर्देशों का पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ अनुपालन करने की भी सख्त हिदायत दी। इस दौरान मायावती ने कहा कि बसपा बाबा साहेब डा. भीमराव अंबेडकर के 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' के आदर्श सिद्धांतों व उच्च आदर्शों को लेकर चलने वाली उनके 'आत्म-सम्मान व स्वाभिमान' के कारवां को सत्ता की मंजिल तक पहुंचाने के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए समर्पित पार्टी एवं मूवमेंट है। इसे लेकर कांशीराम ने उच्च वैज्ञानिक पद की अपनी सरकारी नौकरी भी छोड़ दी थी। मायावती ने कहा कि कांशीराम ने अपने मां-बाप का घर, परिवार, रिश्तों-नातों को छोड़कर और अपना सब कुछ त्यागकर पूरा जीवन कड़ा संघर्ष करते रहे और मुझे भी खासकर शोषितों को जागरुक करने के लिए देश के कोने-कोने में भेजकर इस योग्य बनाया कि मैं

उन्हीं के नक्शेकदम पर चलते हुए उनके अधूरे रहे कारवां को आगे बढ़ाने की पूरी त्याग व तपस्या में लगी रहूं। अन्ततः उन्होंने मुझे बसपा व बहुजन मूवमेंट का राजनीतिक उत्तराधिकारी भी बनाया। मैंने भी उनके जीते-जी ही काफी हद तक अच्छा रिजल्ट लाकर भी दिखाया और उनके संघर्ष को विनम्र श्रद्धांजलि के रूप में यूपी में पूर्ण बहुमत की बसपा सरकार बनाकर बहुजन मूवमेंट के मान-सम्मान को ऐतिहासिक व गौरवशाली भी बनाया, जो सबकी जुबान पर होने के साथ-साथ तथा यहां इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में भी दर्ज है।

ब्रिक्स सम्मेलन के लिए दिल्ली में छुट्टी का ऐलान

11 सितंबर को नहीं खुलेंगे सरकारी दफ्तर

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली में 18वें ब्रिक्स सम्मेलन के मद्देनजर 11 सितंबर 2026, शुक्रवार को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। इस फैसले के बाद राजधानी के लोगों को एक लॉन्ग वीकेंड मिलेगा। दिल्ली सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग (को-ऑर्डिनेशन ब्रांच) की ओर से जारी आधिकारिक अधिसूचना में बताया गया है कि उपराज्यपाल ने 11 सितंबर को अवकाश घोषित करने को मंजूरी दी है। इस अवकाश के चलते राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के सभी सरकारी कार्यालयों के साथ-साथ स्वायत्त निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में भी सामान्य कामकाज बंद रहेगा। यानी 11 सितंबर को दिल्ली सरकार के अधीन आने वाले इन संस्थानों में छुट्टी रहेगी। ब्रिक्स सम्मेलन के आयोजन को देखते हुए सरकार की ओर से यह फैसला लिया गया है। सरकार ने यह फैसला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के व्यापक स्तर और इसके लिए किए जाने वाले बड़े पैमाने पर सुरक्षा, यातायात और लॉजिस्टिक इंतजामों को देखते हुए लिया है। साथ ही, सरकार का कहना है कि कार्यालय बंद रखने से सम्मेलन के दौरान आम लोगों को होने वाली असुविधा को कम करने में भी मदद मिलेगी। 18वां ब्रिक्स लीडर्स समिट और ब्रिक्स बिजनेस फोरम 11 से 13 सितंबर 2026 तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा।

एसटीपी घोटाला: पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को कोर्ट से जमानत

2 लाख रुपये के मुचलके पर मिली राहत

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) परियोजनाओं की टेंडर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में आम आदमी पार्टी (आप) नेता और दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को गुरुवार को जमानत दे दी।

विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) दिग्विनय सिंह ने जैन की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए उन्हें दो लाख रुपये के मुचलके और इतनी ही राशि के दो श्योरिटी जमा करने की शर्त पर जमानत दी। सत्येंद्र जैन को दिल्ली जल बोर्ड की एसटीपी परियोजनाओं की टेंडर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के मामले में भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने 18 अगस्त को गिरफ्तार किया था। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (पीसी एक्ट) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। जमानत पर सुनवाई के दौरान सत्येंद्र जैन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एन. हरिहरन ने दलील दी कि मामले में एफआईआर दर्ज होने के करीब 27 महीने बाद उनकी गिरफ्तारी की गई।

उन्होंने कहा कि इस अवधि के दौरान जैन को पूछताछ के लिए केवल एक बार बुलाया गया था और दूसरी बार बुलाए जाने पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

'रूस और यूक्रेन की जंग खत्म करने में भारत मदद को तैयार'

जयशंकर ने कीव में दिया बड़ा बयान

एजेंसी

नई दिल्ली/कीव: चार साल से अधिक समय से चल रहे रूस और यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत मदद करने को तैयार है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यूक्रेन की राजधानी कीव में यह बातें कही हैं। विदेश मंत्री इन दिनों कीव के दौरे पर हैं। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब ब्लैक सी में रूस और यूक्रेन के बीच हालिया तनाव के दौरान भारतीय नाविक मारे गए और घायल हुए हैं।

भारत मदद के लिए तैयार- जयशंकर

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, जयशंकर ने कीव में गुरुवार को कहा कि यूक्रेन में चल रही जंग खत्म करने के लिए भारत मदद के लिए तैयार है। यूक्रेनी विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा के साथ पत्रकारों से बात करते हुए जयशंकर ने

कहा, 'अगर भारत किसी भी तरह से मदद कर सकता है, तो हम तैयार हैं।'

कमर्शियल जहाजों पर हो रहे हमले की भी चर्चा

उन्होंने यह भी बताया कि दोनों मंत्रियों के बीच ब्लैक सी में कमर्शियल जहाजों पर हो रहे हमलों पर भी चर्चा की गई है।

युद्ध खत्म करने के शांति प्रयासों में नई गति आएगी- आंद्री सिबिहा

इधर यूक्रेन के विदेश मंत्री ने युद्ध जल्द खत्म होने की उम्मीद जताते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यूक्रेन में रूस के युद्ध को खत्म करने के शांति प्रयासों में एक नई गति आएगी। पत्रकारों से बात करते हुए आंद्री सिबिहा ने कहा, 'मेरा मानना है कि दुनिया भर की कई राजधानियों में राजनीतिक और कूटनीतिक बातचीत के इस सक्रिय दौर की वापसी के साथ, अब शांति प्रयासों में एक नई गति आएगी। '

बिहार में कोसी समेत आठ नदियां खतरे के निशान से ऊपर

बाढ़ से 13 जिले प्रभावित

एजेंसी

पटना । बिहार में बाढ़ की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। गुरुवार को आठ प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही थीं। गंगा, सोन, पुनपुन, कोसी, गंडक, बूढ़ी गंडक, बागमती और घाघरा नदियों में जल स्तर बढ़ गया है, जिससे राज्य के कई हिस्सों में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। बाढ़ से 13 जिले प्रभावित हुए हैं और कई क्षेत्रों में बढ़ते जलस्तर के कारण लोगों को व्यवधान का सामना करना पड़ रहा है। पटना प्रशासन

हाई अलर्ट पर है, क्योंकि गंगा, सोन और पुनपुन नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर चला गया है।

पटना में बाढ़ की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। गांधी घाट पर गंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से 127 सेंटीमीटर ऊपर बह रहा है, जबकि दीघा घाट पर गंगा का जलस्तर 61 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया है। इससे निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है और प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है। श्रीपालपुर में पुनपुन नदी खतरे के निशान से लगभग 2.01 मीटर ऊपर बह रही है, जिससे बाढ़ का पानी आसपास के घरों में घुस रहा है।

पश्चिम बंगाल में भारी बारिश की चेतावनी, कोलकाता समेत 8 जिलों में ऑरेंज अलर्ट

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में भारी वर्षा के बीच मौसम विभाग ने गुरुवार को अगले 24 घंटों के लिए आठ जिलों में भारी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। कोलकाता स्थित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) के अनुसार, कोलकाता, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, हावड़ा, हुगली, नादिया, पूर्वी बर्दवान और बीरभूम जिलों में भारी वर्षा की संभावना है। कुछ स्थानों पर 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी आशंका है, जबकि चेतावनी अवधि के दौरान कुछ क्षेत्रों में लगातार गरज के साथ बारिश हो सकती है। कोलकाता और आसपास के इलाकों में गुरुवार सुबह से ही बारिश शुरू हो चुकी है और दिन में व्यापक रूप से गरज के साथ बारिश होने की संभावना है। कई दक्षिणी जिलों में भी भारी बारिश की आशंका है, जिससे निचले इलाकों में जलभराव की आशंका बढ़ गई है। कोलकाता में न्यूनतम तापमान 25.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 0.8 डिग्री कम था।

15 दिन में सफाई नहीं दी तो लाइसेंस कैंसिल होगा भरूच जिले में 200 साहूकारों को कारण बताओ नोटिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। जिले में साहूकारों के धंधे में नियमों के पालन को लेकर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। साहूकारों के रजिस्ट्रार ऑफिस की तरफ से किए गए इंस्पेक्शन के दौरान नियमों का पालन नहीं करने वाले करीब 200 साहूकारों को कारण बताओ नोटिस दिए गए हैं। गुजरात साहूकार एक्ट, 2011 और रूल्स, 2013 के मुताबिक, लाइसेंस वाले साहूकारों को हर महीने की 1 से 5 तारीख तक तय फॉर्मेट-11 के हिसाब से सरकारी ऑनलाइन पोर्टल पर लोन की डिटेल्स जमा करनी होती हैं। जांच के दौरान पता चला कि कई साहूकारों ने समय पर डिटेल्स अपलोड नहीं कीं। इसके अलावा, यह भी पता चला कि कुछ साहूकारों ने अपने फाइनेंशियल अकाउंट्स का ऑडिट नहीं करवाया था। जरूरी अकाउंटिंग डिटेल्स जमा न करने जैसी लापरवाही भी सामने आई। इस मामले में 15 दिन में सफाई देने को कहा गया है। अगर संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो लाइसेंस कैंसिल करने समेत कार्रवाई हो सकती है। जिन साहूकारों ने कोई बिज़नेस नहीं किया है, उन्हें भी समय पर ब्लू स्लिप जमा करनी होगी। नियमों के मुताबिक, सिक्योर्ड लोन में 12' से ज़्यादा और अनसिक्योर्ड लोन में 15' से ज़्यादा ब्याज लेने वालों पर भी कार्रवाई होगी।

नहर में 17,748 क्यूसेक और नर्मदा नदी में 4,494 क्यूसेक पानी छोड़ा गया: सरोवर डैम का लेवल 135 मीटर के पार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। गुजरात की लाइफलाइन नर्मदा नदी पर बने सरदार सरोवर डैम में लगातार पानी आने से पानी का लेवल लगातार बढ़ रहा है। डैम का लेवल 135.12 मीटर के लेवल पर पहुंच गया है। जो इसके मैक्सिमम लेवल 138.68 मीटर के बहुत करीब है। पानी के लगातार बहाव की वजह से डैम में अब तक पानी की लाइव स्टोरेज कैपेसिटी जमा हो चुकी है, जो कुल कैपेसिटी का 88.25 परसेंट है। डैम के कंट्रोल रूम के ऑफिशियल डेटा के मुताबिक, सुबह से ही डैम में पानी का इनफ्लो ऊपर-नीचे हो रहा था।ठ्ठ सुबह 6:00 बजे 78,239 क्यूसेक और दोपहर 12:00 बजे 80,151 क्यूसेक पानी आने के बाद, शाम को सबसे ज़्यादा 84,762 क्यूसेक पानी आया। जिससे डैम का लेवल सुबह 135.00 मीटर से बढ़कर शाम को 135.12 मीटर हो गया। अभी, डैम में कुल ग्रॉस स्टोरेज 8,348.20 MCM तक पहुँच गया है। लगातार पानी आने को बैलेंस करने के लिए, पावर हाउस और डैम के गेट से नदी और नहर में कंट्रोल तरीके से पानी छोड़ा जा रहा है।

रिचिरिच पान पार्लर से भागने की कोशिश में हुआ गंभीर एक्सीडेंट, सरखेज पुलिस ने खाकी का असली चेहरा दिखाकर जेल में डाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। आम आदमी पार्टी के राज्य मंत्री पीयूष पटेल और विवाद के नेता सरजन वसावा, जो लंबे समय से भरूच सब-जेल में थे, 63 दिन बाद जेल से बाहर आ गए हैं। उन्हें हाई कोर्ट से कंडीशनल बेल मिली थी। जेल से बाहर आते ही आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में वर्कर्स ने माला पहनाकर उनका स्वागत किया। जेल से बाहर आने के बाद पीयूष पटेल ने मीडिया से बात की। उन्होंने देश की ज्यूडिशियरी को धन्यवाद दिया और BJP सरकार पर हमला बोला। पीयूष पटेल ने कहा, 'हम ज्यूडिशियरी को

धन्यवाद देते हैं। हम भारतीय जनता पार्टी की तानाशाही के आगे कभी नहीं झुकेंगे। ' उन्होंने आगे कहा, 'हम उसी जोश और जुनून के साथ लड़ाई जारी रखेंगे, जिसके साथ हमन GIDC इलाके के वर्कर्स और लेबर्स के हक के लिए लड़ाई लड़ी थी।' पीयूष पटेल ने कहा कि उन्हें ख्रु चैतर वसावा, गोपाल इटालिया और यसुदान गढ़वी जैसे नेताओं के संघर्ष से प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा MLA चैतरभाई वसावा को झूठे केस में फंसाकर जेल भेज दिया गया है। वह अभी भी जेल में हैं, जो हमारे लिए दुख की बात है। 'द्ब उन्होंने भरोसा जताया कि, 'हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है कि वह भी जल्द ही बेल पर बाहर आएंगे और फिर से लोगों की सेवा करना शुरू कर देंगे। ' कार्यकर्ताओं ने जेल के बाहर नारे लगाए और उनका स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेताओं ने कहा कि वे राजनीतिक दबाव या जेल जाने के डर के बिना लोगों और कार्यकर्ताओं के मुद्दों के लिए लड़ते रहेंगे। इस मौके पर आम आदमी पार्टी के बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता मौजूद थे।

गुजरात में दलितों और आदिवासियों पर अत्याचार अब तक के सबसे ऊंचे लेवल पर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता डॉ. हिरेन बैंकर ने गुजरात में दलितों और आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार और बिगड़ती कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर BJP सरकार की आलोचना की है। लोकसभा में पेश किए गए आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि BJP सरकार के राज्य में 'विकास' के खोखले दावों के बीच दलित और आदिवासी लगातार डर में जी रहे हैं। डॉ. हिरेन बैंकर ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि BJP सरकार सिर्फ वोटों की राजनीति जानती है, लेकिन नागरिकों को संवैधानिक अधिकार और सुरक्षा देने में पूरी तरह नाकाम रही है। राज्य में अनुसूचित जातियों पर अत्याचार की कुल 13,731 घटनाएं दर्ज की गई हैं, जिससे पता चलता है कि औसतन हर दिन 3 से ज़्यादा दलितों पर अत्याचार हो रहे हैं। ये आंकड़े सिर्फ दर्ज अपराधों के हैं, जबकि हजारों मामले डर और दबाव के कारण पुलिस तक नहीं पहुंच पाते। उन्होंने आदिवासी समुदाय पर हो रहे अत्याचारों को लेकर सरकार की बेपरवाही की भी कड़ी आलोचना की। पिछले छह सालों में अनुसूचित जनजातियों पर अत्याचार के कुल 1,887 नए मामले दर्ज हुए हैं और अभी 3,553 मामलों में ट्रायल चल रहा है। यह स्थिति दिखाती है कि राज्य में हर 48 घंटे में कोई आदिवासी भाई या बहन अत्याचार या हमले का शिकार होता है। अहमदाबाद, बनासकांठा, सुरेंद्रनगर, राजकोट, कच्छ और जूनागढ़ जैसे जिलों में अनुसूचित जातियों पर अपराध खतरनाक दर से बढ़ रहे हैं। बसे चौंकाने वाली बात यह है कि सरकार अपराधियों को सज़ा देने में नाकाम रही है। 2023 में अनुसूचित जाति के मामलों में सज़ा की दर 7.4 प्रतिशत थी, जो 2024 में घटकर सिर्फ़ 5.4 प्रतिशत रह गई है। इसी तरह, अनुसूचित जनजाति के मामलों में सज़ा की दर 2023 में 11.7 प्रतिशत से घटकर 2024 में सिर्फ़ 4.5 प्रतिशत रह गई है। पिछले 6 सालों में दर्ज मामलों की स्थिति ,अनुसूचित जाति साल 2019: 1416 मामले, साल 2020: 1326 मामलेसाल 2021: 1201 मामले, साल 2022: 1279 मामले, साल 2023: 1373 मामले, साल 2024: 1304 मामले, पिछले छह सालों की कुल संख्या: 7899 मामले, अनुसूचित जनजाति, साल 2019: 321 मामले, साल 2020: 291 केस. साल 2021: 341 केस, साल 2022: 330 केस, साल 2023: 307 केस, साल 2024: 297 केस, पिछले छह सालों की कुल संख्या 1887 केस,जन जागरूकता के नाम पर मिंडू और कांग्रेस की मांग उन्होंने जन जागरूकता के मुद्दे पर भी सरकार को घेरा। अधिकारों के लिए देश भर में 15,000 से ज़्यादा जन जागरूकता प्रोग्राम हो चुके हैं केस फास्ट-ट्रैक कोर्ट में चलाए जाएं और दलित और आदिवासी समुदायों की सुरक्षा पक्की की जाए।

ब्रह्माकुमारीज शांतिवन में सजेगी 75 फीट लंबी भव्य झांकी

4 और 5 सितंबर को शांतिवन के गेट नंबर 1 के सामने सजेगा विशाल पंडाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

आबूरोड। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर ब्रह्माकुमारीज संस्थान के अंतरराष्ट्रीय शांतिवन परिसर में भक्ति और आध्यात्म का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। शांतिवन के गेट नंबर एक के सामने 75 फीट लंबे विशाल पंडाल में दो दिवसीय भव्य झांकी सजाई जा रही है, जहां श्रद्धालु सीधे 'स्वर्णिम युग' का अनुभव कर सकेंगे। झांकी का भव्य शुभारंभ 4 सितंबर को जन्माष्टमी के दिन शाम 7 बजे होगा। दर्शनार्थी रात 11 बजे तक इन मनमोहक झांकियों का आनंद ले सकेंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा और उत्साह को देखते हुए यह आयोजन 5 सितंबर को भी जारी रहेगा।

जीवंत होंगी कान्हा की नटखट लीलाएं

आयोजन को लेकर तैयारियां अब अपने अंतिम चरण में हैं। इस 75 फीट के पंडाल में श्रीकृष्ण के बालरूप, उनकी नटखट बाल-लीलाएं, माखन चोरी, राधा-कृष्ण का झूला, गोवर्धन पर्वत धारण और शेषनाग जैसे प्रसंगों को बेहद खूबसूरती से उकेरा जाएगा। इसके साथ ही, कुरुक्षेत्र में गीता ज्ञान देते भगवान श्रीकृष्ण, राधा-मीरा का निश्छल कृष्ण प्रेम और गोपिकाओं संग मिलन के दृश्य भी दर्शकों के आकर्षण का मुख्य केंद्र रहेंगे।

लाइटिंग और साउंड से पैदा होगा जादुई प्रभाव

इस झांकी को कलात्मक और प्रभावशाली बनाने के लिए विशेष लाइटिंग और साउंड संयोजन (इफेक्ट्स) का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे सभी आध्यात्मिक प्रसंग बिल्कुल जीवंत नजर आएंगे। झांकी के संयोजक बीके चिरंजीवी भाई ने बताया कि इन प्रसंगों के जरिए श्रीकृष्ण के जीवन में छिपे गहरे आध्यात्मिक रहस्यों को जनता के सामने पेश किया जाएगा। पंडाल में श्रीलक्ष्मी-श्रीनारायण का दिव्य राजदरबार भी सजेगा, जो दर्शकों को सतयुग (स्वर्णिम युग) की दिव्यता का अहसास कराएगा।

मिलेगा गीता ज्ञान का संदेश

झांकी के एक विशेष हिस्से में वर्तमान युग (कलियुग) और सतयुग की तुलनात्मक स्थिति को भी प्रदर्शित किया जाएगा। इसके माध्यम से यह संदेश दिया जाएगा कि कैसे परमपिता परमात्मा इस धरा पर आकर मानव आत्माओं को गीता ज्ञान के जरिए वापस स्वर्णिम युग की ओर ले जाने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। हर साल की तरह इस बार भी आबूरोड शहर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों से हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के उमड़ने की उम्मीद है। क्षेत्रवासियों के लिए यह झांकी हमेशा से जन्माष्टमी का सबसे बड़ा आकर्षण रही है।

आबूरोड में छात्राओं ने मतदान के लिए किया जागरूक: पोस्टर और रंगोली प्रतियोगिता, पहले मतदान फिर जलपान का दिया संदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत अर्बुद कन्याशाला में पोस्टर और रंगोली प्रतियोगिता हुई। यह आयोजन राज्य निर्वाचन आयुक्त जयपुर और जिला निर्वाचन अधिकारी सिरोही के निर्देश पर गुरुवार को किया गया। इसका मकसद आगामी चुनावों के लिए लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करना था। प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्राओं ने उत्साह से भाग लिया। उन्होंने आकर्षक पोस्टर और रंगोलियां बनाईं। छात्राओं ने अपनी कलाकृतियों से 'पहले मतदान, फिर जलपान', 'निष्पक्ष और निर्भीक मतदान करें' और 'लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए मतदान आवश्यक है' जैसे संदेश दिए। इस मौके पर मौजूद अध्यापिकाओं ने छात्राओं के रचनात्मक प्रयासों की तारीफ की। उन्होंने छात्राओं को अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी मतदान के लिए जागरूक करने को कहा। कार्यक्रम में अर्बुद कन्याशाला की प्राचार्य सुरभि सिंघल, अध्यापक परागाराम और नगर पालिका स्टाफ से सचिन कुमार, केतन अग्रवाल, भारमाराम व लक्ष्मीनारायण मौजूद थे। कार्यक्रम के आखिर में मौजूद सभी लोगों ने लोकतंत्र के इस पर्व में शत-प्रतिशत मतदान करने का संकल्प लिया।

घर में घुसकर दंपति पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाला आरोपी 1 महीने बाद गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड। शहर थाना पुलिस ने पिछले एक महीने से पुलिस की आंखों में धूल झोंक रहे एक शातिर बदमाश को आखिरकार धर दबोचा है। यह आरोपी एक घर में घुसकर पति-पत्नी पर चाकू से जानलेवा हमला करने के मामले में फरार चल रहा था। जिला पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह राठौड़ के सख्त निर्देशों के बाद पुलिस ने इस धरपकड़ अभियान को अंजाम दिया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरेंद्र कुमार और वृत्ताधिकारी जितेंद्र सिंह के सुपरविजन में थाना प्रभारी हरचंद देवासी और उनकी टीम ने बेहतरीन कार्रवाई करते हुए आरोपी को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। पुलिस के अनुसार, 31 जुलाई को पीड़ित बदराम ने थाने में रोंगटे खड़े कर देने वाली इस घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि 30 जुलाई की रात करीब 10:15 बजे वे अपने घर में थे, तभी नीली टी-शर्ट और टोपी पहने एक अज्ञात युवक अचानक उनके घर में घुस आया। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता, युवक ने ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया। जब बदराम की पत्नी उन्हें बचाने दौड़ीं, तो बेखौफ बदमाश ने उन पर भी जानलेवा वार किए और दोनों को घायल कर वहां से फरार हो गया। घटना के बाद से ही इलाके में दहशत का माहौल था और आरोपी लगातार फरार चल रहा था। पुलिस ने इस चुनौती को स्वीकार करते हुए तकनीकी संसाधनों और अपने सुरागों को जोड़ने के बाद पुलिस टीम को सफलता हाथ लगी।

अहमदाबाद में रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना

सौतेला पिता 2 महीने से कर रहा था नाबालिग से रेप

हवस के भूखे सौतेले पिता को चांदखेड़ा पुलिस ने भेजा जेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

चांदखेड़ा। अहमदाबाद के चांदखेड़ा इलाके से एक बहुत ही शर्मनाक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां रिश्तों की मर्यादाओं और पवित्रता को तार-तार कर दिया गया है। सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि घर में रक्षक की भूमिका निभाने वाला सौतेला पिता पिछले 2 महीनों से अपनी ही 17 साल की नाबालिग बेटी को हवस का शिकार बना रहा है। मां और भाई की गैरमौजूदगी का फायदा उठाकर किया अय्याशी और रेप। मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी और नाबालिग की मां ने साल 2017 में दूसरी शादी कर ली थी। आरोपी एक कपड़े की दुकान में काम करता है। जब मां और भाई घर से बाहर जाते थे या परिवार में गैरमौजूद होते थे, तो यह बेरहम पिता नाबालिग के अकेलेपन का फायदा उठाता था। शुरू में विरोध करने पर आरोपी ने नाबालिग के साथ 2 महीने तक बेरहमी से रेप किया। नाबालिग ने अपनी मौसी के सामने हिम्मत दिखाई, और मारपीट का मामला सामने आया अपने सौतेले पिता के लगातार मानसिक और शारीरिक टॉर्चर से तंग आकर नाबालिग ने आखिरकार हिम्मत जुटाई और अपनी मौसी को आपबीती बताई। जैसे ही चौंकाने वाली बात सामने आई, मौसी और मां ने तुरंत एक्शन लिया।

अपनी बेटी की आपबीती सुनकर मां के पैरों तले जमीन खिसक गई और उसने अपने पति के खिलाफ पुलिस स्टेशन पहुंचने का फैसला किया।

चांदखेड़ा पुलिस ने POCSO और रेप का केस दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया

नाबालिग की मां ने चांदखेड़ा पुलिस स्टेशन में बदतमीजी करने वाले पति के खिलाफ लिखित शिकायत दी थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए चांदखेड़ा पुलिस ने तुरंत केस दर्ज कर आरोपी सौतेले पिता को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ इंडियन पीनल कोड की रेप की धाराओं और नाबालिग होने के कारण सख्त POCSO एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया है और कानूनी कार्रवाई कर रही है। फिलहाल पुलिस ने पीड़ित नाबालिग की मेडिकल जांच कराकर आरोपी के खिलाफ ठोस फोरेंसिक और साइंटिफिक सबूत इकट्ठा करने की कवायद तेज कर दी है, ताकि इस दरिंदे को कोर्ट से सख्त से सख्त सजा दिलाई जा सके।

जरीबुजर्ग की महिला सरपंच नर्मदाबेन मावी को पद से हटाया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दाहोद। जिला विकास अधिकारी ने गरबाड़ा तालुका के जरीबुजर्ग गांव की महिला सरपंच नर्मदाबेन कमलेशभाई मावी के खिलाफ कार्रवाई की है। गांववालों की शिकायत के आधार पर ग्राम पंचायत के विकास कार्यों की जांच की गई। डिप्टी जिला विकास अधिकारी समेत एक जांच टीम ने पांच कामों की जगह का मुआयना किया। जांच के दौरान पता चला कि रामदेव मंदिर की कंपाउंड वॉल, गणावा फलिया की रोड और दिनेशभाई नलवाया के नाम पर मोटर वाला बोर साइट पर नहीं हुआ था। जांच टीम को भूरिया कुवा में सामूहिक कुएं का काम भी साइट पर नहीं मिला। जांच में पता चला कि परमार फलिया में CC रोड का काम भी बताई गई जगह पर नहीं हुआ था। जांच रिपोर्ट के मुताबिक, इन सभी पांचों कामों के लिए अलग-अलग स्टेज पर लाखों रुपये का पेमेंट किया गया था। सरपंच को अपना बचाव पेश करने के लिए बार-बार मौके दिए गए। सरपंच ने पहले जो जवाब दिया था, उसमें दावा किया गया था कि काम दूसरी जगह पर किया गया था। लेकिन, जांच रिपोर्ट और साइट की हालत के आधार पर डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट ऑफिसर ने वायलेशन मानते हुए कार्रवाई की है। गुजरात पंचायत एक्ट के सेक्शन 57(1) के तहत नर्मदाबेन मावी को सरपंच पद से हटाने और ग्राम पंचायत का चार्ज उपसरपंच को सौंपने का ऑर्डर जारी किया गया है।

अहमदाबाद में बदनाम बूटलेगर किशोर लंगड़ा के पोते की गुंडागर्दी CG रोड पर गलत साइड में मस्टैंग चलाकर युवकों पर हमला किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के पॉश इलाके माने जाने वाले CG रोड पर कानून-व्यवस्था की पोल खोलते हुए एक और शर्मनाक घटना सामने आई है। बदनाम बूटलेगर किशोर लंगड़ा के पोते आदित्य सिंह राठौड़ ने अपनी शानदार फोर्ड मस्टैंग कार से आतंक मचाते हुए दो बेगुनाह युवकों पर जबरन हमला किया है।

गलत साइड में मस्टैंग चलाकर की बदमाशी, पूछताछ करने पर टूट गया

नवरंगपुरा आदित्य सिंह दिलीप सिंह राठौड़ और उसका दोस्त विश्वराज सिंह देवेंद्र सिंह परमार अपनी फोर्ड मस्टैंग कार बहुत खतरनाक तरीके से और गलत साइड में चला रहे थे। इसी बीच वहां से गुजर रहे एक्टिवा ड्राइवर जय दिनेशभाई रणदेसाई और उसके दोस्त ने गलत साइड में गाड़ी चलाने को लेकर उनसे कहा था। इतनी छोटी सी बात से आहत होकर आदित्य सिंह और उसके साथियों ने कानून का डर दिखाकर जय और उसके दोस्त पर हमला कर दिया। कपड़े फाड़े, दिनदहाड़े सड़क पर जान से मारने की धमकी हमलावरों ने जय दिनेशभाई रंदेसाई को सरेआम सड़क पर बेरहमी से पीटा, जिसमें युवक की शर्ट भी फट गई। यहीं नहीं रुके, आरोपियों ने सरेआम सड़क पर युवकों को गालियां दीं और खुलेआम जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद पीड़ित युवक ने हिम्मत दिखाई और नवरंगपुरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने आदित्य सिंह राठौड़ और विश्वराज सिंह परमार के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पहले भी कानून हाथ में: आरोपी का क्रिमिनल इतिहास आदित्य सिंह राठौड़ के लिए क्रिमिनल होना कोई नई बात नहीं है। जांच में पता चला है कि आरोपी पहले भी गंभीर अपराधों में शामिल रहा है GLS कॉलेज कैंपस में धमकाने और मारपीट के एक मामले में उसका नाम सामने आया था।

ÓF' डिवीजन ट्रैफिक पुलिस स्टेशन में भी उसके नाम पर अपराध दर्ज हैं।

आरोपी के खिलाफ पहले भी गांधीनगर के इंफोसिटी पुलिस स्टेशन में क्रिमिनल शिकायतें दर्ज हो चुकी हैं। RTO और ट्रैफिक डिपार्टमेंट एक्शन में: स्पीड और नियमों के उल्लंघन की सख्त जांच घटना की गंभीरता को देखते हुए, पुलिस ने कार पर लगी गैर-कानूनी ब्लैक फिल्म, HDFC या बिना नियम वाली नंबर प्लेट और खतरनाक ड्राइविंग की ऋह्यह्र जांच के आदेश दिए हैं। इसके अलावा, फोर्ड कंपनी के टेक्निकल अधिकारियों को बुलाकर कार की स्पीड लॉग डिटेल्स लेने की कोशिश की गई है ताकि एक्सीडेंट और स्टंट के समय कार की स्पीड का पता लगाया जा सके।

मोरबी में सूदखोरों की परेशानी से BJP नेता ने की आत्महत्या: 3.50 लाख रुपये के 7% ब्याज पर कार जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मोरबी। जिले में सूदखोरी के जाल में एक और बेगुनाह की बलि चढ़ गई। चरड़वा गांव के सूदखोरों की अमानवीय परेशानी और जबरन वसूली से तंग आकर मोरबी जिले के एक BJP नेता ने गला रेतकर आत्महत्या कर ली, जिससे पूरे इलाके में भारी हंगामा मच गया। मिली जानकारी के मुताबिक, स्थानीय BJP नेता ने चरड़वा के सूदखोरों से 7' की ऊंची ब्याज दर पर 3 लाख 50 हजार रुपये जरूरत के लिए लिए थे। समय पर ब्याज चुकाने के बावजूद सूदखोरों की भूख नहीं मिटी। ब्याज के चक्कर में फंसे नेता के पास जब पैसे खत्म हो गए तो सूदखोरों ने उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। इतने पर भी नहीं रुके, सूदखोर हमलावर हो गए और जबरन उनकी चार पहियों वाली कार जब्त कर ली। 7 परसेंट ब्याज मिलने के बावजूद सूदखोर लगातार पैसे ऐंठ रहे थे और उन्हें सबके सामने बेइज्जत करने की धमकी दे रहे थे। सूदखोरों की इस लगातार मेंटल टॉर्चर और दबाव से तंग आकर, कोई रास्ता न देखकर आखिरकार BJP नेता ने आत्महत्या जैसा जानलेवा कदम उठा लिया।ुलिस सिस्टम पर उठे गंभीर सवाल जब सत्ताधारी पार्टी का जिला स्तर का नेता खुद सूदखोरों की टॉर्चर से परेशान होकर अपनी जान देने को मजबूर हो जाए, तो आम लोगों की सुरक्षा पर बड़े सवालिया निशान खड़े होते हैं। होम डिपार्टमेंट सूदखोरों के खिलाफ चाहे कितने भी कैंपेन चला रहा हो, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि सूदखोर अब भी बेरहमी से लोगों की जान ले रहे हैं। लोकल पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और बेकसूर नेता को आत्महत्या के लिए मजबूर करने वाले सूदखोरों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की प्लानिंग कर रही है।

AMC की तोड़फोड़ की कार्रवाई के बाद बेघर हुए लोग सड़कों पर उतर आए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की तोड़फोड़ की कार्रवाई के बाद बेघर हुए लोगों ने अपने लिए सही घर की मांग को लेकर रिवरफ्रंट हाउस पर बड़ा विरोध प्रदर्शन किया। सामान लूटे जाने के बाद गुस्साए लोग बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए और प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। मिली जानकारी के मुताबिक, AMC की तरफ से ड्राइव और स्कीम के तहत शहर के अलग-अलग इलाकों में गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन और कब्ज़े हटाने की कार्रवाई की गई थी। इस तोड़फोड़ की कार्रवाई की वजह से कई गरीब और मिडिल क्लास परिवार बेघर हो गए हैं। प्रभावित लोगों का आरोप है कि प्रशासन ने उन्हें रहने की सही जगह या रहने की सुविधा दिए बिना उनके घर तोड़ दिए हैं, जिससे वे छोटे बच्चों और बुजुर्गों के साथ खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। अपना घर खोने के बाद बड़ी संख्या में महिलाएं, बच्चे और पुरुष इंसाफ और घर की उम्मीद लेकर रिवरफ्रंट हाउस पहुंचे। लोगों ने AMC एडमिनिस्ट्रेशन के खिलाफ अपना गुस्सा दिखाते हुए नारे लगाए और 'हमें घर दो' की मांग करते हुए प्रोटेस्ट किया। इत्तेफाक से, बड़ी संख्या में लोग रिवरफ्रंट हाउस पहुंच गए, जिससे वहां झड़प और भगदड़ मच गई। घटना की खबर मिलते ही, लोकल पुलिस का एक काफिला मौके पर पहुंचा और रिवरफ्रंट हाउस पर कड़ी सिक्योरिटी कर दी गई।

वडोदरा PCB ने भंडाफोड़ किया, आरोपी को 24.29 लाख रुपये कैश के साथ गिरफ्तार किया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। सिटी पुलिस कमिश्नरेट की प्रिवेंशन ऑफ़ क्राइम ब्रांच टीम ने शराब पर बैन का उल्लंघन कर रहे एक इंटर-स्टेट बूटलेगिंग रैकेट का भंडाफोड़ किया है। PCB पुलिस ने इंदौर, मध्य प्रदेश से लग्ज़री ट्रैवल्स में छिपाकर वडोदरा भेजी जा रही 9.24 लाख रुपये से ज़्यादा कीमत की भारी मात्रा में भारत में बनी विदेशी शराब का भंडाफोड़ करके एक बड़े मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि मुख्य साजिशकर्ता समेत तीन आरोपियों को वॉन्टेड घोषित किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों का नाम

1. इस्माइलभाई मालेक (निवासी सूरत - लग्जरी ट्रैवल्स का ड्राइवर)

2. जितेंद्र पाल (निवासी चंदननगर चार रास्ता, इंदौर, मध्य प्रदेश - शराब सप्लायर)

3. विपुल पांचाल (निवासी घंधरेटिया, वडोदरा - शराब सप्लायर) पुलिस द्वारा जब्त की गई कीमती चीजें विदेशी शराब की बोतलें/टिनः नंबर 2,857 (कीमत 9,24,688/- रुपये) लग्जरी ट्रैवल्स बसः 1 (कीमत 15,00,000/- रुपये) मोबाइल फोनः 1 (कीमत 5,000/- रुपये) कुल जब्त सामानः 10,000 रुपये 24,29,688/- PCB पुलिस को खास जानकारी मिली थी कि इंदौर से एक लग्जरी ट्रैवल बस में बड़ी मात्रा में विदेशी शराब लोड करके वडोदरा की ओर लाई जा रही है। जानकारी के आधार पर पुलिस ने पहरा लगाया और लग्जरी बस को रोक लिया। बस की तलाशी लेने पर उसमें से 9.24 लाख रुपये कीमत की 2,857 शराब की बोतलें और टिन मिले।

'हम BJP के खिलाफ लड़ रहे हैं, लेकिन फायदा सिर्फ BJP को होता है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी (ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन) के नेशनल स्पोक्सपर्सन असीम वकार के एक बहुत ही चौंकाने वाले और विवादित बयान ने देश की पॉलिटिक्स में बड़ा धमाका कर दिया है। असीम वकार ने पब्लिक प्लेटफॉर्म से सीधे और खुले तौर पर यह सच माना है कि उनकी पार्टी   के खिलाफ लड़ने का दावा करती है, लेकिन उनकी पॉलिटिकल लड़ाई का सीधा और बड़ा फायदा आखिर में को ही पहुंचता है। के अपने सीनियर लीडर के इस बयान के बाद विपक्षी खेमे में सन्नाटा पसर गया है। लंबे समय से कांग्रेस समेत देश की सभी रीजनल विपक्षी पार्टियां यह आरोप लगाती रही हैं कि AIMIM BJP की टीम की तरह काम कर रही है और चुनावों में मुस्लिम वोटों को बांटकर BJP की जीत का रास्ता बना रही है। अब तक ओवैसी और उनकी पार्टी इन आरोपों से इनकार करती रही थी। लेकिन अब खुद नेशनल स्पोक्सपर्सन असीम वकार के इस ऑन-कैमरा कबूलनामे ने साबित कर दिया है कि विपक्ष के आरोप बेबुनियाद नहीं थे। अगर हम इंडियन पॉलिटिक्स के इतिहास और मौजूदा हालात को देखें, तो चुनावों के दौरान 'वोट बांटने वाली' पार्टियों की भूमिका हमेशा से ही सवालों के घेरे में रही हैः वोट बैंक बंटवारे का गणितः जब भी चुनाव आते हैं, तो कुछ छोटी और रीजनल पार्टियां अपने कैंडिडेट उन इलाकों में उतारती हैं, जहां विपक्ष मजबूत स्थिति में होता है। ये पार्टिय BJP विरोधी या किसी खास कम्युनिटी के वोट काटती हैं, जिससे असली विपक्ष का कैंडिडेट हार जाता है और BJP आसानी से जीत जाती है। रीजनल पार्टियों का दोहरा रवैयाः बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और बंगाल जैसे राज्यों में बार-बार यह आरोप लगते रहे हैं कि ऐसी कुछ पार्टियां विपक्षी एकता में दखल देकर सीधे या परोक्ष रूप से पर्दे के पीछे से रूलिंग पार्टी को फायदा पहुंचा रही हैं। पक्के गुजरात का सवालः क्या यह सिर्फ़ एक अनजाने में हुई गलती है या पहले से प्लान की गई स्क्रिप्ट है? असीम वकार का यह बयान सिर्फ़ एक पार्टी तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश की डेमोक्रेसी और चुनावी प्रोसेस पर एक बड़ा सवालिया निशान खड़ा करता है। क्या BJP से लड़ने का दावा करने वाली पार्टियां सच में सोच की लड़ाई लड़ रही हैं, या वे रूलिंग पार्टी को सीटें दिलाने के लिए किसी बड़ी पॉलिटिकल साज़िश के तहत जनता के वोट बांटने का खेल खेल रही हैं?

'स्ट्रॉन्ग वुमन' शब्द अब एक श्राप जैसा लगता हैः बॉलीवुड में स्टीरियोटाइप पर तापसी पन्नू का तीखा हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। अपने बेबाक अंदाज और बोल्ड बयानों के लिए जानी जाने वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू एक बार फिर चर्चा में हैं। तापसी, जो पहले कंगना रनौत के साथ अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में थीं, ने अब अपनी आने वाली फिल्म 'गांधारी' की रिलीज से पहले समाज और फिल्म इंडस्ट्री की सोच पर तीखा हमला किया है। तापसी ने 'स्ट्रॉन्ग वुमन' शब्द के गलत इस्तेमाल को लेकर बहुत ही चौंकाने वाला बयान दिया है। एक इंटरव्यू के दौरान तापसी पन्नू ने समाज और सिनेमा में महिलाओं की इमेज को लेकर फैली गलतफहमियों पर से पर्दा उठाया। तापसी ने खुलकर कहा, 'आजकल 'स्ट्रॉन्ग वुमन' शब्द एक श्राप जैसा लगने लगा है क्योंकि लोग इसकी सही परिभाषा नहीं जानते हैं।' उन्होंने आगे कहा कि समाज और महिला विरोधी सोच वाले लोगों ने इस शब्द का मतलब इतना बिगाड़ दिया है कि अब जब किसी महिला को 'मजबूत महिला' कहा जाता है, तो यह तारीफ के बजाय अपमान या गाली जैसा लगता है। फिल्म 'गांधारी' में एक मजबूत और संघर्षशील किरदार निभाने वाली तापसी का मानना ??है कि जब भी कोई महिला अपने हक के लिए आवाज उठाती है या अपने फैसले खुद लेती है, तो उसे 'मजबूत' या 'असभ्य' करार दिया जाता है। समाज ने एक मजबूत महिला की ऐसी इमेज बना दी है कि वह किसी से घुल-मिल नहीं पाती या हमेशा आक्रामक रहती है। तापसी के इस बोल्ड बयान ने न सिर्फ बॉलीवुड में बल्कि सोशल मीडिया पर भी एक नई चर्चा छेड़ दी है। तापसी पन्नू एक बार फिर अपनी फिल्म 'गांधारी' से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। तापसी पन्नू महिला केंद्रित और चुनौतीपूर्ण किरदार चुनने के लिए जानी जाती हैं। 'पिंक', 'थप्पड़' और 'हसीन दिलरुबा' जैसी सुपरहिट फिल्में देने के बाद, दर्शकों में उनकी आने वाली फिल्म 'गांधारी' को लेकर काफी उत्सुकता है। फिल्म की रिलीज से पहले तापसी के बयान ने यह साबित कर दिया है कि वह न सिर्फ पर्दे पर बल्कि असल जिंदगी में भी किसी भी मुद्दे पर अपना पक्ष रखने से पीछे नहीं हटती हैं।

अयोध्या विवाद के बीच पुरी जगन्नाथ मंदिर एडमिनिस्ट्रेशन में बड़ा धमाकाः बैंक में 1,912 करोड़, ट्रांसपेरेंसी की मिसाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर में डोनेशन और फाइनेंशियल गड़बड़ियों के आरोपों को लेकर जहां देशभर में चर्चा हो रही है, वहीं दुनिया भर में मशहूर पुरी श्री जगन्नाथ मंदिर एडमिनिस्ट्रेशन ने मंदिर के फाइनेंशियल बैलेंस के बारे में चौंकाने वाली और ट्रांसपेरेंट डिटेल्स जारी की हैं। एडमिनिस्ट्रेशन ने ऑफिशियली बताया है कि पुरी श्री जगन्नाथ मंदिर का मौजूदा बैंक बैलेंस लगभग ?1,912 करोड़ है।

चोरी और अफवाहों के बाद एक्शन में एडमिनिस्ट्रेशनः सख्त अकाउंटिंग और डेली ऑडिट मंदिर में गड़बड़ियों या चोरी के पिछले मामलों और हाल के विवादों के बाद मौके पर डिटेल्स देते हुए SJT साफ किया है कि अबमंदिर के सभी एडमिनिस्ट्रेटिव स्ट्रक्चर बहुत ही सिस्टमैटिक और सख्त ऑडिट प्रोसेस के तहत

चलाए जाते हैं। डेली डोनेशन काउंटिंगः मंदिर की हुंडी (डोनेशन बॉक्स) में आए कैश डोनेशन की गिनती हर शाम की जाती है और डिटेल्स अनाउंस की जाती हैं। डिजिटल डोनेशन ट्रेंडः जुलाई में लॉन्च हुए ऑफिशियल डिजिटल डोनेशन प्लेटफॉर्म 'समर्पण' के ज़रिए भक्तों ने अब तक ?56.7 लाख का ऑनलाइन डोनेशन दिया है।

कहां से आती है करोड़ों रुपये की इनकम?

जगन्नाथ मंदिर एडमिनिस्ट्रेशन और उसके फंड मैनेजमेंट सिस्टम की इनकम के सोर्स भी बहुत मज़बूत बनाए गए हैं। मंदिर की इनकम मुख्य रूप से भक्तों द्वारा दिए जाने वाले दान और गिफ्ट, बड़े फिक्स्ड डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज, मंदिर की ज़मीनों के एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रांज़ैक्शन और सरकारी ग्रांट से होती है। इस इनकम का एक बड़ा हिस्सा 'कॉर्पस फंड' और 'फाउंडेशन फंड' के तौर पर सुरक्षित रखा जाता है, ताकि भविष्य में मंदिर की व्यवस्थाओं और डेवलपमेंट के कामों के लिए कोई फाइनेंशियल संकट न हो। राम मंदिर डोनेशन विवाद के बीच, पुरी जगन्नाथ तंत्र का यह ट्रांसपेरेंट अकाउंटिंग दूसरे धार्मिक ट्रस्टों के लिए भी एक मज़बूत मिसाल साबित हो रहा है।

अहमदाबाद में प्रॉपर्टी का नाम बदलने के लिए अब लंबी लाइनें नहीं! 63 सिविक सेंटर्स में स्मार्ट टोकन सिस्टम चालू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने शहर के लोगों की सुविधा बढ़ाने के लिए एक और ज़रूरी और डिजिटल कदम उठाया है। अब अहमदाबाद के लोगों को प्रॉपर्टी टैक्स में नाम ट्रांसफर (म्यूटेशन) करवाने के लिए सिविक सेंटर्स पर लगने वाली घंटों लंबी लाइनों और धक्के से छुटकारा मिल जाएगा। कॉर्पोरेशन ने शहर के सभी 63 पब्लिक सर्विस सेंटर्स (सिविक सेंटर्स) पर मॉडर्न स्मार्ट क्यू मैनेजमेंट और 'स्मार्ट टोकन सिस्टम' लागू किया है। अभी तक, लोगों को प्रॉपर्टी का नाम बदलवाने या टैक्स से जुड़े काम के लिए सुबह जल्दी सिविक सेंटर पहुंचकर लाइन में खड़ा होना पड़ता था। नए स्मार्ट टोकन सिस्टम के लागू होने से डिजिटल टोकन एलोकेशनः सिविक सेंटर पहुंचते ही लोगों को कियोस्क मशीन के ज़रिए उनके काम के हिसाब से स्मार्ट टोकन नंबर दिया जाएगा। डिस्प्ले और अनाउंसमेंटः टोकन नंबर स्क्रीन पर दिखेगा और काउंटर नंबर माइक पर अनाउंस किया जाएगा, ताकि कोई भी सीट पर बैठकर बिना लाइन में लगे अपनी बारी का इंतज़ार कर सके।

जल्दी निपटाराः क्यू मैनेजमेंट सिस्टम की वजह से काउंटर पर काम की स्पीड बढ़ेगी और समय की बर्बादी रुकेगी।

63 सिविक सेंटर्स इक्विप्डः लोगों में खुशी की भावना

अहमदाबाद के सभी 7 ज़ोन के 63 सिविक सेंटर्स को इस स्मार्ट सिस्टम से इक्विप्ड किया गया है। प्रॉपर्टी नेम ट्रांसफर के अलावा, यह टोकन सिस्टम टैक्स बिलों के पेमेंट, क्लर्क एक्ट रजिस्ट्रेशन और बर्थ और डेथ सर्टिफिकेट जैसी सर्विसेज़ के लिए भी बड़ी राहत देगा। सिस्टम के इस प्रोएक्टिव कदम से सिविक सेंटर्स में बिचौलियों की परेशानी और करप्शन भी खत्म हो जाएगा।

अमेरिकन सपने के पीछे 15 महीने की भयानक पीड़ाः 45 लाख गंवाए, जंगलों में लाशें देखीं, किडनैप हुए और आखिर में खाली हाथ इंडिया डिपोर्ट हुए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हरियाणा। अमेरिका पहुंचकर 'डॉलर ड्रीम' पूरा करने का सपना अब कई इंडियन युवाओं के लिए ज़िंदगी की सबसे बड़ी भयानक गलती साबित हो रहा है। गैर-कानूनी तरीके से (डिंकी रूट से) विदेश जाने का रास्ता कितना खूनी और जानलेवा हो सकता है, इसकी एक दिल दहला देने वाली कहानी सामने आई है। हरियाणा के 27 साल के नौजवान विशाल ने अमेरिका जाने के लिए एक एजेंट को 45 लाख रुपये दिए, जिसके लिए परिवार ने अपनी ज़मीन भी बेच दी। लेकिन विशाल को नहीं पता था कि यह फैसला उसे मौत के मुंह में धकेल देगा।

इंडिया, यूरोप, ब्राज़ील और पनामा के खतरनाक जंगलों की नारकीय पीड़ा

एजेंट विशाल को इंडिया से यूरोप और फिर ब्राज़ील ले गया। वहां से डिंकी रूट की असली पीड़ा शुरू हुई। उसे पनामा के जंगलों में चार दिन तक लगातार डर और खौफ से चलना पड़ा, ऊंचे पहाड़ों पर चढ़ना पड़ा और गर्दन तक पानी से होकर गुजरना पड़ा। विशाल ने आपबीती सुनाते हुए कहा कि जंगल में सड़क पर कई लाशें पड़ी थीं और रात में उसे हिंसक जानवरों की आवाज़ों के बीच अपनी जान बचाते हुए आगे बढ़ना पड़ा। किसी को नहीं पता था कि इस नरक जैसे जंगल में घुसने वाला इंसान ज़िंदा निकलेगा या नहीं! मेक्सिको में गनपॉइंट पर किडनैप, 2 महीने बंधक और गोलियों के बीच भागता रहा जंगल में असहनीय तकलीफ़ सहने के बाद जब विशाल मेक्सिको पहुँचा, तो उसकी परेशानियाँ खत्म होने के बजाय और भी डरावनी हो गईं। लोकल गुंडों ने उसे गनपॉइंट पर किडनैप कर लिया और दो महीने तक बंधक बनाए रखा। आखिर में, विशाल अपनी जान बचाने के लिए दूसरी मंज़िल से कूद गया। बाद में, गुंडों के फायरिंग करने के बावजूद, वह खून से लथपथ हालत में भी भागता रहा और मुश्किल से अपनी जान बचाई। उसने 10 महीने एक अमेरिकन जेल में बिताए, और उसे जेल में अपने पिता की मौत की खबर मिली। जैसे ही वह अमेरिकन बॉर्डर के पास पहुँचा, उसे अमेरिकन पुलिस ने पकड़ लिया। उसे लगभग 10 महीने तक टेक्सास की जेल में रखा गया। इसी कैद के दौरान उसे पता चला कि उसके पिता गुज़र गए हैं। अपने फैसले और पिता को खोने के सदमे से टूट चुके विशाल को एहसास हुआ कि गैर-कानूनी तरीके से विदेश जाने का उसका फैसला उसकी ज़िंदगी की सबसे बड़ी गलती थी। जब अमेरिकी अधिकारी उसे डिपोर्ट करने के लिए एयरपोर्ट ले गए, तो दिमागी संतुलन खो चुके विशाल के हंगामे का एक वीडियो भी वायरल हुआ। आखिर में, उसे डिपोर्टेशन फ्लाइट से खाली हाथ भारत भेज दिया गया। 45 लाख रुपये गंवाने, पिता का घर खोने और शारीरिक चोटें और मानसिक टॉर्चर झेलने के बाद लौटे विशाल ने युवाओं को चेतावनी दी है.

सत्ता के घमंड पर युवा शक्ति की जीतः अभिजीत दीपके और CJP ने सरकार को झुकने पर मजबूर कर दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शुरू में जब एक आम युवा आंदोलन के मैदान में उतरा तो दिल्ली के पॉलिटिकल गलियारों और कई एनालिस्ट्स को लगा कि 'इससे कुछ नहीं होगा, दो-चार दिन में हार जाएगा।' लेकिन जिस तरह से उसने लड़ाई लड़ी, एयरपोर्ट से लेकर जंतर-मंतर तक, उसने साबित कर दिया कि 'बंदे में दम होता है!' एयरपोर्ट पर दिल्ली पुलिस का कानूनी जाल और हिम्मत वाला बचाव कई लोग लगातार इस सवाल से हैरान थे कि दिल्ली पुलिस उनके सामने आंदोलन की परमिशन देने एयरपोर्ट क्यों गई? इसका जवाब अब साफ हो गया है। दिल्ली पुलिस किसी हमदर्दी से परमिशन देने नहीं गई थी, बल्कि कैलकुलेशन तो आंदोलन को कानूनी अड़चनों और कागजी जाल में फंसाकर कुचलने का था। लेकिन अभिजीत ने अपनी होशियारी और बेमिसाल हिम्मत से पासा पलट दिया और वहां से भागकर सीधे जंतर-मंतर पर युवाओं की आवाज़

बनकर खड़े हो गए। कॉकरोच जनता पार्टी की शुरू की यह लड़ाई सिर्फ़ विरोध नहीं थी, बल्कि सत्ता में बैठे आकाओं के ख़िलाफ़ बगावत थी धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफ़ा CJP ने सबसे पहले शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग की। सरकार शुरू में नहीं मानी, लेकिन आख़िरकार लोगों के गुस्से के आगे झुक गई और उसे इस्तीफ़ा देना पड़ा। केस वापस लेना और सुप्रीम कोर्ट का फ़ैसलाः जब सरकार विरोध कर रहे छात्रों के ख़िलाफ़ दर्ज FIR वापस लेने में आनाकानी कर रही थी, तो CJP ने फिर से देश भर में आंदोलन की धमकी दी। नतीजतन, सुप्रीम कोर्ट ने भी सख़्त रुख़ अपनाया और FIR रद्द करने और राहत देने का रास्ता साफ़ कर दिया। जब CJP ने शिक्षा व्यवस्था को सुधारने के लिए 'फ़िक्स स्कूल' कैंपेन शुरू किया, तो लोकल गुंडों और असामाजिक तत्वों ने हमला किया, विरोध किया और सभी सड़कें जाम कर दीं। लेकिन, कैंपेन बिना हार माने चलता रहा और आखिर में बेबस सरकारी सिस्टम को स्कूलों को ठीक करने का काम अपने हाथ में लेना पड़ा! कॉकरोच जनता पार्टी की हर मांग पूरी हुई। कपल ने जो कुछ कहा और दिखाया था, उसे पूरा करके ही सीन छोड़ा। सरकारी सिस्टम और घमंडी नेताओं की बात सुनने के बाद भी नेता ऐसे एक्टिंग कर रहे हैं जैसे वे जीत गए हों! लेकिन देश की जनता और गुजरात के युवा सब कुछ देख रहे हैं। जीत अहंकार की नहीं, बल्कि सच्चाई और बचने वाले युवाओं की है!

महिला का विवादित तलाक का मामला सोशल मीडिया पर वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सोशल मीडिया के ज़माने में हर दिन नए और चौंकाने वाले मामले सामने आते हैं, लेकिन हाल ही में वायरल हुए एक सोशल मीडिया पोस्ट ने नेटिज़न्स और समाज में खूब चर्चा और गुस्सा फैलाया है। एक महिला के दो विवादित तलाक और बदले में मिली मोटी रकम के आंकड़े देखकर लोग हैरान हैं। सिर्फ़ 4 साल की छोटी शादी में करोड़ों रुपये का रिटर्न पाने वाली इस महिला के मामले को लोग सोशल मीडिया पर मज़ाक में 'स्मार्ट इन्वेस्टमेंट' कह रहे हैं। वायरल पोस्ट में किए गए दावे के मुताबिक, इस महिला ने अपनी पहली शादी खत्म करते समय अपने पहले पति से एलिमनी (तलाक का मुआवज़ा) के तौर पर ?20 लाख लिए थे। उसके बाद, महिला ने एक बहुत अमीर आदमी से दूसरी शादी कर ली। हालांकि, यह दूसरी शादी भी ज़्यादा दिन नहीं चली और जल्द ही तलाक की नौबत आ गई। लेकिन इस बार, दूसरे पति के साथ मेंटेनेंस और सेटलमेंट के तौर पर महिला को कुल 15 करोड़ कैश, एक शानदार फ्लैट और एक महंगी कार मिली! र्फ 4 साल की शादी के छोटे से समय में कुल 15 करोड़ से ज़्यादा कमाने के इस मामले ने इंटरनेट पर विवाद खड़ा कर दिया है। सोशल मीडिया यूज़र्स इस पोस्ट पर तीखी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं स्मार्ट इन्वेस्टमेंट या कानूनी लूट? लोग कटाक्ष करते हुए लिख रहे हैं कि स्टॉक मार्केट या रियल एस्टेट में भी 4 साल में इतना बड़ा रिटर्न नहीं मिलता जितना इस 'स्मार्ट इन्वेस्टमेंट' में मिलता है! शादी जैसे इंस्टीट्यूशन के पतन पर सवालः कई नेटिज़न्स ने चिंता जताई है कि शादी जैसे रिश्ते, जिन्हें पवित्र माना जाता है, अब कुछ लोगों के लिए पैसा कमाने और आसानी से करोड़पति बनने का 'बिजनेस मॉडल' बन गए हैं।   कि तलाक और मेंटेनेंस कानूनों का ऐसा गलत इस्तेमाल बेगुनाह और अमीर पुरुषों को आर्थिक रूप से बर्बाद कर रहा है।

क्या सुपरवाइज़र के कहने पर चल रहा है असरवा सिविल? 16 कर्मचारियों के एक साथ ट्रांसफर से हॉस्पिटल सिस्टम में भारी हलचल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। एशिया के सबसे बड़े सरकारी अस्पतालों में से एक अहमदाबाद का असरवा सिविल हॉस्पिटल एक बार फिर विवादों में घिर गया है। मरीजों के इलाज और सुविधाओं के लिए मशहूर इस हॉस्पिटल में अब कर्मचारियों की ट्रांसफर पॉलिसी को लेकर बहुत गंभीर सवाल उठ रहे हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस बात की चर्चा जोर पकड़ रही है कि हॉस्पिटल सिस्टम में अधिकारियों से ज्यादा सुपरवाइजरों की मनमानी चलती है। मिली जानकारी के मुताबिक, असरवा सिविल के ट्रॉमा सेंटर में दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे की शिफ्ट में काम करने वाले करीब 16 फोर्थ क्लास कर्मचारियों का तुरंत 1200 बेड वाले हॉस्पिटल में ट्रांसफर कर दिया गया है। हैरानी की बात यह है कि दूसरी तरफ, 1200 बेड वाले हॉस्पिटल में काम करने वाले 16 कर्मचारियों को ट्रॉमा सेंटर भेज दिया गया है। एक साथ इतनी बड़ी संख्या में कर्मचारियों के बड़े पैमाने पर ट्रांसफर से अस्पताल के अंदरूनी हलकों में कई बहसें और वाद-विवाद शुरू हो गए हैं। किसी भी बड़े प्रशासनिक बदलाव के पीछे कोई खास वजह होती है, लेकिन यह साफ नहीं है कि असरवा सिविल में इस बड़े पैमाने पर ट्रांसफर के पीछे कौन सा बड़ा गणित काम कर रहा है। 2 से 10 की अहम शिफ्ट में काम करने वाले अनुभवी कर्मचारियों के बड़े पैमाने पर ट्रांसफर के पीछे असली वजह क्या है? क्या इस ट्रांसफर से ट्रॉमा सेंटर और 1200 बेड वाले अस्पताल में आने वाले इमरजेंसी मरीजों के इलाज पर असर नहीं पड़ेगा? क्या यह खेल बड़े अधिकारियों की जानकारी के बिना खेला जा रहा है या अधिकारी भी चुपचाप तमाशा देख रहे हैं? मरीज़ों के इलाज में रुकावट का डर ट्रॉमा सेंटर सिविल अस्पताल का सबसे सेंसिटिव और इमरजेंसी डिपार्टमेंट माना जाता है, जहां किसी भी पल मरीज़ों की जान दांव पर लगी रहती है। इतने ज़रूरी डिपार्टमेंट से एक साथ 16 क्लास-4 कर्मचारियों का ट्रांसफर होने से इमरजेंसी सर्विस में रुकावट आने का डर है।

गुजरात से राजस्थान तक फैले फर्जी LLB डिग्री के बड़े स्कैम का खुलासा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। बार काउंसिल की जांच में एक सनसनीखेज धमाका हुआ है, जिसने पूरी कानूनी दुनिया और ज्यूडिशियरी की नींव हिला दी है। वकालत की ऑफिशियल सनद पाने के लिए फर्जी LLB (बैचलर ऑफ लॉ) डिग्री दिखाकर किए गए एक बड़े फ्रॉड का खुलासा हुआ है। 'पक्को गुजरात' की एक्सक्लूसिव रिपोर्ट के मुताबिक, यह सिर्फ एक या दो लोगों का काम नहीं है, बल्कि गुजरात से राजस्थान और दूसरे राज्यों तक फैले फर्जी डिग्री के एक बड़े स्कैम का खुलासा हुआ है। वकील के तौर पर प्रैक्टिस करने के लिए गुजरात बार काउंसिल में रजिस्टर्ड होना और सनद लेना ज़रूरी है। हाल ही में बार काउंसिल द्वारा किए गए डॉक्यूमेंट्स के वेरिफिकेशन और डिटेल्ड जांच के दौरान कुछ संदिग्ध LLB डिग्रियां सामने आईं। जैसे ही उन्हें संबंधित यूनिवर्सिटी और इंस्टीट्यूशन में वेरिफाई किया गया, एक बड़ा स्कैम सामने आया। कई कैंडिडेट्स ने बोगस और गैर-कानूनी डिग्री सर्टिफिकेट के आधार पर डिग्री पाने का खेल रचा था। जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, यह बात सामने आई कि इस बोगस डिग्री स्कैम के तार सिर्फ गुजरात तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि पड़ोसी राज्य राजस्थान और दूसरे इलाकों की विवादित और संदिग्ध यूनिवर्सिटीज़ से भी जुड़े हैं।

वडोदरा के सयाजीगंज से लाखों की महंगी विदेशी शराब और व्हिस्की के साथ 2 बूटलेगर गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सयाजीगंज। पुलिस ने वडोदरा शहर में शराब पर बैन का उल्लंघन करने वाले बूटलेगरों पर नज़र रखी हुई है। सयाजीगंज पुलिस की एक टीम ने एक टिप-ऑफ के आधार पर रेड की और दो लोगों को प्रीमियम ब्रांड स्कॉच व्हिस्की और जिन समेत बड़ी मात्रा में विदेशी शराब के साथ रंगे हाथों पकड़ा। पुलिस ने आरोपियों के पास से महंगी विदेशी शराब, मोबाइल और ट्रॉली बैग बरामद किया और कुल 1,33,796 रुपये का सामान ज़ब्त किया। गिरफ्तार आरोपियों का नाम और पता

1. बलवीर रामप्रकाश जाटव

2. आशिक बलवीर सिंह जाटव

शराब तस्करों से ज़ब्त किया गया कीमती सामान जॉनी वॉकर ब्लैक लेबल स्कॉच व्हिस्कीः 12 बोतलें (कीमत 35,808 रुपये) द ग्लेनलिवेट 12 सिंगल माल्ट स्कॉच व्हिस्कीः 09 बोतलें (कीमत 32,814 रुपये) हेंड्रिक्स जिन (700 ml): 06 बोतलें (कीमत 21,000 रुपये) शिवास रीगल स्कॉच व्हिस्की (750 ml): 06 बोतलें (कीमत 17,904 रुपये) जॉनी वॉकर रेड लेबल स्कॉच व्हिस्की (750 ml): 06 बोतलें (कीमत 8,982 रुपये) बैलेंटाइन्स फाइनेस्ट स्कॉच व्हिस्की (750 ml): 04 बोतलें (कीमत 5,988 रुपये) मोबाइल फ़ोनः 1 रेडमी (ml. 5,000) और 1 रियलमी (ml. 6,000) दूसरा सामानः 2 ट्रॉली बैग (ml. 400) कुल ज़ब्त सामानः ml. 1,33,796 ट्रॉली बैग में शराब की तस्करी की कोशिश नाकाम जांच में पता चला है कि आरोपी महंगी विदेशी शराब की बोतलों को ट्रॉली बैग में छिपाकर तस्करी कर रहे थे।

जन्माष्टमी का संदेशः उत्सव से आगे बढ़कर कृष्ण के कर्मयोग को जीवन में उतारें

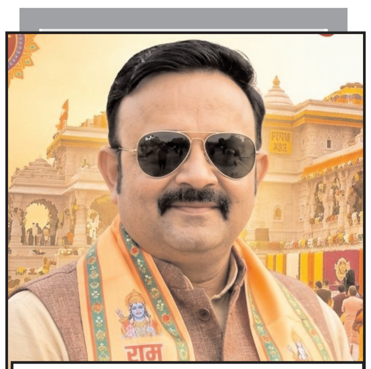

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व अनेक आयामों से बना था। वे केवल आध्यात्मिक पुरुष नहीं थे और न ही केवल युद्धभूमि के मार्गदर्शक। वे समाज को समझने वाले रणनीतिकार, अन्याय के विरोधी, मित्रता को निभाने वाले संवेदनशील व्यक्ति और समय की आवश्यकता के अनुसार निर्णय लेने वाले कर्मयोगी थे। उनके जीवन में जहां प्रेम और करुणा दिखाई देती है, वहीं अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध दृढ़ता भी दिखाई देती है। यही संतुलन उनके व्यक्तित्व को विशिष्ट बनाता है।

जन्माष्टमी केवल भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव नहीं है, बल्कि यह उस जीवन-दर्शन को याद करने का अवसर है, जिसने कर्म, कर्तव्य, न्याय, करुणा और लोककल्याण को धर्म के केंद्र में स्थापित किया। भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मनाया जाने वाला यह पर्व भारतीय जनमानस में सदियों से आस्था, उल्लास और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक रहा है। मंदिरों में सजावट होती है, झांकियां निकलती हैं, भजन गूंजते हैं और आधी रात को भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव मनाया जाता है। लेकिन जन्माष्टमी का वास्तविक महत्व तभी पूरा होगा, जब उत्सव के साथ श्रीकृष्ण के जीवन-मूल्यों को भी अपने आचरण का हिस्सा बनाया जाए।

श्रीकृष्ण का जीवन असाधारण परिस्थितियों से शुरू होकर कर्म और संघर्ष की ऐसी यात्रा बनता है, जो आज भी मनुष्य को कठिन समय में सही रास्ता चुनने की प्रेरणा देती है। उनका जन्म किसी राजमहल के सुख-सुविधापूर्ण वातावरण में नहीं हुआ। वे कारागार में जन्मे और बाल्यकाल का बड़ा हिस्सा सामान्य ग्रामीण परिवेश में बीता। परिस्थितियां उनके अनुकूल नहीं थीं, लेकिन उन्होंने परिस्थितियों को अपने व्यक्तित्व की सीमा नहीं बनने दिया। यही श्रीकृष्ण के जीवन का पहला बड़ा संदेश है कि मनुष्य की पहचान उसके सामने मौजूद कठिनाइयों से नहीं, बल्कि उन कठिनाइयों के बीच किए गए उसके कर्मों से होती है।

श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व अनेक आयामों से बना था। वे केवल आध्यात्मिक पुरुष नहीं थे और न ही केवल युद्धभूमि के मार्गदर्शक। वे समाज को समझने वाले रणनीतिकार, अन्याय के विरोधी, मित्रता को निभाने वाले संवेदनशील व्यक्ति और समय की आवश्यकता के अनुसार निर्णय लेने वाले कर्मयोगी थे। उनके जीवन में जहां प्रेम और करुणा दिखाई देती है, वहीं अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध दृढ़ता भी दिखाई देती है। यही संतुलन उनके व्यक्तित्व को विशिष्ट बनाता है।

उनके जीवन से सबसे महत्वपूर्ण शिक्षा यह मिलती है कि अच्छाई को देखने वाली दृष्टि मनुष्य को भीतर से समृद्ध बनाती है। संसार में कोई भी व्यक्ति या परिस्थिति पूरी तरह दोषरहित नहीं होती। हर जगह अच्छाई और कमी दोनों मौजूद रहती हैं। ऐसे में यह मनुष्य पर निर्भर करता है कि वह अपनी ऊर्जा किस दिशा में लगाता है। दूसरों की कमियां खोजने में जीवन लगाने के बजाय यदि हम उनके भीतर मौजूद अच्छाइयों को पहचानना और उनसे सीखना शुरू करें, तो समाज में कटुता कम होगी और सहयोग की भावना मजबूत होगी। आज जब सामाजिक जीवन में आलोचना, आरोप और नकारात्मकता तेजी से बढ़ रही है, तब श्रीकृष्ण की यह सकारात्मक दृष्टि विशेष रूप से प्रासंगिक हो जाती है।

श्रीकृष्ण का जीवन करुणा को केवल भावना नहीं, बल्कि व्यवहार में बदलने की प्रेरणा देता है। किसी दूसरे व्यक्ति की कठिनाई को देखकर केवल संवेदना व्यक्त करना पर्याप्त नहीं है। वास्तविक मानवता तब है, जब हम अपनी क्षमता के अनुसार किसी की समस्या को कम करने का प्रयास करें। समाज में ऐसे लोगों की आवश्यकता है जो दूसरों के दुख को देखकर मुंह न फेरें, बल्कि सहायता के लिए आगे बढ़ें। आज आर्थिक असमानता, बेरोजगारी, अकेलापन और सामाजिक तनाव जैसी अनेक चुनौतियों के बीच परस्पर सहयोग की भावना ही समाज को मजबूत कर सकती है।

श्रीकृष्ण की मित्रता भी भारतीय संस्कृति में आदर्श मानी जाती है। सुदामा के साथ उनका संबंध यह बताता है कि सच्ची मित्रता में आर्थिक स्थिति, पद या प्रतिष्ठा का कोई स्थान नहीं होता। संबंध की गरिमा इस बात में है कि सामने वाले व्यक्ति को सम्मान मिले और उसकी आत्मसम्मान की रक्षा हो। आज के दौर में जब संबंधों को अक्सर लाभ और सुविधा की दृष्टि से देखा जाने लगा है, तब कृष्ण-सुदामा की मित्रता हमें रिश्तों की वास्तविक कीमत समझाती है।

श्रीकृष्ण का सबसे विराट संदेश भगवद्गीता के माध्यम से सामने आता है। कुरुक्षेत्र में अर्जुन के सामने जब कर्तव्य और मोह का संकट खड़ा हुआ, तब श्रीकृष्ण ने उसे कर्म का मार्ग समझाया। गीता का संदेश केवल युद्धभूमि तक सीमित नहीं है। हर मनुष्य के जीवन में ऐसे क्षण आते हैं, जब निर्णय लेना कठिन होता है। भय, मोह, असमंजस और परिणाम की चिंता व्यक्ति को उसके कर्तव्य से दूर कर सकती है। ऐसे समय में कर्म के प्रति निष्ठा और विवेक ही रास्ता दिखाते हैं। गीता का कर्मयोग इसी जीवन-संघर्ष के बीच मनुष्य को अपने दायित्व से विमुख न होने की प्रेरणा देता है।

श्रीकृष्ण की न्यायप्रियता भी उनके व्यक्तित्व का महत्वपूर्ण पक्ष है। महाभारत के प्रसंग में उन्होंने अंतिम क्षण तक संघर्ष टालने का प्रयास किया। उन्होंने समझौते और शांति का रास्ता खोजने की कोशिश की, लेकिन जब अन्याय और अहंकार के सामने कोई रास्ता नहीं बचा, तब धर्म की रक्षा के लिए संघर्ष आवश्यक हो गया। इसका अर्थ यह नहीं कि हर विवाद का समाधान संघर्ष है। इसका अर्थ यह है कि शांति का प्रयास अपनी जगह जरूरी है, लेकिन अन्याय को स्थायी रूप से स्वीकार कर लेना भी समाधान नहीं हो सकता। समाज में न्याय तभी स्थापित होगा, जब गलत के सामने सही बात कहने का साहस पैदा होगा।

आज के समय में श्रीकृष्ण के इस संदेश को नए संदर्भ में समझने की आवश्यकता है। भ्रष्टाचार, सामाजिक भेदभाव, हिंसा, शोषण, पर्यावरण संकट और सार्वजनिक जीवन में बढ़ती असंवेदनशीलता जैसी समस्याएं केवल कानून से समाप्त नहीं होंगी। इसके लिए नागरिकों के भीतर कर्तव्यबोध और नैतिक जिम्मेदारी भी विकसित करनी होगी। श्रीकृष्ण का कर्मयोग यही सिखाता है कि परिवर्तन की प्रतीक्षा करने के बजाय व्यक्ति स्वयं अपने हिस्से का सही कर्म करे।

श्रीकृष्ण का प्रकृति और पशुजगत से जुड़ा संबंध भी भारतीय सांस्कृतिक चेतना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। गोपाल के रूप में उनकी छवि मनुष्य और प्रकृति के बीच आत्मीय संबंध की याद दिलाती है। आज जब पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है, जलस्रोत प्रदूषित हो रहे हैं और अनेक जीव-जंतु संकट में हैं, तब प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता को धार्मिक भावना से आगे बढ़ाकर जीवन-मूल्य बनाना होगा। जन्माष्टमी का संदेश तभी सार्थक होगा, जब हम अपने आसपास के पर्यावरण, पशुओं और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति जिम्मेदारी निभाएं।

जन्माष्टमी के अवसर पर देशभर में होने वाले आयोजन भारतीय संस्कृति की जीवंतता का प्रमाण हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी इस पर्व से जुड़ते हैं। मंदिरों की सजावट, सांस्कृतिक कार्यक्रम और कृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित प्रस्तुतियां वातावरण को उत्सवमय बना देती हैं। इन परंपराओं का अपना सांस्कृतिक महत्व है और इन्हें बनाए रखना आवश्यक भी है। लेकिन उत्सव का उद्देश्य केवल मनोरंजन या धार्मिक औपचारिकता तक सीमित नहीं होना चाहिए। पर्व तभी समाज को नई दिशा देते हैं, जब वे हमारे व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन पैदा करें।

आज आवश्यकता इस बात की है कि जन्माष्टमी पर हम अपने भीतर के कृष्ण को पहचानने का प्रयास करें। इसका अर्थ किसी धार्मिक कल्पना तक सीमित नहीं है, बल्कि विवेक, साहस, करुणा, न्याय और कर्म की उस चेतना को जगाना है, जिसकी आवश्यकता हर व्यक्ति को होती है। यदि कोई व्यक्ति अपने परिवार के प्रति जिम्मेदार बनता है, अपने काम को ईमानदारी से करता है, कमजोर की सहायता करता है, अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाता है और दूसरों की अच्छाइयों से सीखता है, तो वह श्रीकृष्ण के कर्मयोग को अपने जीवन में उतार रहा है।

वर्तमान समय में समाज को ऐसे ही कर्मयोग की जरूरत है। केवल यह कहना पर्याप्त नहीं कि श्रीकृष्ण महान थे। उनके महान होने का उत्सव मनाने से अधिक जरूरी है कि उनके जीवन से निकली प्रेरणाओं को वर्तमान जीवन की समस्याओं से जोड़ा जाए। आज यदि हम गीता पढ़ते हैं तो उसके कर्मयोग को समझें, यदि कृष्ण की पूजा करते हैं तो उनके न्यायबोध को याद रखें, यदि उनकी बाल लीलाओं का उत्सव मनाते हैं तो उनकी करुणा और सरलता को भी अपने जीवन में स्थान दें।

जन्माष्टमी हमें यह अवसर देती है कि हम अपने भीतर झांकें और पूछें कि हमारा कर्म किस दिशा में जा रहा है। क्या हम केवल अपने हित के बारे में सोच रहे हैं या समाज के प्रति भी हमारी कोई जिम्मेदारी है? क्या हम दूसरों की कमियां गिनाने में लगे हैं या उनकी अच्छाइयों को पहचान रहे हैं? क्या हम अन्याय देखकर चुप रहते हैं या उचित तरीके से उसका विरोध करते हैं? इन सवालों के जवाब ही जन्माष्टमी के वास्तविक अर्थ को सामने ला सकते हैं।

श्रीकृष्ण का जीवन बताता है कि महानता परिस्थितियों से नहीं, दृष्टि और कर्म से पैदा होती है। उन्होंने जीवन के हर मोड़ पर परिस्थितियों का सामना किया और अपने कर्म से रास्ता बनाया। इसलिए जन्माष्टमी का सबसे बड़ा संदेश यही है कि हम उत्सव की रोशनी को अपने आचरण तक पहुंचाएं। मंदिरों में दीप जलें, घरों में खुशियां आएं और मन में कृष्ण के कर्मयोग का प्रकाश भी जले। यदि जन्माष्टमी हमें अधिक संवेदनशील, अधिक जिम्मेदार, अधिक न्यायप्रिय और अधिक कर्मठ बना सके, तभी इस पर्व का उत्सव वास्तव में सार्थक माना जाएगा।

कृष्ण जन्माष्टमी इसलिए केवल कैलेंडर की एक धार्मिक तिथि नहीं है। यह आत्मचिंतन का अवसर है, कर्म के प्रति जागने का अवसर है और उस जीवन-दृष्टि को अपनाने का अवसर है, जो व्यक्ति को स्वयं से ऊपर उठकर समाज और मानवता के लिए जीना सिखाती है। यही कृष्ण का संदेश है और यही जन्माष्टमी की सबसे बड़ी सार्थकता भी।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

संपादकीय

एसआईआर के सवाल

निस्संदेह, किसी लोकतंत्र में चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी व निष्पक्ष होनी चाहिए। साथ ही मतदाताओं की विश्वसनीयता भी उतनी जरूरी है ताकि वाजिब वोट ही चुनाव प्रक्रिया में निर्णायक भूमिका निभाए। इसी आलोक में नौ राज्यों व तीन केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवाल तार्किक समाधान मांगते हैं। इस प्रक्रिया में तुरत-फुरत की कार्यनीति के चलते कई राज्यों में अफरा-तफरी का आलम नजर आता है। जिसका दबाव जमीनी स्तर पर इस प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों पर पड़ रहा है। कई बूथ स्तरीय अधिकारी यानी बीएलओ बेहद तनाव में नजर आ रहे हैं। इनका कार्य मतदाता सूचियों को अपडेट करना है। पश्चिम बंगाल और कई अन्य राज्यों में कम समय में अधिक काम के दबाव के चलते कुछ बीएलओ के मरने व आत्महत्या करने के मामले सामने आए हैं। आरोप है कि उनके वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा ही नहीं बल्कि सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों द्वारा भी उन्हें परेशान किए जाने का आरोप है। हालांकि, इस अव्यवस्था के चलते ही चुनाव आयोग ने अब एसआईआर के कार्यक्रम को एक सप्ताह के लिए और बढ़ा दिया है। लेकिन कहना कठिन है कि इस कदम से बीएलओ का तनाव कम करने या विभिन्न हितधारकों की आशंकाओं को दूर करने में कोई खास मदद मिल सकेगी। कहा जा रहा है कि एक माह पहले शुरू हुई राष्ट्रव्यापी एसआईआर प्रक्रिया में कई तरह की बाधाएं आ रही हैं। इस प्रक्रिया में करीब 51 करोड़ मतदाता शामिल हैं, जो तकरीबन भारतीय आबादी का एक-तिहाई से भी ज्यादा। उनकी शिनाख्त से जुड़ी जानकारी को एक निश्चित समय सीमा में प्रमाणित कर पाना आसान नहीं है। कहा जा रहा है कि निर्धारित समय-सीमा व्यावहारिक नहीं है। तीन महीने की अवधि में गणना प्रपत्रों का वितरण, उसके बाद मसौदा मतदाता सूची का प्रकाशन और फिर अंतिम मतदाता सूची जारी करना आसान काम नहीं है। बहुत तेजी से काम को अंजाम देने का जिम्मा अधिकारियों पर अतिरिक्त दबाव बना रहा है।

निस्संदेह, स्वतंत्र-निष्पक्ष चुनावों हेतु मतदाता सूचियों का शुद्धीकरण एक अनिवार्य शर्त है। लेकिन महत्वपूर्ण काम को जल्दबाजी में नहीं किया जाना चाहिए। मतदाता को यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त समय मिले ताकि उनके नाम सूचियों में सही ढंग से दर्ज हो सकें। यही बात बीएलओ के लिए भी लागू होती है, ताकि वे अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या दोहराव वाले मतदाताओं का डेटा संकलित करने के लिए बूथ-स्तरीय एजेंटों के साथ मिलकर सुचारु रूप से काम कर सकें। यदि एसआईआर की प्रक्रिया किसी विवाद में उलझी रहती है तो इस अभियान का उद्देश्य ही विफल हो सकता है। बिहार की एसआईआर प्रक्रिया के घटनाक्रमों से मिले सबक को अन्य राज्यों में इस प्रक्रिया के दौरान याद रखा जाना चाहिए। निस्संदेह, स्तरहीन व संदिग्ध एसआईआर हमारे चुनावी लोकतंत्र की विश्वसनीयता को ठेस पहुंचा सकता है। उल्लेखनीय है कि विशेष गहन पुनरीक्षण की यह प्रक्रिया मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, केरल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, गोवा, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल आदि राज्यों तथा अंडमान-निकोबार, लक्ष्यद्वीप व पुडुचेरी केंद्रशासित प्रदेशों में जारी है। उल्लेखनीय है कि जहां बीएलओ पर कार्यदबाव व समय सीमा को लेकर सवाल उठ रहे हैं, वहीं कई राज्यों में बीएलओ के खिलाफ मामले दर्ज करने के भी आरोप लगे हैं। इन अधिकारियों का आरोप है कि अतिरिक्त कार्य-दबाव का उनके शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डाल रहा है। वहीं चुनाव आयोग का आरोप है कि कुछ अधिकारियों की लापरवाही के चलते प्रक्रिया की निष्पक्षता व पारदर्शिता प्रभावित हो रही है। वैसे यदि वास्तव में बीएलओ पर अतिरिक्त दबाव है तो चुनाव आयोग को इस मुद्दे का समाधान संवेदनशील ढंग से करना चाहिए। वहीं दूसरी ओर मतदाता पहचान से जुड़े प्रमाणपत्रों को जुटाने में आ रही परेशानियों के चलते लोग भी बीएलओ पर दबाव बनाते हैं। कई राज्यों में बीएलओ संगठनों ने प्रदर्शन करके अधिक समय दिए जाने की मांग भी की है। कुछ लोग चुनाव आयोग की जल्दबाजी को लेकर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि दो-तीन महीने का काम एक माह में पूरा नहीं किया जा सकता। वे समय पर दायित्व न निभा पाने वाले बीएलओ के खिलाफ कानूनी कार्रवाई को अनुचित बताते हैं।

शिक्षा कोरी नियुक्ति ही नहीं, मुक्ति का माध्यम बने

ललित गर्ग

शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों के सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि भारत की शिक्षा-दृष्टि, शिक्षक की भूमिका और भावी पीढ़ी के निर्माण पर गंभीर आत्ममंथन का दिन है। किसी राष्ट्र का भविष्य केवल उसके विद्यालयों की संख्या, भवनों की भव्यता, पुस्तकों की उपलब्धता या परीक्षाओं के परिणामों से निर्धारित नहीं होता, बल्कि इस बात से तय होता है कि उसके विद्यालयों से निकलने वाला मनुष्य कितना ज्ञानवान, विवेकशील, संवेदनशील, चरित्रवान और उत्तरदायी है। इसलिए आज देश में केवल शिक्षा क्रांति की नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति की भी आवश्यकता है। यदि शिक्षा का स्वरूप बदलना है तो शिक्षा देने वाले व्यक्ति की चेतना, दृष्टि और कार्यशैली में भी परिवर्तन लाना होगा। पूरे देश में समान गुणवत्ता वाली शिक्षा की दिशा में प्रयास तभी सफल होंगे, जब प्रत्येक बच्चे को समान अवसर के साथ योग्य, संस्कारवान और प्रतिबद्ध शिक्षक मिलें। भारत की परंपरा में शिक्षा का अर्थ कभी केवल सूचना और रोजगार प्राप्त करना नहीं रहा। हमारी ज्ञान-परंपरा में गुरु वह था जो अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता था। 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' भारतीय शिक्षा-दृष्टि की मूल चेतना को भी व्यक्त करता है। विद्या वह है जो मनुष्य के भीतर विवेक जगाए, उसके आचरण को परिष्कृत करे, उसे आत्मसंयम सिखाए और समाज एवं राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी बनाए। आज यदि शिक्षा का अर्थ केवल नौकरी, पद, वेतन और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होता जा रहा है तो हमें शिक्षा की आत्मा को पुनः खोजने की आवश्यकता है।

शिक्षा के बदलते स्वरूप के साथ शिक्षक की भूमिका भी बदल रही है। कभी शिक्षा को 'सा विद्या या विमुक्तये' अर्थात मुक्ति और आत्मविकास का माध्यम माना गया था, लेकिन आज अनेक बार उसका लक्ष्य केवल 'नियुक्ति' प्राप्त करने तक सिमटता दिखाई देता है। ज्ञान का मूल्य इस आधार पर तय होने लगा है कि उससे कितनी आय और कितना ऊंचा पद प्राप्त किया जा सकता है। शिक्षित होने की आकांक्षा बढ़ी है, लेकिन सुशिक्षित और संस्कारित होने की आकांक्षा उसी अनुपात में नहीं बढ़ी। यह स्थिति केवल शिक्षा व्यवस्था की नहीं, बल्कि पूरे समाज की चिंता का विषय है। आज शिक्षा के व्यवसायीकरण ने इस संकट को और गहरा किया है। शिक्षा जहां मिशन और सामाजिक दायित्व होनी चाहिए थी, वहां कई स्थानों पर वह व्यवसाय का रूप लेती दिखाई देती है। जब ज्ञान की कीमत बाजार तय करने लगे और शिक्षक की सफलता केवल परिणाम तथा वेतन से मापी जाने लगे, तब शिक्षा के मानवीय और संस्कारात्मक पक्ष का कमजोर होना स्वाभाविक है। इसके साथ गुरु-शिष्य संबंधों में भी अनेक स्तरों पर दूरी दिखाई दे रही है। शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच दुर्व्यवहार, अनुशासनहीनता और हिंसा की घटनाएं हमें चेताती हैं कि केवल पाठ्यक्रम बदलने से शिक्षा का संकट समाप्त नहीं होगा। हमें संबंधों की संस्कृति, संवाद की परंपरा और पारस्परिक सम्मान को भी पुनर्जीवित करना होगा।

महान दार्शनिक और शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन इस बात का उदाहरण है कि शिक्षक केवल पेशा नहीं, एक जीवन-दृष्टि हो सकता है। उन्होंने अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाए जाने की इच्छा व्यक्त की थी। तभी से 5 सितंबर देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनके जीवन से यह संदेश मिलता है कि शिक्षक का सम्मान केवल इसलिए नहीं कि वह पढ़ाता है, बल्कि इसलिए कि वह समाज की चेतना को दिशा देता है। वर्तमान समय में शिक्षक की भूमिका पहले से अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। विद्यार्थी के सामने आज पुस्तक के अतिरिक्त इंटरनेट, सामाजिक माध्यम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और असंख्य डिजिटल स्रोत उपलब्ध हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षक की उपयोगिता कम नहीं हुई, बल्कि और बढ़ी है। अब शिक्षक को केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सही जानकारी और गलत सूचना में अंतर समझाने वाला मार्गदर्शक बनना होगा। उसे विद्यार्थी को यह सिखाना होगा कि ज्ञान का उपयोग किस उद्देश्य से और किस जिम्मेदारी के साथ किया जाए। तकनीक शिक्षा का विकल्प नहीं, शिक्षक के हाथ में एक प्रभावी साधन बननी चाहिए।

महात्मा गांधी ने सर्वांगीण विकास में आत्मा, मस्तिष्क, वाणी और कर्म के संतुलन को महत्व दिया था। स्वामी विवेकानंद के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य के भीतर निहित शक्तियों को जागृत करना है। इन दोनों दृष्टियों को आज की शिक्षा व्यवस्था से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थी का मस्तिष्क ज्ञान से समृद्ध हो, हाथ कौशल से सक्षम हों, हृदय करुणा से भरा हो और चरित्र सत्य तथा ईमानदारी पर आधारित हो-यही वास्तविक सर्वांगीण शिक्षा है। केवल प्रतिभाशाली मनुष्य नहीं, बल्कि श्रेष्ठ मनुष्य बनाना शिक्षा का लक्ष्य होना चाहिए। आचार्य महाप्रज्ञ ने व्यक्तित्व-निर्माण को अत्यंत कठिन कार्य माना और इसके लिए निःस्वार्थ तथा जागरूक शिक्षक की आवश्यकता बताई। वास्तव में शिक्षक का सबसे प्रभावी पाठ उसकी पुस्तक नहीं, उसका अपना जीवन होता है। विद्यार्थी शिक्षक की कही बात से अधिक उसके व्यवहार को ग्रहण करता है। शिक्षक सत्यनिष्ठ है तो सत्य का संस्कार देता है, समय का सम्मान करता है तो अनुशासन सिखाता है, विनम्र है तो विनम्रता पैदा करता है और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित है तो समर्पण का उदाहरण बनता है। इसलिए शिक्षक प्रशिक्षण केवल नई शिक्षण पद्धतियों और तकनीकों तक सीमित नहीं होना चाहिएय उसमें चरित्र, संवेदनशीलता, संवाद-कौशल, मानसिक संतुलन, नैतिक नेतृत्व और भारतीय मूल्य-दृष्टि का भी प्रशिक्षण होना चाहिए। शिक्षा को केवल परीक्षा और अंकों के दायरे से बाहर निकालना भी समय की मांग है। अच्छे अंक प्राप्त करना महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन अच्छे अंक अच्छे मनुष्य होने की गारंटी नहीं हैं। राष्ट्र को कुशल वैज्ञानिक, चिकित्सक, अभियंता और प्रबंधक जितने चाहिए, उतने ही ईमानदार नागरिक, संवेदनशील परिवारजन, जिम्मेदार सामाजिक कार्यकर्ता और विवेकशील नेतृत्वकर्ता भी चाहिए। इसलिए मूल्यांकन में ज्ञान के साथ रचनात्मकता, समस्या-समाधान, सहयोग, सामाजिक संवेदना, नैतिक निर्णय क्षमता और व्यवहार को भी महत्व मिलना चाहिए। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने शिक्षा को अधिक समग्र, लचीला, कौशल-आधारित और भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण विचार सामने रखे हैं। लेकिन किसी नीति की वास्तविक सफलता उसके दस्तावेज में नहीं, उसके धरातलीय परिणामों में दिखाई देती है। छह वर्ष के अनुभव के बाद यह आवश्यक है कि सरकार, शिक्षाविद, शिक्षक, अभिभावक और समाज मिलकर निष्पक्षता से समीक्षा करें कि नीति के कौन-से उद्देश्य विद्यालयों तक प्रभावी रूप से पहुंचे और कहां अभी दूरी बनी हुई है। केवल पाठ्यक्रम बदलना पर्याप्त नहीं है। शिक्षक, विद्यालयी संस्कृति, परीक्षा प्रणाली, अभिभावकीय अपेक्षाएं और शिक्षा के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण-इन सभी में परिवर्तन आवश्यक है। यदि देश में ह्यएक जैसी शिक्षाह्ल की बात हो रही है तो उसका अर्थ सांस्कृतिक एकरूपता नहीं, बल्कि समान गुणवत्ता और समान अवसर होना चाहिए। भारत की विविधता उसकी शक्ति है। स्थानीय भाषा, लोकज्ञान, क्षेत्रीय संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करते हुए प्रत्येक बच्चे को आधुनिक विज्ञान, तकनीक, वैश्विक ज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टि की समान सुविधा मिलनी चाहिए। आज शिक्षक दिवस पर सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि हमारे विद्यालयों से कैसे मनुष्य निकल रहे हैं। यदि शिक्षा मनुष्य को अधिक विवेकशील, विनम्र, निर्भीक, करुणामय, सत्यनिष्ठ और उत्तरदायी बना रही है तो वह सफल शिक्षा है। भारत के पास दुनिया को देने के लिए केवल आधुनिक विज्ञान और तकनीकी प्रतिभा नहीं, बल्कि हजारों वर्षों की ज्ञान-संपदा, आध्यात्मिक दृष्टि और मानवीय मूल्यों की महान परंपरा भी है। यदि आधुनिक विज्ञान और तकनीक का समन्वय भारतीय जीवन-मूल्यों के साथ कर दिया जाए तो भारत की शिक्षा व्यवस्था विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। केवल पाठ्यक्रम परिवर्तन की नहीं, चेतना परिवर्तन की है। केवल रोजगारपरक शिक्षा की नहीं, जीवनपरक शिक्षा की है। शिक्षक राष्ट्र का मौन शिल्पकार है। उसके हाथों में केवल एक विद्यार्थी का भविष्य नहीं, आने वाले भारत का चरित्र है। यदि शिक्षक जागेगा तो पीढ़ी जागेगी, पीढ़ी जागेगी तो समाज बदलेगा और समाज बदलेगा तो राष्ट्र नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। यही शिक्षक दिवस का वास्तविक संदेश और विकसित, संस्कारित एवं विश्व का मार्गदर्शन करने वाले भारत की सबसे मजबूत आधारशिला हो सकती है।

आकाश आनंद को झटका! मायावती बोलीं- परिपक्वता की कमी, अभी नहीं मिलेगी बड़ी जिम्मेदारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। यूपी में विधानसभा चुनाव 2027 बसपा ने अकेले ही लड़ने का फैसला लिया है। बीएसपी की ऑल इंडिया बैठक में मायावती ने कार्यकर्ताओं को सख्त संदेश दिया है। मायावती ने ऑल इंडिया बैठक में संगठन की समीक्षा की। मायावती ने आकाश आनंद को भी फिलहाल पार्टी में कोई बड़ी जिम्मेदारी नहीं देने की बात की है।

मायावती ने कहा है कि आकाश में परिपक्वता की कमी है। उन्होंने कहा कि आकाश आनन्द को पार्टी में कार्य करने की जो इजाज़त दी है, लेकिन इस मामले में आकाश आनन्द को अभी और अधिक मैच्योर होने की जरुरत है। मायावती ने कहा कि तब तक आकाश को पार्टी की अभी बड़ी जिम्मेदारी देना उचित नहीं होगा। मायावती ने ऑल इंडिया बैठक में पार्टी व मूवमेन्ट से सम्बन्धित पिछले दिये गये कार्यों की समीक्षा की। इसके साथ पदाधिकारियों को कमियों को दूर करने और आगे के हर वर्ष सालाना होने वाले कार्यों के बारे में भी जानकारी दी। मायावती ने कहा कि कांशीराम के त्याग, तपस्या व समर्पण की तरह ही "बहुजन समाज" का हित, कल्याण व उसकी अस्मिता बनाने का मिशनरी लक्ष्य सर्वोपरि है जिसके लिए सत्ता भी ज़रूरी है। अब पार्टी ने पूरे देश में सभी छोटे-बड़े चुनाव अकेले ही लड़ने का फैसला लिया है।

गाजियाबाद में 9वीं मंजिल से कूदकर 34 वर्षीय इंटीरियर डिजाइनर ने दी जान, परिवार में हुआ था झगड़ा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद में हाईराइज इमारतों में ऊंचाई से गिरने की घटनाएं लगातार चिंता का कारण बनी हुई हैं। कविनगर थाना क्षेत्र की तनुश्री अपार्टमेंट में बुधवार देर रात एक इंटीरियर डिजाइनर ने नौवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद सोसायटी में हड़कंप मच गया। शुरुआती जांच में आत्महत्या की वजह घरेलू कलह बताई जा रही है। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। युवक की पहचान 34 वर्षीय कृष्ण कुमार वत्स के रूप में हुई है। वह तनुश्री अपार्टमेंट के ए-703 फ्लैट में परिवार के साथ रहते थे और इंटीरियर डिजाइन का काम करते थे। पुलिस के अनुसार, मंगलवार रात परिवार में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद कृष्ण कुमार तनाव में थे। बुधवार देर रात उन्होंने अपार्टमेंट की नौवीं मंजिल से छलांग लगा दी।

पुलिस ने आसपास के लोगों से की पूछताछ

नौवीं मंजिल से नीचे गिरने के कारण कृष्ण कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन उन्हें उपचार के लिए सर्वोदय अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने परिवार के लोगों से भी घटना के संबंध में जानकारी ली। एसीपी कविनगर सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पूछताछ में परिवार की ओर से घरेलू कलह के बाद कृष्ण कुमार के तनाव में होने की जानकारी दी गई है। पुलिस की जांच में मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस मामले में आगे की आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

बलिया में एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत से हड़कंप, पत्नी और मां के बाद बेटी की भी गई जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बलिया। उत्तरप्रदेश के बलिया जिले के बिल्थरारोड तहसील अंतर्गत पशुहारी गांव में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत से न सिर्फ घर और परिवार के लोग बल्कि पूरा गांव मायूस है। जहां परिवार में खुशी का माहौल बना हुआ था, वहां दुखों का पहाड़ सा टूट पड़ा। बताया जा रहा है कि बेटी की शादी तय होने के बाद घर में तैयारियां शुरू होने वाली थीं। लेकिन परिवार में अचानक तीन मौतें ने सभी को झकझोर कर रख दिया। बताया जा रहा है कि शनिवार यानी 29 अगस्त को पत्नी की मौत, मंगलवार 1 सितम्बर को मां की मौत और अंतिम संस्कार से वापस लौटने पर एक तारीख को ही बेटी की भी मौत हो गई। हालांकि सूचना मिलते ही जिला प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है। घटना के बाद जांच टीम गांव में पहुंची। गुरुवार को नवभारत टाइम्स ऑनलाइन से सीएमओ अभय नारायण राय ने बताया कि स्वाइन फ्लू का कोई भी सिम्टम्स जांच में नहीं मिला है। स्वास्थ्य विभाग की नजर बनी हुई है, जिन्हें बुखार है उन्हें जिला अस्पताल लाया जा रहा है,ताकि बुखार होने का कारण पता चल सके। शुहारी गांव में 1 सितम्बर को परिवार के लोग मां का अंतिम संस्कार कर घर लौटे ही थे कि वाराणसी के ट्रामा सेंटर से 24 वर्षीय बेटी प्रीति की मौत की सूचना आ गई। एक के बाद एक तीन मौतों से शिवचंद राजभर का परिवार टूट गया। जानकारी के मुताबिक पशुहारी गांव निवासी शिवचंद राजभर अपनी पत्नी आशा देवी (45), मां जोनिया (80), बेटे मनन एवं बेटी प्रीति (24) के साथ रहते थे। शिवचंद कर्नाटक में रहकर लोहा वेल्डिंग का काम करते थे। करीब एक माह पहले वह बेटे मनन के साथ गांव लौटे थे। इसी दौरान बेटी प्रीति की शादी तय हुई थी। घर में शादी को लेकर खुशियों का माहौल था, परिवार तैयारियों में जुटने वाला था। 29 अगस्त को पत्नी की मौत से टूटा पहला पहाड़ परिजनों के अनुसार आशा देवी पहले से बीमार रहती थीं। उन्हें दिमागी बीमारी और पाइल्स की शिकायत थी। पिछले कुछ दिनों से उनकी तबीयत लगातार खराब चल रही थी। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण स्थानीय स्तर पर ही उनका इलाज कराया जा रहा था। इसी बीच उन्हें सांस लेने में भी परेशानी होने लगी। इलाज के दौरान शनिवार को उनकी मौत हो गई। पत्नी की मौत के बाद परिवार अभी इस सदमे से उबर भी नहीं पाया था कि मंगलवार को शिवचंद की बुजुर्ग मां जोनिया की अचानक तबीयत बिगड़ गई। कुछ ही देर बाद उनकी भी मौत हो गई। परिवार के लोग गमगीन माहौल में उनका अंतिम संस्कार करने चले गए। इधर प्रीति की हालत भी लगातार गंभीर होती जा रही थी। परिजनों के अनुसार उसे सर्दी-जुकाम और कमर दर्द के साथ खून की कमी थी। उसका प्लेटलेट्स भी काफी कम हो गया था। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे वाराणसी स्थित ट्रामा सेंटर ले गए थे। वहां उसका इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान परिजनों ने कई यूनिट रक्त भी उपलब्ध कराया, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ। मंगलवार को जोनिया का अंतिम संस्कार करने के बाद परिवार के लोग घर लौटे ही थे कि वाराणसी से प्रीति की मौत की सूचना आ गई। कुछ घंटे के अंतराल में मां और बेटी दोनों को खोने की खबर से परिवार में चीख-पुकार मच गई।

तीन महीने बाद इस हाल में मिली लापता चीता 'निर्वा', ढूंढने में एक किया जमीन आसमान, यहां छुपी थी!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

श्योपुर। कूनो नेशनल पार्क से वन्यजीव प्रेमियों और वन विभाग के लिए एक बेहद राहत भरी खबर सामने आई है। लगभग तीन महीने पहले रेडियो कॉलर खराब होने के बाद रडार से पूरी तरह ओझल हो चुकी मादा चीता 'निर्वा' आखिरकार सुरक्षित मिल गई है। बुधवार को वह कूनो के जंगलों में अपनी तय टेरिटरी के भीतर ही घूमती हुई पाई गई, जिसके बाद विभाग के अधिकारियों ने चैन की सांस ली है। निर्वा के अचानक लापता होने के बाद से ही पार्क प्रशासन की मुश्किलें बढ़ गई थीं और उसकी तलाश में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा था। इस बीच वन्यजीव कार्यकर्ताओं की ओर से भी चिंता जताई जा रही थी। बुधवार को स्थानीय ग्रामीणों ने एक चीता देखे जाने की सूचना वन विभाग को दी, जिसके तुरंत बाद एक्सपर्ट्स की एक टीम फौरन मौके के लिए रवाना हो गई। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के आधार पर जब वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच की, तो वह हैरान रह गई। यह कोई और नहीं बल्कि पिछले तीन महीने से लापता चल रही मादा चीता निर्वा ही थी। मुख्य वन्यजीव वार्डन स्मिता राजोरा ने इस बात की पुष्टि करते हुए बताया कि अब इस बात की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है कि निर्वा को जल्द से जल्द एक नया सैटेलाइट कॉलर पहनाया जाए, ताकि उसकी हरकतों और लोकेशन पर लगातार और भरोसेमंद तरीके से नजर रखी जा सके। जून महीने में जब निर्वा अचानक रडार से बाहर हुई थी, तब वन्यजीव कार्यकर्ता अजय दुबे ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के पास शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की थी और वीएचएफ कॉलर में आई तकनीकी खराबी पर गंभीर सवाल उठाए थे। निर्वा के सुरक्षित मिलने के बाद प्रशासन ने राहत महसूस की है, लेकिन कॉलर खराब होने की इस घटना ने तकनीकी सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर बहस छेड़ दी है। कूनो नेशनल पार्क में चीता प्रोजेक्ट की सफलता के लिए इनकी सुरक्षित मॉनिटरिंग सबसे अहम मानी जाती है। मादा चीता के सही-सलामत मिलने से कूनो प्रशासन ने फिलहाल बड़ी राहत महसूस की है। आने वाले दिनों में उसकी सुरक्षा और पुख्ता ट्रैकिंग सुनिश्चित करने के लिए विभाग नए तकनीकी उपायों पर तेजी से काम कर रहा है। स्थानीय ग्रामीणों की समय पर दी गई सूचना के कारण मादा चीता निर्वा का पता चल सका।करीब तीन महीने तक रडार से बाहर रहने के बाद वह अपनी ही टेरिटरी में सुरक्षित पाई गई। गायब होने के दौरान वन्यजीव कार्यकर्ताओं ने इस तकनीकी विफलता पर उच्च स्तरीय जांच की मांग की थी।

इंदौर में राहुल गांधी के कार्यक्रम को नहीं मिली परमिशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। शहर में राहुल गांधी का बहुप्रतीक्षित छात्र संवाद कार्यक्रम फिलहाल टाल दिया गया है। मोहन यादव सरकार की तरफ से नेहरू स्टेडियम में आयोजन की अनुमति न मिलने के बाद कांग्रेस पार्टी ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। अब यह कार्यक्रम 12 सितंबर के बजाय 19 सितंबर को आयोजित किया जाएगा, हालांकि नए वेन्यू को लेकर माथापच्ची अभी भी जारी है। राजनीतिक गलियारों में इस इनकार को एक नए टकराव के तौर पर देखा जा रहा है। कांग्रेस पार्टी लगातार शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा में धांधली और बेरोजगारी के मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने की कोशिश कर रही है। ऐसे में इंदौर में 50 हजार से अधिक छात्रों को जुटाने का यह प्लान फिलहाल प्रशासनिक पेचीदगियों में उलझ गया है। कांग्रेस नेताओं ने इंदौर के केंद्रीय स्थान पर स्थित नेहरू स्टेडियम को बुक करने की मांग की थी। पार्टी का तर्क था कि 'छात्रों की गूंज' कोई आम राजनीतिक रैली नहीं है, बल्कि छात्रों के भविष्य और शिक्षा के अधिकारों पर खुली चर्चा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर इस बात की सफाई भी दी थी कि यह कार्यक्रम युवाओं के सपनों और शिक्षा प्रणाली की सुरक्षा से जुड़ा है। दूसरी तरफ, नगर निगम और प्रशासन का रुख पूरी तरह अलग रहा है। नगर आयुक्त क्षितिज सहगल ने स्पष्ट किया था कि स्टेडियम के इस्तेमाल को लेकर हाईकोर्ट के पुराने दिशा-निर्देशों का पालन करना अनिवार्य है। इंदौर के मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने इस मामले पर स्थिति साफ करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश हाईकोर्ट का स्पष्ट आदेश है कि नेहरू स्टेडियम का इस्तेमाल केवल खेल गतिविधियों या राज्य स्तर के सरकारी कार्यक्रमों के लिए ही किया जा सकता है। सरकार की दलील है कि यह किसी राजनीतिक विरोध के कारण नहीं, बल्कि अदालती निर्देशों के पालन से जुड़ा हुआ मामला है। इसके बावजूद स्थानीय कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि प्रशासन सत्ताधारी दल के दबाव में काम कर रहा है। इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने दावा किया कि अधिकारी राहुल गांधी के इस कैंपेन से घबराए हुए हैं, इसी वजह से स्टेडियम किराए पर देने से आपत्ति जताई जा रही है। कार्यक्रम की नई तारीख अब 12 सितंबर की जगह 19 सितंबर तय की गई है। कांग्रेस पार्टी इंदौर और आसपास के जिलों से लगभग 50,000 छात्रों को जुटान की तैयारी में है। यह कैंपेन इससे पहले कोटा, देहरादून, प्रयागराज और पुणे जैसे शहरों में भी आयोजित किया जा चुका है।

धार के सरकारी स्कूल की रसोई में घुसा पानी, आंगन में किताबें और बस्ते सुखाते नजर आए बच्चे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

धार। मध्य प्रदेश के धार जिले के एक सरकारी प्राथमिक स्कूल का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें बारिश के पानी से भीगी किताबों को धूप में सुखाया जा रहा है। खराब छत के कारण पानी स्कूल की रसोई तक पहुंच गया था, जहां किताबें रखी हुई थीं। शिक्षा विभाग ने मामले का संज्ञान लेते हुए स्कूल प्रशासन से नोटिस जारी कर जांच बिठा दी है। धार मध्य प्रदेश के अंदरूनी इलाकों में सरकारी शिक्षा व्यवस्था की बदहाली किसी से छिपी नहीं है, लेकिन कई बार सामने आने वाली तस्वीरें सिस्टम के दावों की धज्जियां उड़ा देती हैं। धार जिले के एक सरकारी स्कूल का ऐसा ही एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसे देखकर कोई भी हैरान रह जाए। इस वायरल वीडियो में छोटे-छोटे मासूम बच्चे स्कूल के आंगन में किताबें फैलाकर सुखाते हुए नजर आ रहे हैं, जो शिक्षा व्यवस्था की पोल खोल रहा है।

टपकती छत और बदहाल स्कूल का सच

यह पूरा मामला धार जिले के तिरला ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले सुरजपुरा गांव के एक सरकारी प्राथमिक स्कूल का है। इस स्कूल में कक्षा 1 से 5 तक के करीब 50 बच्चे पढ़ाई करते हैं। हाल ही में जब झमाझम बारिश हुई, तो स्कूल की पुरानी और जर्जर टिन की छत से पानी टपकने लगा। पानी सीधा उस रसोई कक्ष में जा पहुंचा जहां स्कूल का सामान और पुरानी किताबें रखी हुई थीं, जिससे वे पूरी तरह भीग गईं। जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिला शिक्षा विभाग हरकत में आ गया और तुरंत एक्शन लेते हुए स्कूल प्रशासन को कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया। जिला परियोजना समन्वयक अभिषेक यादव ने बताया कि ब्लॉक संसाधन समन्वयक को पूरे मामले की जांच करके एक विस्तृत रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। जांच अधिकारी मुकेश सक्सेना ने स्कूल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और पाया कि भीगी हुई किताबें उन छात्रों से कलेक्ट की गई पुरानी किताबें थीं जो पिछली कक्षाओं को पास करके आगे बढ़ चुके हैं। जांच के दौरान स्कूल के शिक्षकों और प्रभारी ने अधिकारियों को बताया कि बच्चों को किताबें सुखाने के काम पर नहीं लगाया गया था। उनका दावा था कि लंच ब्रेक के दौरान बच्चे जिज्ञासावश वहां पहुंचे थे और अपने आप किताबों के पन्ने पलटने लगे थे। हालांकि, विभाग का कहना है कि रिपोर्ट मिलने के बाद स्कूल प्रबंधन के खिलाफ आगे की उचित कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था, वीवीआईपी इलाके में स्थित जज के घर से चंदन का पेड़ काट ले गए चोर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रीवा। वीआईपी सिविल लाइन इलाके की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जिले के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले इलाके में चोरों ने रात के अंधेरे में चंदन के पेड़ों पर कुल्हाड़ी चला दी। चोर अपर जिला न्यायाधीश आशीष शुक्ला के बंगले के पास और एफ-3 में एसएन तिवारी के परिसर से चंदन के पेड़ काटकर ले गए।

सिविल लाइन इलाके में कई वीवीआईपी लोगों के आवास

खास बात यह है कि सिविल लाइन इलाके में कमिश्नर, कलेक्टर, एसपी और न्यायिक अधिकारियों समेत जिले के कई वरिष्ठ अधिकारियों के आवास हैं। ऐसे हाई-सिक्योरिटी इलाके में चोरों द्वारा बेखौफ होकर पेड़ काटकर ले जाने की घटना ने रात्रिकालीन सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि चोरों ने पहले अपर जिला न्यायाधीश आशीष शुक्ला के बंगले के बगल वाले परिसर को निशाना बनाया। यहां से चंदन के पेड़ काटे गए। इसके बाद एफ-3 में एसएन तिवारी के परिसर में भी चंदन के पेड़ों को काटकर चोर फरार हो गए।

रात के समय में पेड़ काटे चोर

घटना के तरीके से अंदाजा लगाया जा रहा है कि चोर रात के समय इलाके में पहुंचे और बिना किसी डर के पेड़ों को काटकर ले गए। सबसे बड़ा सवाल यही है कि वीआईपी इलाके में जब चोर चंदन के पेड़ों की कटाई कर रहे थे, तब सुरक्षा में तैनात पुलिस या निगरानी व्यवस्था को इसकी भनक क्यों नहीं लगी? सिविल लाइन रीवा का प्रमुख वीआईपी इलाका माना जाता है। यहां जिले के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के अलावा न्यायिक अधिकारियों के आवास भी हैं। ऐसे में इस इलाके से चंदन के पेड़ चोरी होना सामान्य चोरी की घटना से ज्यादा गंभीर माना जा रहा है।

कानपुर देहात में बारिश बनी आफत, कच्ची छत गिरी तो मलबे में दब गए दो मासूम, दोनों की हो गई मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कानपुर। उत्तरप्रदेश के कानपुर देहात में तेज बारिश एक परिवार पर कहर बनकर टूटी। मूसानगर क्षेत्र के जरसेन गांव में कच्चे मकान की छत अचानक भरभराकर गिर गई. हादसे के वक्त छत के नीचे तीन लोग सो रहे थे. मलबे में दबने से 7 साल की बच्ची और 3 साल के बच्चे की मौत हो गई, जबकि उनके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे के बाद बच्चों की मां का रो-रोकर बुरा हाल है। कानपुर देहात में बारिश एक परिवार के लिए ऐसी आफत बनकर आई कि देखते ही देखते घर का सहारा ही उजड़ गया. तेज बारिश के बीच एक कच्चे मकान की छत अचानक भरभराकर गिर गई. उस वक्त घर के अंदर तीन लोग सो रहे थे. छत के मलबे में दो मासूम बच्चे और उनके पिता दब गए. जब तक ग्रामीणों ने मलबा हटाकर तीनों को बाहर निकाला, तब तक 7 साल की बच्ची और 3 साल के बच्चे की मौत हो चुकी थी. बच्चों के पिता गंभीर रूप से घायल हैं. वहीं दोनों बच्चों की मौत के बाद उनकी मां का रो-रोकर बुरा हाल है. हादसा कानपुर देहात के मूसानगर थाना क्षेत्र के जरसेन गांव का है. यहां तेज बारिश हो रही थी. परिवार के लोग कच्चे मकान के अंदर सो रहे थे. इसी दौरान अचानक मकान की कच्ची छत भरभराकर नीचे आ गिरी. छत गिरते ही उसके नीचे सो रही 7 साल की बेटी, 3 साल का बेटा और उनके पिता मुकेश कुमार मलबे में दब गए. एक पल में घर के अंदर चीख-पुकार मच गई. छत गिरने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे. ग्रामीणों ने किसी तरह मलबा हटाने का काम शुरू किया. काफी मशक्कत के बाद तीनों को मलबे से बाहर निकाला गया. लेकिन तब तक दोनों बच्चों की जान जा चुकी थी. मुकेश कुमार हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए. उन्हें तत्काल इलाज के लिए भेजा गया. एक ही परिवार के दो मासूमों की मौत की खबर गांव में फैली तो वहां मातम छा गया. जिन बच्चों के साथ कुछ देर पहले तक घर में जिंदगी थी, बारिश के बाद उसी घर में मातम पसरा हुआ है. बच्चों की मां का रो-रोकर बुरा हाल है. गांव में भी इस हादसे के बाद सन्नाटा पसरा हुआ है. लोग परिवार को संभालने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन दो मासूम बच्चों की मौत का दुख हर किसी के चेहरे पर दिखाई दे रहा है. हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने राहत और बचाव का काम कराया और घायल मुकेश कुमार को एंबुलेंस की मदद से सीएचसी पुखरायां भेजा गया. वहीं दोनों बच्चों के शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी हाउस भेजा गया. प्रशासनिक अधिकारियों ने भी घटनास्थल का जायजा लिया. उपजिलाधिकारी और सीओ भोगनीपुर मौके पर पहुंचे और संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए.

पहले एक ही परिवार के 4 बच्चों की मौत... अब 4 बच्चे ग्वालियर रेफर, 150 से ज्यादा लोगों के लिए ब्लड सैंपल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिवपुरी। एक ही परिवार के चार बच्चों की मौत के बाद अब स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया है। बुधवार शाम चार अन्य बच्चों की तबीयत में गिरावट को देखते हुए उन्हें शिवपुरी जिला अस्पताल से ग्वालियर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। बच्चों के साथ डॉक्टरों की टीम भी भेजी गई है। वहीं स्वास्थ्य विभाग ने इलाके में 150 से ज्यादा लोगों के ब्लड सैंपल लेकर जांच शुरू की है। मध्य प्रदेश के शिवपुरी में एक परिवार के चार बच्चों की मौत हो गई. एक के बाद एक हुई इन मौतों ने पूरे इलाके को चिंता में डाल दिया. अब चार और बच्चों की तबीयत बिगड़ी तो स्वास्थ्य विभाग ने उन्हें शिवपुरी से ग्वालियर भेज दिया. बच्चों के साथ डॉक्टरों की टीम भी गई है. और इसी बीच स्वास्थ्य विभाग ने इलाके के 150 से ज्यादा लोगों के ब्लड सैंपल भी लिए हैं. मामला शिवपुरी जिला मुख्यालय का है. पिछले दिनों एक ही परिवार के चार बच्चों की मौत हो गई थी. घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की चिंता बढ़ी. अब विभाग ने आसपास और संबंधित लोगों की जांच शुरू की है. लोगों के ब्लड सैंपल लिए जा रहे हैं. ताकि किसी बीमारी या इन्फेक्शन की वजह से जुड़ी संभावनाओं को जांचा जा सके. स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अब तक 150 से ज्यादा लोगों के ब्लड सैंपल लिए हैं. इनमें मलेरिया और CBC की जांच की जा रही है. बुधवार की शाम मामला उस वक्त और गंभीर नजर आया जब चार अन्य बच्चों की तबीयत में गिरावट बताई गई. इन चारों को शिवपुरी जिला अस्पताल से ग्वालियर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया. हालांकि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एक बात साफ तौर पर कह रहे हैं- ग्वालियर भेजे गए बच्चों की हालत फिलहाल ठीक है. फिर सवाल उठता है कि जब हालत ठीक है तो ग्वालियर क्यों भेजा गया? इसका जवाब अधिकारियों के मुताबिक एहतियात है. उनका कहना है कि बच्चों को बेहतर इलाज मिल सके और किसी तरह की अनहोनी की स्थिति न बने, इसलिए उन्हें ग्वालियर रेफर किया गया है.

अमेठी में चलती मालगाड़ी से अलग हुए गार्ड केबिन समेत कई डिब्बे, 1 किमी आगे निकल गया इंजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में रामगंज थाना क्षेत्र के छिड़ा गांव के पास रेलवे विभाग की लापरवाही सामने आई. गनीमत रही कि एक बड़ा हादसा टल गया. दरअसल, अयोध्या से प्रयागराज की तरफ जा रही एक मालगाड़ी के आधा दर्जन से अधिक डिब्बे और गार्ड का केबिन चलती ट्रेन से अलग हो गए. कपलिंग सही तरीके से न जुड़ने या चलते-चलते खुल जाने की वजह से यह हादसा हुआ. लगभग एक किलोमीटर आगे जाने के बाद ड्राइवर को घटना की भनक लगी. इसके बाद इंजन को वापस लाकर छूटे हुए डिब्बों को दोबारा जोड़ा गया और ट्रेन को आगे रवाना किया गया. कपलिंग खुलने के बाद मालगाड़ी के गार्ड का डिब्बा और अन्य बोगियां पीछे छूट गईं, जबकि इंजन करीब एक किलोमीटर आगे निकल गया. गनीमत रही कि पीछे से कोई दूसरी ट्रेन नहीं आ रही थी, जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया. स्टेशन अधीक्षक केपी मीणा ने बताया कि वायरल वीडियो लगभग 24 घंटे पुराना, 1 तारीख का है. संभवतः कपलिंग सही से न जुड़ने या चलते-चलते खुल जाने की वजह से डिब्बे अलग हुए थे. सूचना मिलने के बाद डिब्बों को जोड़कर ट्रेन को प्रयागराज के लिए रवाना कर दिया गया था.

80 लाख के सोने पर थी नजर, भतीजी ने बॉयफ्रेंड संग रची हत्या की साजिश; खौफनाक वारदात को दिया अंजाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के रहने वाले 60 वर्षीय राकेश खन्ना ने अपने बुढ़ापे को सुरक्षित करने के लिए एक रियल एक्टेट डील की। उन्होंने सोचा था इस डील से मिले पैसों से उनके आगे की जिंदगी आसानी से गुजर जाएगी, लेकिन इन पैसों ने ही उनकी जान ले ली। उनकी इस डील की भनक एक रिश्तेदार को लग गई और उसने उन्हें लूटने की साजिश रची। शुरू में जो मामला हत्या और लूटपाट की साजिश जैसा लग रहा था, वह असल में लालच और धोखे का मामला निकला।

मंगलवार को हुई उनकी हत्या के पीछे उनकी पत्नी की भतीजी, सिमरन तनेजा का हाथ होने का पता चला, जो इस पूरी साजिश की मास्टरमाइंड थी। पुलिस के मुताबिक, रोहिणी सेक्टर 3 में रहने वाले राकेश खन्ना ने हाल में ही 80 लाख रुपये में एक फ्लैट बेचा था और उस कैश को सोने में बदल लिया था। परिवार की दिनचर्या की पूरी जानकारी होने के कारण, 23 साल की प्राइमरी स्कूल टीचर सिमरन ने अपने जिम-ओनर बॉयफ्रेंड हिमांशु, ट्रेनर चिराग (22) और पारस (19) के साथ मिलकर खन्ना को लूटने की साजिश रची। पारस 12वीं क्लास का स्टूडेंट है और पहले मुखर्जी नगर के एक मामले में शामिल रह चुका है। 30 अगस्त को आरोपियों ने घर की रेकी की। मंगलवार को सिमरन ने अपनी मौसी यानी राकेश खन्ना की पत्नी और अन्य रिश्तेदारों को स्थानीय मेले में जाने के लिए राजी कर लिया। इससे खन्ना घर में अकेले रह गए। खन्ना हृदय रोगी भी थे। जांच में सामने आया कि सिमरन ने फ्लैट के सेंट्रल लॉक की डुप्लीकेट चाबी हासिल कर ली थी। इससे पहले कि वे शोर मचा पाते, उन लोगों ने 60 साल के उस व्यक्ति का गला घोंटकर मार डाला। हालांकि, खन्ना ने ज्यादातर सोना ऐसी जगह छिपाकर रखा था, जिसकी जानकारी परिवार के अन्य सदस्यों को भी नहीं थी।

दिल्ली में जिम के बाहर अंधाधुंध फायरिंग, प्रॉपर्टी डीलर को बाइक सवारों ने मारी कई गोलियां

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। नरेला इलाके में एक प्रॉपर्टी डीलर की जिम के बाहर अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी. घटना के बाद आरोपी स्कूटी से फरार हो गए. मृतक प्रमोद हरियाणा के सोनीपत जिले के नाहरी गांव के रहने वाले थे और प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते थे. अब पुलिस मामले की जांच में जुट गई है. बाहरी दिल्ली के नरेला इलाके में एक प्रॉपर्टी डीलर की सरेआम गोलियां मारकर हत्या कर दी गई. ये

वारदात नरेला के बाकनेर गांव में एक जिम के बाहर हुई. वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी स्कूटी से तेजी से फरार हो गए. मृतक की पहचान प्रमोद के रूप में हुई है, जो मूल रूप से हरियाणा के सोनीपत जिले के नाहरी गांव के रहने वाले थे. प्रमोद पेशे से प्रॉपर्टी डीलर थे और अपने काम के सिलसिले में इलाके में आते-जाते रहते थे. प्रमोद जब बाकनेर गांव स्थित जिम के बाहर खड़े थे, तभी स्कूटी पर सवार होकर आए अज्ञात बदमाशों ने उन पर अचानक हमला कर दिया. हमलावरों ने प्रमोद को निशाना बनाते हुए कई राउंड गोलियां दागीं. घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची. पुलिस हमलावरों की पहचान और हत्या के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है.

दिल्ली में सैफी हॉस्पिटल के डायरेक्टर ने खुद को गोली मारकर की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। निहाल विहार इलाके में सैफी हॉस्पिटल के डायरेक्टर निहार सैफी ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। खुदकुशी करने का कारण अभी सामने नहीं आया है, हालांकि पुलिस जांच कर रही है। नई दिल्लीः दिल्ली के निहाल विहार थाना इलाके में एक शख्स ने गोली मारकर खुदकुशी कर ली। मृतक की पहचान फैज सैफी (30) के रूप में हुई है। वह परिवार के साथ निहाल विहार इलाके में ही रहते थे। देर रात 1:30 बजे के आसपास फर्स्ट फ्लोर पर कनपटी में गोली मारकर खुदकुशी कर ली। जैसे ही मामले की सूचना देर रात पुलिस को मिली, मौके पर पीसीआर और निहाल विहार थाना की पुलिस टीम पहुंच गई। इस मामले की जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारियों ने बताया कि छानबीन के बाद मृतक के शव को मंगोलपुरी के संजय गांधी मेमोरियल हॉस्पिटल में भेज दिया गया है। क्राइम टीम को बुलाकर मौके से जरूरी सबूत इकट्ठा किए गए। घर वालों से पूछताछ की जा रही है। पता लगाने की कोशिश किया जा रहा है, कि आखिर खुदकुशी की वजह क्या थी। यह भी पता चला है कि मृतक सैफी हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर भी थे। बताया जा रहा है कि फैज सैफी स्थानीय समाजसेवी शकील सैफी के बेटे थे। वह शादीशुदा थे और उनके दो बच्चे हैं। फिलहाल पुलिस खुदकुशी के कारणों का पता लगाने में जुटी है। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

दिल्ली में सैफी हॉस्पिटल के डायरेक्टर ने खुद को गोली मारकर की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। चोरी की एक ऐसी कहानी सामने आई है, जिसमें चोर ने न किसी घर का ताला तोड़ा, न दुकान का शटर उखाड़ा और न ही किसी गाड़ी से सामान उड़ाया. उसने सड़क किनारे रखी एक मशीन देखी और उसे ही पार कर दिया. मशीन की कीमत थी करीब 8 लाख रुपये. नाम था Digi-Tracker... अब सवाल ये कि आखिर 8 लाख की ऐसी कौन-सी मशीन थी, जिसे चोर सड़क किनारे से उठाकर ले गया? कहानी

दिल्ली के द्वारका इलाके की है. डाबड़ी इलाके में सड़क की खुदाई का काम चल रहा था. पाइपलाइन डालने के लिए जमीन की खुदाई की जा रही थी. इसी काम में Digi-Tracker मशीन का इस्तेमाल किया जा रहा था. काम के दौरान मशीन को साइट पर सड़क किनारे रखा गया था. यही जगह चोर के लिए मौका बन गई. वो आया और करीब 8 लाख रुपये की मशीन लेकर चलता बना. काम करने वाली टीम को जब मशीन गायब मिली तो हड़कंप मच गया. मामला पुलिस तक पहुंचा और डाबड़ी थाने में शिकायत दर्ज कराई गई. सवाल था कि मशीन चोरी किसने की? और इतनी बड़ी मशीन लेकर चोर गया कहां? पुलिस ने जांच शुरू की तो सबसे पहले आसपास लगे CCTV कैमरों को खंगालना शुरू किया गया. पुलिस ने करीब 5 किलोमीटर के दायरे में लगे CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली. एक कैमरे से दूसरे कैमरे तक चोर के रास्ते को जोड़ने की कोशिश हुई. आखिरकार पुलिस को कुछ सुराग मिले. जांच आगे बढ़ी तो पुलिस की टीम मंगोलपुरी तक पहुंच गई. और फिर वहां से एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया. पुलिस ने आरोपी को पकड़ा तो कहानी और साफ हो गई. उसके पास से वही मशीन बरामद हो गई, जिसकी कीमत करीब 8 लाख रुपये बताई जा रही है. पुलिस को शक है कि इस चोरी में आरोपी अकेला नहीं था.

महाराष्ट्र के सरकारी दफ्तरों में अनहेल्दी फूड बैन, जूस, मिलेट्स की खिचड़ी, बिना चीनी, जैसे हेल्दी खाना अनिवार्य

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग की ओर से एक नया आदेश जारी किया गया है। यह आदेश सभी सरकारी कैंटीनों तथा आधिकारिक बैठकों या कार्यक्रमों में दिए जाने वाले रीफ्रेशमेंट और खाने को लेकर है। इस आदेश में श्री अन्न (मिलेट्स) की खिचड़ी, अंकुरित अनाज की सब्जी (उसल) और सोलकढ़ी जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थ और पेय पदार्थ उपलब्ध कराना अनिवार्य कर दिया गया है। एक शासनादेश (जीआर) के माध्यम से जारी इस निर्देश में अत्यधिक प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों और अत्यधिक चीनी, नमक व अस्वास्थ्यकर वसा वाले व्यंजनों में धीरे-धीरे कटौती करने का भी आह्वान किया गया है। यह 'पौष्टिक मेनू' भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय पोषण संस्थान (आईसीएमआर-एनआईएन) और भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार किया जाएगा। इसमें कम नमक, चीनी और तेल वाले भोजन पर जोर दिया जाएगा। जीआर के साथ जारी मेनू दिशानिर्देशों में छोटी बैठकों और जलपान के लिए मौसमी फल, भुने या उबले हुए चने और मूंगफली, अंकुरित अनाज, सब्जियों वाला पोहा, इडली-सांबर, सब्जियों वाला उपमा, श्री अन्न की खिचड़ी, उबले अंडे, सूखे मेवे और बीज शामिल करने का सुझाव दिया गया है। सुझाए गए पेय पदार्थों में नारियल पानी, छाछ, सोलकढ़ी, बिना चीनी वाला दूध, सीमित चीनी या गुड़ के साथ नींबू पानी, और बिना चीनी वाली ग्रीन टी या हर्बल टी शामिल हैं। आधे दिन या पूरे दिन के कार्यक्रमों के लिए, जीआर में ज्वार, बाजरा या रागी की भाकरी, मिश्रित अनाज की रोटी, हाथ से कुटे चावल या ब्राउन राइस, दाल या 'उसल', कम तेल में पकी हरी व मौसमी

सब्जियां, दही या छाछ, सलाद, मिठाई के स्थान पर फल, कम तेल वाली खिचड़ी, सब्जियों वाला पुलाव, पनीर, अंकुरित अनाज आधारित करी और ठीक से पकी हई मछली, चिकन या मटन शामिल करने का सुझाव दिया गया है। सरकारी विभागों से नए खाद्य और कैटरिंग अनुबंधों में पौष्टिक मेनू के लिए विशिष्ट प्रावधान शामिल करने को भी कहा गया है। विभागीय कैंटीनों में आदेश के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए एक मेनू निरीक्षण समिति होगी और एक नोडल अधिकारी भी नियुक्त किया जाएगा। जीआर में कहा गया है कि खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) के समन्वय से कैंटीनों का समय-समय पर ऑडिट किया जाना चाहिए। कैटरिंग और खाद्य खरीद अनुबंधों में यह शर्त होना आवश्यक है कि खाद्य पदार्थों के पोषण संबंधी घटकों की जानकारी प्रदर्शित की जाए। आदेश में कहा गया है कि इसका उद्देश्य स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना और कार्यक्षमता व उत्पादकता में सुधार करते हुए गैर-संचारी रोगों के जोखिम कारकों को कम करने में मदद करना है।

ठाणे के कलवा अस्पताल में आंखों की सर्जरी के लिए भर्ती मरीज के खाने में मिला कॉकरोच

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ठाणे। कलवा के छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल में एक मरीज के खाने में कॉकरोच मिलने के बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने कड़ा रुख अपनाया। मनसे के पदाधिकारियों ने संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए अस्पताल की डीन डॉ स्वप्नाली कदम के दफ्तर में धरना दिया। गौरतलब है कि प्रशासन ने माना कि विरोध-प्रदर्शन से पहले न तो उन्होंने संबंधित मरीज से मुलाकात की थी और न ही घटना की कोई जांच शुरू की थी।

खाने की गुणवत्ता पर सवाल

28 अगस्त की रात, वार्ड नंबर 6 में आंखों की सर्जरी के लिए भर्ती एक मरीज को दिए गए खाने में कॉकरोच मिला। इस घटना ने अस्पताल में सप्लाई किए जाने वाले खाने की गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए। मनसे के पदाधिकारियों ने पार्टी के जनहित और कानूनी विंग के ठाणे शहर अध्यक्ष स्वप्निल महिंद्रकर के नेतृत्व में अस्पताल में विरोध-प्रदर्शन किया। विरोध-प्रदर्शन के बाद डॉ. कदम मरीज से मिलीं और डॉ मलगांवकर ने उनसे घटना के बारे में जानकारी ली। स्न्हस् ने खाने की सप्लाई करने वाले ठेकेदार की जांच की मांग की और जोर दिया कि दोषी पाए जाने पर ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट किया जाए। विरोध-प्रदर्शन में आकाश शिंदे, संदीप काढू, दिनकर फुलसुंदर, गौरव केलशिकर और सिद्धेश सिंह समेत कई पदाधिकारी शामिल हुए। इस धरने के कारण कुछ समय के लिए अस्पताल परिसर में तनावपूर्ण माहौल बन गया। यह भी पता चला कि घटना के चार दिन बीत जाने के बाद भी संबंधित खाने के सैंपल जांच के लिए फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन को नहीं भेजे गए थे। प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि अगले दो दिनों में जांच पूरी कर ली जाएगी। महिंद्रकर ने चेतावनी देते हुए कहा कि मरीज के खाने में कॉकरोच मिलना एक गंभीर मामला है। हमें सिर्फ जांच के भरोसे नहीं चाहिए। जिम्मेदार लोगों के खिलाफ ठोस कार्रवाई होनी चाहिए।

घूस ले रहे थे BMC के इंजीनियर और कर्मचारी ACB ने यूं दबोचा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बुधवार को बृहन्मुंबई नगर निगम के एक जूनियर इंजीनियर और एक कर्मचारी को एक बेकरी मालिक से 60 हजार रुपये की रिश्वत मांगने और लेने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया. कार्रवाई के दौरान एसीबी ने बीएमसी कर्मचारी के पास से 2.78 लाख कैश भी बरामद की. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जूनियर इंजीनियर नीरव कुमार और नगर निगम कर्मचारी विजय रमेश पाटिल के रूप में हुई है. दोनों मुंबई के अंधेरी पश्चिम स्थित बीएमसी दफ्तर में काम करते थे. शिकायतकर्ता बेकरी का कारोबार चलाता है. उसने बताया कि विजय पाटिल ने उससे 70 हजार रुपये की रिश्वत मांगी. बदले में आश्वासन दिया कि बेकरी को बिना परेशानी के चलने दिया जाएगा. साथ ही उसके खिलाफ कोई प्रशासनिक कार्रवाई नहीं की जाएगी. ऐसे में बेकरी मालिक ने बुधवार को मुंबई एसीबी दफ्तर कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई. जांच के दौरान पाटिल ने दोबारा 70 हजार घूस मांगी और शिकायतकर्ता की मुलाकात अपने वरिष्ठ अधिकारी नीरव कुमार से कराई. इसी बातचीत के बाद रिश्वत की रकम घटाकर 60 हजार रुपये तय की गई. इसके बाद एसीबी अधिकारियों ने आरोपियों को फंसाने के लिए खास प्लानिंग की. जब पाटिल शिकायतकर्ता से 60 हजार रुपये घूस लेते हुए पकड़ा गया, तो एसीबी के अफसरों ने नीरव कुमार को भी उसके कार्यालय से हिरासत में ले लिया. पाटिल की तलाशी के दौरान 40 हजार से अधिक नकद उसके पास से मिले. उसके बैग से अतिरिक्त ?2,37,600 रुपये भी मिले. यानी अकेले पाटिल के पास से कुल 2,78,420 रुपये नकद बरामद हुई. जांचकर्ताओं ने नीरव कुमार के पास से 2 मोबाइल फोन और पाटिल के पास से एक मोबाइल जब्त किया. दोनों के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट के धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है.

नई Toyota Fortuner और Mahindra BE 6 की रील बनाने के लिए मुंबई-बेंगलुरु हाईवे पर ड्रोन से शूट, पुणे का शख्स अरेस्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। एक शख्स ने नई कार खरीदीं। इस नई कार के साथ उसने रील बनाने का फैसला लिया। फिर सजी-धजी और ढकी कार को काफिले की बीच निकाला और उसकी रील बनाकर पोस्ट की। ऐसा करना उसके लिए मुसीबत बन गया। नई कारें खरीदने के बाद का जश्न पुलिस केस में बदल गया। उसकी गाड़ियां जब्त हो गईं और उसे पुलिस ने पकड़ लिया। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने शख्स के सिविक सेंस पर सवाल उठाए और उसके जमकर सुनाई। मामला पुणे के पिंपरी-चिचवड का है। पुणे के रहने वाले शख्स ने महिंद्रा BE 6 और टोयोटा फॉर्च्यूनर स्न्ङ्क खरीदी थीं। उसने शोरूम से लेकर अपने घर तक इस कारों के आने की रील बनाने की सोची। उसने यह रील मुंबई-बेंगलुरु हाईवे पर बनाई।

मुंबई-बेंगलुरु हाईवे पर ट्रैफिक जाम

शख्स का जश्न कथित तौर पर ट्रैफिक के लिए खतरा बन गया। पुलिस ने सोहम पर वीडियो रिकॉर्ड करते समय व्यस्त सड़क को ब्लॉक करने का आरोप लगाया। यह घटना 27 अगस्त को हुई, जब ग्रुप ने कथित तौर पर वाकड में बानेर और

भुजबल चौक के बीच अपनी गाड़ियां रोकीं और खतरनाक तरीके से चलाईं। इस स्टंट की वजह से ट्रैफिक जाम हो गया और गाड़ियों की आवाजाही में रुकावट आई।

ड्रोन से शूट किया वोडियो

यह मामला तब सामने आया जब घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने लगे। पुलिस ने बताया कि ग्रुप ने शूटिंग (जिसमें ड्रोन से लिया गया फुटेज भी शामिल था) के लिए हाईवे पर अपनी गाड़ियां खड़ी कीं और उनकी रफ्तार धीमी कर दी। खबरों के मुताबिक, गाड़ियों के काफिले के पीछे गाड़ियों की कतार लग गई थी। वीडियो में दिख रहा है कि एक खुले ट्रक में लाल कपड़े में ढकी कार रखी है। उसके आगे बीई 9 चल रही है और आसपास दूसरी गाड़ियों को काफिला चल रहा है। बावधन पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और मोटर व्हीकल एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने मावल के कुसगांव निवासी महिंद्रा BE 6 के मालिक को हिरासत में लिया है। अन्य लोगों के नाम भी शामिल किए गए हैं, जिनमें दो टोयोटा फॉर्च्यूनर SUV के ड्राइवर और वीडियो शूट करने के लिए हायर किया गया फोटोग्राफर शामिल है। इस घटना ने ऑनलाइन बहस छेड़ दी है। कई सोशल मीडिया यूज़र्स ने दूसरे वाहन चालकों की जान जोखिम में डालने के लिए इस ग्रुप की आलोचना की है। एक व्यक्ति ने कमेंट किया, यह 'नए पैसे' (अचानक अमीर बनने) का एक आम मामला है, लेकिन इसमें ज़रा भी क्लास या सिविक सेंस (नागरिक समझ) नहीं है एक अन्य यूजर ने सवाल उठाया कि क्या ट्रैफिक नियमों को समान रूप से लागू किया जाता है। उन्होंने लिखा कि आम लोगों का चालान तब तक नहीं काटा जाना चाहिए जब तक कि हर VIP के साथ भी अनुशासन के सामान्य नियम न अपनाए जाएं। सिर्फ़ आम लोगों को ही नहीं, बल्कि सभी को सही ट्रैफिक नियमों का पालन करना चाहिए।

'अभिजीत दीपके का बोस्टन यूनिवर्सिटी में पढ़ाई का कोई रिकॉर्ड नहीं', फिर गरमाया CJP फाउंडर की डिग्री विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पुणे। 'कॉकरोच जनता पार्टी' के फाउंडर अभिजीत दिपके की पढ़ाई-लिखाई की जानकारी को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। पॉडकास्टर प्रखर गुप्ता ने कहा कि उनके एक दोस्त, जो बोस्टन यूनिवर्सिटी में पढ़े थे, उन्हें वहां दिपके के ग्रेजुएशन का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। यह दावा पॉडकास्ट के एक एपिसोड के दौरान किया गया, जिसमें क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम

वांगचुक भी शामिल थे। प्रखर गुप्ता ने बताया कि उनके एक करीबी दोस्त ने बोस्टन यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की थी और वे जंतर-मंतर पर CJP के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शन में सक्रिय रूप से शामिल थे। मेरा एक बहुत अच्छा दोस्त बोस्टन यूनिवर्सिटी गया था। यह अभिजीत का कॉलेज भी है। सोनम वांगचुक ने बताया कि उनके दोस्त ने विरोध प्रदर्शनों में हिस्सा लिया था और आंदोलन के समर्थन में मीडिया कंटेंट भी बनाया था। लगभग एक महीने बाद, उनके दोस्त ने अभिजीत दिपके की पढ़ाई-लिखाई की जानकारी की जांच शुरू की और कथित तौर पर उन्हें बोस्टन यूनिवर्सिटी से उनके ग्रेजुएशन का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला। प्रखर गुप्ता ने कहा कि अभिजीत की पढ़ाई-लिखाई की जानकारी की गहराई से जांच की और पाया कि बोस्टन यूनिवर्सिटी से उनके ग्रेजुएशन का कोई रिकॉर्ड नहीं है। हालांकि, अभिजीत दिपकेने ङ्ग पर इस दावे का जवाब दिया और इस बात का मजाक उड़ाया कि उनके ग्रेजुएशन की पुष्टि नहीं हो सकी। दिपके ने लिखा कि इसमें मेरी क्या गलती है कि उनके दोस्तों को BU COM ग्रेजुएशन इवेंट्स में नहीं बुलाया गया था? उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया जिसमें वे बोस्टन यूनिवर्सिटी के कॉलेज ऑफ़ कम्युनिकेशन ग्रेजुएशन कम्युनिटी से जुड़े एक इवेंट में दिखाई दे रहे थे। लोग मेरी डिग्री देखने के लिए सचमुच बेसब्र हो रहे हैं। मुझे हैरानी होती है कि वे प्रधानमंत्री की डिग्री देखे बिना 12 साल तक कैसे काम चलाते रहे।सर नरेंद्र मोदी आइए हम दोनों अपनी-अपनी डिग्री दिखाएं और इस मामले को खत्म करें? अभिजीत दीपके यह वीडियो BU COM Grad, Student Council नाम के इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की गई एक स्टोरी की स्क्रीन रिकॉर्डिंग थी। यह ताजा आरोप तब सामने आया है जब बोस्टन यूनिवर्सिटी ने खुद ऐसी जानकारी प्रकाशित की है जिसमें अभिजीत दिपके को ग्रेजुएट बताया गया है। जून 2026 के एक आर्टिकल में, बोस्टन यूनिवर्सिटी के कॉलेज ऑफ कम्युनिकेशन ने दिपके को COM ग्रेजुएट बताया और कहा कि उन्होंने पिछले साल यूनिवर्सिटी से पब्लिक रिलेशंस में मास्टर्स की डिग्री पूरी की थी। अभिजीत दीपके को मिली थी बोस्टन यूनवर्सिटी की स्कॉलरशिप यूनिवर्सिटी के आर्टिकल में दिपके का एक इंटरव्यू भी शामिल था, जिसमें उन्होंने बताया कि कैस B में उनकी पढ़ाई ने CJP कैंपेन की कम्युनिकेशन स्ट्रैटेजी को प्रभावित किया। दीपके ने पहले कहा है कि उन्होंने बोस्टन यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की और पब्लिक रिलेशंस में मास्टर डिग्री हासिल की। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पढ़ाई का खर्च बोस्टन यूनिवर्सिटी की स्कॉलरशिप और एजुकेशन लोन से उठाया गया था। इस विवाद के बीच, दीपके ने पहले कहा था कि वे अपनी डिग्री और दूसरे दस्तावेज दिखाने को तैयार हैं ताकि अपनी पढ़ाई-लिखाई की जानकारी साबित कर सकें। यह विवाद अब फिर से उठ खड़ा हुआ है

दिल्ली पुलिस के 15 जिलों में तैनात रहेगी साइबर फॉरेंसिक वैन, लोगों को तत्काल मिलेगा टेक्निकल सपोर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। साइबर अपराधों की जांच को ज़्यादा आधुनिक और तकनीकी रूप से मजबूत बनाने की दिशा में प्रस्तावित दिल्ली साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर के तहत पुलिस के सभी 15 जिलों के लिए साइबर फॉरेंसिक वैन तैनात होंगी। इनकी मदद से पुलिस घटनास्थल पर ही मोबाइल, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट्स से जुड़े डिजिटल एविडेंस सुरक्षित कर सकेगी। पुलिस अफसरों ने बताया कि साइबर क्राइम की जांच में डिजिटल सबूतों को समय रहते सुरक्षित करना बड़ी चुनौती होता है। इसे देखते हुए सभी जिलों के लिए साइबर फॉरेंसिक वैन उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है। इन वैन में मोबाइल और कंप्यूटर फॉरेंसिक किट, सुरक्षित डेटा स्टोरेज और कम्युनिकेशंस के उपकरण जैसी फैसिलिटी होंगी। इनका इस्तेमाल घटनास्थल पर तत्काल टेक्निकल सपोर्ट देने और डिजिटल सबूतों को एकत्र करने के लिए होगा। डिजिटल डिवाइस को लैब भेजने से पहले ही मौके पर ही प्रारंभिक टेक्निकल सपोर्ट मिल सकेगी। नई दिल्ली के जय सिंह रोड स्थित पुलिस हेडक्वॉर्टर में बनने जा रहे ष्ठ4ष्ट के ऑफिस में एक सेंट्रल साइबर डेटा सेंटर भी स्थापित किया जाएगा।

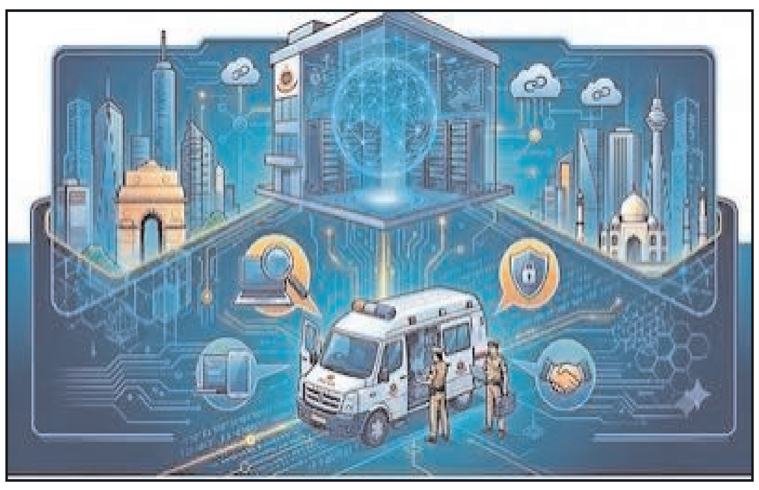

यह केस डेटा, डिजिटल फॉरेंसिक इमेज, CCTV फुटेज और अन्य जांच संबंधी डिजिटल सबूतों के लिए 'सेंट्रल स्टोर' के रूप में काम करेगा।

हैश वेरिफिकेशन से सिक्योरिटी

डिजिटल साक्ष्यों की विश्वसनीयता और उनकी कानूनी स्वीकार्यता बनाए रखना साइबर इन्वेस्टिगेशन का अहम हिस्सा है। इसके लिए डिजिटल एविडेंस मैनेजमेंट सिस्टम का प्रस्ताव है। इसके जरिए डिजिटल सबूतों का पूरा रिकॉर्ड रखा जाएगा। इसमें ऑडिट ट्रेल, हैश वेरिफिकेशन और चेन ऑफ कस्टडी जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। इससे यह सुनिश्चित हो सकेगा कि जांच के दौरान किसी डिजिटल साक्ष्य को कब, किस अधिकारी ने और किस मकसद से एक्सेस किया, इसका रिकॉर्ड उपलब्ध रहे और साक्ष्य की मूल स्थिति की पुष्टि की जा सके।

कदवाल के ज़ारी गांव के प्राइमरी स्कूल के 125 बच्चे टूटे-फूटे कमरों में पढ़ रहे हैं, जान जोखिम में डालकर पढ़ाई करने को मजबूर हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटा उदयपुर। जिले के नए बने कदवाल तालुका के ज़ारी गांव में एजुकेशन सिस्टम को लेकर एक चिंताजनक स्थिति सामने आई है। ज़ारी गांव में क्लास 1 से 5 तक के प्राइमरी स्कूल के कमरे पुराने और जर्जर हालत में हैं। मानसून में कमरों में पानी टपकता है और बच्चे बैठ भी नहीं पाते। इसके बावजूद बच्चों को उसी टूटे-फूटे कमरे में बिठाकर पढ़ाई करवाई जा रही है।

दूसरी तरफ, स्कूल के दूसरे कमरे गांव से करीब एक किलोमीटर दूर होने की वजह से बच्चों को पढ़ाई और मिड-डे मील के लिए बार-बार एक किलोमीटर का सफर तय करना पड़ता है। जिससे बच्चों का पढ़ाई का समय भी बर्बाद हो रहा है।

VIO कदवाल तालुका के ज़ारी गांव के प्राइमरी स्कूल की ये तस्वीरें एजुकेशन सिस्टम की असली हालत दिखाती हैं। यहां पहली से पांचवीं क्लास तक के बच्चे पढ़ते हैं, लेकिन स्कूल के पुराने कमरे खराब हो गए हैं। गांव वालों का कहना है कि ये कमरे करीब 70 साल पुराने हैं। बारिश के मौसम में छत से पानी टपकता है, जिससे बच्चों को बैठाना मुश्किल हो जाता है। कमरे की हालत खतरनाक होने के बावजूद टीचर बच्चों को यहां पढ़ाने को मजबूर हैं। स्कूल के दूसरे कमरे गांव से करीब एक किलोमीटर दूर हैं। वहीं, मिड-डे मील का किचन भी गांव के प्राइमरी स्कूल के कमरे के कंपाउंड में है। इस वजह से बच्चों को खाना खिलाने के लिए एक किलोमीटर

दूर ले जाना पड़ता है और फिर वापस स्कूल लाना पड़ता है। बच्चों को बार-बार एक किलोमीटर आने-जाने में समय लगता है, जिससे उनकी पढ़ाई पर भी असर पड़ रहा है। टीचरों के लिए भी बच्चों को लाना-ले जाना मुश्किल हो रहा है। गांव वालों का कहना है कि अगर ज़ारी गांव में नया प्राइमरी स्कूल का कमरा बनाने के लिए सही सरकारी ज़मीन मिल जाए, तो यह समस्या हमेशा के लिए हल हो सकती है। एक तरफ सरकार डेवलप्ड गुजरात और अच्छी एजुकेशन की बात कर रही है, वहीं दूसरी तरफ ज़ारी गांव के बच्चे खराब कमरों में पढ़ने को मजबूर हैं। गांववालों की मांग है कि एडमिनिस्ट्रेशन तुरंत जगह का इंस्पेक्शन करे, सरकारी ज़मीन ढूंढे और नए स्कूल रूम बनाए और ऐसे इंतज़ाम करे जिससे बच्चे सुरक्षित माहौल में पढ़ सकें।

इसके साथ ही, गांववालों ने मांग की है कि नेता और संबंधित अधिकारी ज़ारी गांव आएं और खुद जाकर बच्चों की समस्याओं को देखें और उनका हल निकालें।

अभी ज़ारी गांव के बच्चे अपनी जान जोखिम में डालकर टूटे-फूटे और पुराने कमरों में पढ़ रहे हैं, देखना होगा कि एडमिनिस्ट्रेशन इस गंभीर समस्या का हल कब निकालेगा और बच्चों को नए और सुरक्षित क्लासरूम कब मिलेंगे।

इमरान मिर्ज़ा

सायोनी घोष की तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय से मुलाकात, राजनीतिक हलचल तेज

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई में सायोनी घोष की सीएम विजय से मुलाकात से भाजपा-टीएमसी के कान खड़े हो गए हैं। चेन्नई में तृणमूल कांग्रेस की बागी सांसद सायोनी घोष ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय से मुलाकात की है। दोनों के बीच हुई इस मुलाकात के बाद पश्चिम बंगाल दिल्ली से लेकर तमिलनाडु तक राजनीतिक हलचलें तेज हो गई है। सायोनी घोष ने मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए विजय के सुशासन, समावेशी विकास और तमिलनाडु के भविष्य को लेकर उनके विजन की तारीफ की है। उन्होंने विजय की पश्चिम बंगाल की संस्कृति और परंपराओं के प्रति रुचि का भी उल्लेख किया। सायोनी घोष के हालिया राजनीतिक रुख को देखते हुए इस मुलाकात को महज शिष्टाचार भेंट मानने को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। भाजपा और टीएमसी दोनों ही इस घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं। हालांकि मुलाकात में किसी राजनीतिक गठजोड़ या भविष्य की रणनीति की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। बदले हुये राजनीतिक समीकरणों के बीच इस मुलाकात ने अटकलों को जरूर हवा दे दी है।

कीटनाशक बन रहा मौत का बड़ा कारण, हर साल 11000 से ज्यादा लोगों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कीटनाशकों के जहरीले प्रभाव को लेकर सामने आई नई वैश्विक रिपोर्ट ने चिंता बढ़ा दी है। अध्ययन के मुताबिक दुनिया में हर साल करीब 11 हजार लोगों की मौत अनजाने में कीटनाशकों के संपर्क या विषाक्तता होने से होती है। इनमें लगभग 60 प्रतिशत मौतें भारत में होने का अनुमान लगाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में हर साल करीब 40.2 से 43.3 करोड़ किसान और कृषि श्रमिक कीटनाशक विषाक्तता से प्रभावित होते हैं। दक्षिण एशिया इस संकट से सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में है। विशेषज्ञों ने अत्यधिक जहरीले कीटनाशकों के इस्तेमाल पर नियंत्रण, किसानों को सुरक्षा प्रशिक्षण और सुरक्षित कृषि विकल्प उपलब्ध कराने की जरूरत बताई है। हालांकि, 60 प्रतिशत का आंकड़ा कुल भारतीय मौतों का नहीं, बल्कि अनुमानित वैश्विक कीटनाशक-विषाक्तता मौतों में भारत की हिस्सेदारी का है।

दो शिक्षकों ने 12 छात्राओं के साथ किया दुष्कर्म, अश्लील वीडियो भी बनाया

बक्सर (एजेंसी)। बिहार के बक्सर जिले से एक बेहद शर्मनाक मामला सामने आया है। डुमरांव प्रखंड के एक मध्य विद्यालय में दो शिक्षकों पर करीब 12 नाबालिग छात्राओं के साथ दुष्कर्म करने का आरोप है। आरोपी शिक्षकों ने छात्राओं को हवस का शिकार बनाने के साथ-साथ उनका अश्लील वीडियो भी बनाया। यह शर्मनाक हरकत पिछले कई दिनों से चल रही थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तीन दिन पहले जब यह अश्लील वीडियो इंटरनेट और सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो परिजनों और ग्रामीणों को घटना की जानकारी लगी। वीडियो सामने आते ही ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच गए। मामले का संज्ञान लेते हुए जिला शिक्षा विभाग ने त्वरित कार्रवाई की। विभाग ने दोनों आरोपी शिक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार की देर रात तक बड़ी संख्या में ग्रामीण थाने के बाहर जमा हो गए और आरोपी शिक्षकों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। थाना प्रभारी ने बताया कि परिजनों और ग्रामीणों से लिखित आवेदन ले लिया गया है। पुलिस ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। प्रभारी डीएसपी ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है। आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस टीम अलग-अलग जगहों पर छापे मार रही है। बक्सर के एसपी ने घटना को बेहद गंभीर बताया है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि आरोपियों की जल्द गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

टीएमसी दफ्तर में तोड़फोड़ का आरोप- अभिषेक ने बीजेपी को घेरा, पुलिस पर उठाए सवाल

कोलकाता(एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद अभिषेक बनर्जी ने कोलकाता के कैमक स्ट्रीट स्थित अपनी पार्टी कार्यालय में बीजेपी कार्यकर्ताओं पर तोड़फोड़ का आरोप लगाया है। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज जारी कर बताया कि हमलावर गुरुवार सुबह करीब 4:30 बजे दफ्तर में घुसे। टीएमसी नेता अभिषेक बनर्जी ने दावा किया कि हथियारों से लैस इन हमलावरों ने कार्यालय के कर्मचारियों से मारपीट की, उनके फोन छीन लिए, फर्नीचर तोड़ दिया, दफ्तर में पूरा सामान बिखेर दिया और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को भारी नुकसान पहुँचाया। उन्होंने आरोप लगाया कि एयर प्यूरिफायर, प्रिंटर और टीवी जैसे कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण चोरी किए गए। टीएमसी अभिषेक बनर्जी के मुताबिक, टीएमसी कर्मचारियों और वकीलों ने घटना की सूचना पुलिस को दी, लेकिन दो घंटे तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। यह वहीं टीएमसी कार्यालय है जो कुछ दिन पहले भी विवादों में था। 31 अगस्त को कोलकाता नगर निगम ने पुलिस की मौजूदगी में इस इमारत से टीएमसी का साइनबोर्ड हटाया था। उस दौरान अधिकारियों से झड़प के आरोप में अभिषेक सहित 3 टीएमसी नेताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर 13 लोगों को गिरफ्तार किया था।

पंजाब वोटर लिस्ट से राघव चड्ढा का नाम कटा, आप को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली, एजेंसी। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का नाम पंजाब की वोटर लिस्ट से हटा दिया गया है। पंजाब में ड्राफ्ट लिस्ट जारी होने के बाद से इस मामले पर राजनीतिक बवाल खड़ा हो गया है। चड्ढा ने सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) पर बदले की कार्रवाई के गंभीर आरोप लगाए हैं। वहीं, आप ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि इस प्रक्रिया में राज्य सरकार की कोई भूमिका नहीं है, क्योंकि एसआईआर का संचालन चुनाव आयोग द्वारा किया जा रहा है। चुनाव आयोग द्वारा 13 अगस्त को जारी की गई ड्राफ्ट लिस्ट में चड्ढा का नाम एएसडीडी (अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और डुप्लिकेट) श्रेणी में दर्शाया गया था। उनके स्टेटस के आगे स्थायी रूप से स्थानांतरित लिखा हुआ था, जिसका अर्थ है कि वे किसी अन्य जगह पर चले गए हैं। हालांकि, ड्राफ्ट से हटाए गए नामों को दोबारा सूची में शामिल करने का प्रावधान है, और 13 अगस्त से 12 सितंबर तक यह प्रक्रिया जारी है। एसआईआर के बाद पंजाब का अंतिम मतदाता सूची 12 अक्टूबर को जारी होने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि पूरे देश में एसआईआर के माध्यम से 13 करोड़ से अधिक नाम मतदाता सूचियों से हटाए गए हैं। राघव चड्ढा ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे आप सरकार द्वारा बदले की राजनीति का एक नया स्तर बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब वे पंजाब से राज्यसभा के मौजूदा सांसद हैं और उनका वोटर आईडी मोहाली में पंजीकृत है, तब भी उनका नाम स्थानांतरित (शिफ्टेड) दिखाया गया है। चड्ढा के अनुसार, यह कोई लिपिकीय त्रुटि नहीं है, बल्कि एक सुनियोजित राजनीतिक प्रतिशोध का मामला है। उन्होंने सवाल उठाया कि उन्हें शिफ्टेड किसने बताया और इसका सत्यापन किसने किया? उनके मुताबिक, इस पूरी प्रक्रिया में शामिल सभी प्रशासनिक स्तरों पर, बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) से लेकर पंजाब के मुख्य निर्वाचन अधिकारी तक, पंजाब सरकार के अधिकारी ही तैनात हैं। चड्ढा ने कहा कि ये अधिकारी अच्छी तरह जानते हैं कि चुनाव ड्यूटी के बाद आप सरकार उनके स्थानांतरण, पोस्टिंग और करियर को नियंत्रित करती है, और कौन उनका जीवन मुश्किल बना सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि आप सरकार राजनीतिक बदला लेने के लिए राज्य के अधिकारियों पर दबाव डालती है।

जोधपुर में GUN² Coffee का पहला ड्राइव-इन आउटलेट शुरू, HPCL के साथ रिटेल बाजार में रखा कदम

बाड़मेर हाईवे स्थित कमला फिलिंग स्टेशन पर खुला पहला 'ड्राइव-इन एंड टेकअवे' आउटलेट।

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पीयूष गौत्तम

जोधपुर। पारंपरिक कॉफी निर्माण और बीन ट्रेडिंग के क्षेत्र से आगे बढ़ते हुए लहह Coffee. ने अब सीधे रिटेल बाजार में नया अध्याय शुरू किया है। कंपनी ने हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ रणनीतिक साझेदारी कर जोधपुर में अपने पहले 'ड्राइव-इन और टेकअवे' आउटलेट की शुरुआत की है। यह आउटलेट बाड़मेर हाईवे स्थित कमला फिलिंग स्टेशन पर खोला गया है। सफर के दौरान जेब पर भारी नहीं पड़ेगी कॉफी इस नए मॉडल का उद्देश्य हाईवे और शहर के यात्रियों को त्वरित, किफायती और गुणवत्तापूर्ण विकल्प देना है। इस कॉन्सेप्ट के तहत वाहन में ईंधन भरवाने के दौरान ही यात्रियों को केमिकल-फ्री (रसायन मुक्त) कॉफी मात्र 20 में और हॉट कॉम्बो मील सिर्फ 99 में उपलब्ध कराया जाएगा। इससे सफर कर रहे लोगों का समय बचेगा और उन्हें ऑन-द-गो ताजा खान-पान मिल सकेगा।

वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में हुआ उद्घाटन इस उपलब्धि को GUN² Coffee. की सीईओ, एमडी व निदेशक गुनगुन उपाध्याय और सीनियर मैनेजिंग डायरेक्टर गणेश उपाध्याय के नेतृत्व में पूरी लहह Coffee. टीम ने साकार किया है। इसके क्रियान्वयन में सुशील कुमार शुक्ला, नवीन कुमार, मुकुल गुप्ता और मनीषा जेसवानी का मार्गदर्शन रहा। आउटलेट का उद्घाटन HPCL के जोनल हेड मनीष टंडन और राजस्थान के विभिन्न मंडलों के वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधकों की मौजूदगी में हुआ। इस मौके पर जयपुर से नितिन श्रीवास्तव, संदीप सिन्हा, प्रवीण कुमार, अश्वनी शर्मा, प्रदीप बंसल, सुंदर राव, चारु सिंह धर्मशक्तु; जोधपुर से नवीन कुमार, ऋतुराज माथुर; बीकानेर से अभिजीत दीक्षित; कोटा से ऋचु चौधरी; उदयपुर से भारत भूषण और नागौर से रोशन कुमार सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। पूरे देश में विस्तार की योजना कंपनी प्रबंधन के अनुसार, जोधपुर से शुरू हुआ यह मॉडल केवल एक आउटलेट तक सीमित नहीं रहेगा। आने वाले समय में इसे देश के विभिन्न हाईवे और प्रमुख शहरों में ले जाने की योजना है, जिससे सफर करने वाले लोगों को बजट-फ्रेंडली और बेहतरीन सर्विस मिल सके।

राम मंदिर ट्रस्ट के सीईओ की नियुक्ति पर छिड़ी सियासी बहस

अयोध्या, एजेंसी। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने हाल ही में सेवानिवृत्त एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा को मंदिर का पहला मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। इस महत्वपूर्ण नियुक्ति के तुरंत बाद, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने एक बड़ा और विवादास्पद बयान दिया है, जिससे सियासी गलियारों में हलचल मचा दी है। मसूद ने अपनी प्रतिक्रिया में साफ तौर पर कहा कि मंदिर से जुड़े कार्यों को केवल उन्हीं लोगों को सौंपा जाना चाहिए जिनका संबंध सीधे तौर पर मंदिर और उसकी परंपराओं से हो। उन्होंने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को अब राम मंदिर परियोजना में वित्तीय हित नजर आ रहा है, जिसके कारण वे इसे लालच की नजरों से देख रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, यह काम साधु-संतों का है, मंदिर से जुड़े लोगों का है। लेकिन अब एक एयर मार्शल, जो हवाई जहाज उड़ाते हैं, वे आरएसएस के जाल में फंस गए हैं। उन्होंने तंज कसते हुए यह भी पूछा कि क्या उन्हें भी आखिर में बेइज्जत करके निकाल दिया जाएगा? यह कैसा तमाशा है? मसूद ने दोहराया कि मंदिर के प्रबंधन और संचालन का कार्य उन लोगों पर छोड़ देना चाहिए जो आध्यात्मिक रूप से इससे जुड़े हों, न कि उन पर जो बाहरी पृष्ठभूमि से आते हैं। उनके बयान में आरएसएस पर मंदिर निर्माण को एक व्यावसायिक उद्यम के रूप में देखने का आरोप स्पष्ट रूप से झलकता है, जहां धन का प्रवाह उनके लिए एक प्राथमिक प्रेरणा बन गया है। इसी प्रेस वार्ता के दौरान, इमरान मसूद ने जम्मू-कश्मीर में कश्मीरी पंडितों को लगातार मिल रही धमकियों और हमलों पर भी अपनी राय व्यक्त की। उन्होंने इस संवेदनशील मुद्दे को आगामी चुनावों से जोड़ते हुए कहा, चुनाव आने वाले हैं और हमला भी हो सकता है। मसूद ने आगे कहा कि आतंकवादी हमले, धमकियां और नफ़रत फैलाना, ये सब चुनाव के समय ही सामने आते हैं। उन्होंने सवालिया लहजे में कहा कि इससे किसे फ़ायदा होता है? जिसे फ़ायदा होता है, वही इसके लिए जिम्मेदार होता है। यह बयान मौजूदा सरकार और उसकी नीतियों पर एक परोक्ष निशाना था, जिसमें उन्होंने राजनीतिक लाभ के लिए ऐसी घटनाओं का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

मनोज जरांगे का अनशन जारी- स्वास्थ्य के लिए पानी और सलाइन पर सहमति

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने महायुति सरकार की ओर से मिलने पहुंचे भाजपा विधायक प्रसाद लाड के आग्रह के बाद पानी पीने और सलाइन चढ़वाने पर सहमति जाहिर की है। हालांकि, जरांगे ने स्पष्ट किया कि उनकी सभी मांगें पूरी होने तक उनका अनिश्चितकालीन अनशन जारी रहेगा। मराठा आरक्षण के मुद्दे को लेकर उनकी भूख हड़ताल को 6 दिन हो गए है। जालना जिले के अंतरवाली सराटी में 29 अगस्त को शुरू हुआ जरांगे का अनशन मराठाओं के लिए आरक्षण और गजट रिकॉर्ड के आधार पर तुरंत कुनबी प्रमाणपत्र जारी करने सहित कई महत्वपूर्ण मांगों पर केंद्रित है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि मांगें पूरी नहीं हुईं, तब आंदोलन को और तेज किया जाएगा और मुंबई तक ले जाया जाएगा। जरांगे ने कहा, मैं पानी पी रहा हूं और सलाइन चढ़वा रहा हूं, लेकिन जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं होतीं, मैं अनशन वापस नहीं लूंगा। उन्होंने दावा किया कि मराठाओं और कुनबियों के बीच वंशावली संबंध स्थापित करने वाले 58 लाख रिकॉर्ड मिले हैं, जिस संख्या को सरकार कम करने की कोशिश कर रही है। चिकित्सकों ने जरांगे के बिगड़ते स्वास्थ्य पर चिंता जाहिर की है, जहां उनके रक्त शर्करा का स्तर गिरा है। जालना की जिलाधिकारी आशिमा मित्तल ने जरांगे से मुलाकात कर अनशन समाप्त करने की अपील की थी, लेकिन जरांगे ने सरकारी पक्ष को सुनने से इंकार कर कहा कि इस मुद्दे से जुड़े फैसले राज्य स्तर पर लिए जाते हैं। उन्होंने भाजपा नीत राज्य सरकार की आलोचना कर दावा किया कि मराठा आरक्षण का मुद्दा मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच श्रेय लेने की राजनीतिक खींचतान में फंस गया है। इस बीच, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री ने पूर्व में बयान दिए हैं। सीएम फडणवीस ने कहा था कि सरकार संवैधानिक रूप से वैध और कानूनी तौर पर व्यावहारिक मांगों पर चर्चा के लिए तैयार है, जबकि शिंदे ने मराठा समुदाय को किसी अन्य वर्ग के साथ अन्याय किए बिना न्याय दिलाने की बात कही थी। जरांगे ने बीते साल भी 29 अगस्त को ऐसा ही विरोध प्रदर्शन किया था, जो कि दो सितंबर को कुछ मांगें माने जाने के बाद वापस ले लिया गया था, लेकिन अब यह मुद्दा एक बार फिर गरमा गया है।

उत्तर प्रदेश 2027: विधानसभा चुनाव का बिगुल बजा, दल बुन रहे रणनीति

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक दलों ने अभी से अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। भारतीय जनता पार्टी लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की उम्मीद लगाए बैठी है, जबकि बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) अपनी खोई हुई जमीन को फिर से मजबूत करने में जुटी है। वहीं, कांग्रेस भी जन-मुद्दों को लेकर आक्रामक तेवर दिखा रही है।

भाजपा की रणनीति मुख्य रूप से तीन स्तंभों पर आधारित है- मजबूत बूथ प्रबंधन, लाभार्थी वर्ग को सशक्त करना और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के व्यापक दौरे। पार्टी अपने पुराने और सफल बूथ जीतो, चुनाव जीतो के फॉर्मूले पर काम कर रही है, जिसके तहत बूथ अध्यक्षों और कार्यकर्ताओं के माध्यम से जनता से सीधा संवाद स्थापित किया जा रहा है। सरकार महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और छात्राओं को स्कूटी जैसी घोषणाओं के जरिए लाभार्थी वर्ग को और मजबूत कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं जिलेवार दौरे कर सरकार के विकास कार्यों और उपलब्धियों का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने पेश कर रहे हैं। युवाओं को साधने के लिए पार्टी ने सेवा संकल्प अभियान में युवा केंद्रित कार्यक्रमों को शामिल किया है।बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने 2022 के प्रदर्शन से बेहतर नतीजों और लगातार तीसरी जीत का दावा किया है। उन्होंने बताया कि पार्टी 403 विधानसभा क्षेत्रों में बूथ सम्मेलन पूरे कर चुकी है और अब भौतिक सत्यापन पर जोर दे रही है। चौधरी का कहना है कि जहां विपक्षी दल अभी तैयारी शुरू कर रहे हैं, वहीं बीजेपी अंतिम चरण में है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि एनडीए का कुनबा, जिसमें सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी, निषाद पार्टी और अपना दल शामिल हैं, पूरी तरह एकजुट है और सहयोगियों को सम्मानजनक सीटें दी जाएंगी। 17 सितंबर से शुरू होने वाले सेवा संकल्प अभियान के तहत केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न उपलब्धियों, जैसे कानून-व्यवस्था की बेहतर स्थिति, सुगम कनेक्टिविटी और लगातार बिजली आपूर्ति को घर-घर तक पहुंचाया जाएगा।अपने राजनीतिक करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रही बहुजन समाज पार्टी इस बार बेहद सतर्कता के साथ अपनी रणनीति बुन रही है। पार्टी का मुख्य ध्यान अपने पारंपरिक वोट बैंक को सहेजने और नए सामाजिक समीकरण बनाने पर है। बीएसपी सुप्रीमो मायावती अपने कैडर को बीजेपी और अन्य विपक्षी दलों के लुभावने वादों से दूर रहने की लगातार नसीहत दे रही हैं। पार्टी राज्य में रणनीतिक सर्वे करा रही है और संभावित प्रत्याशियों के साथ लगातार बैठकें जारी हैं। युवाओं को पार्टी से जोड़ने का महत्वपूर्ण जिम्मा आकाश आनंद के कंधों पर है। बीएसपी अपने पुराने सोशल इंजीनियरिंग के मॉडल को नए अंदाज में लागू कर अपने वोट बैंक का दायरा बढ़ाना चाहती है।

डॉलर की कमजोरी से सोना-चांदी में चमक बढ़ी

सोना 1400 रुपए चढ़ा, चांदी में भी 2800 की बढ़त

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी की कीमतों में गुरुवार को एक बार फिर जोरदार तेजी दर्ज की गई। अमेरिकी डॉलर में कमजोरी और बॉन्ड यील्ड में नरमी के चलते दोनों कीमती धातुओं को समर्थन मिला, जिससे घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाजारों में इनकी चमक बढ़ गई। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि सोने और चांदी में यह तेजी आगे भी जारी रह सकती है, जो निवेशकों के लिए उत्साहजनक खबर है। घरेलू वायदा बाजार, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने की कीमतों में बड़ी उछाल देखने को मिली। अक्टूबर वायदा का सोना लगभग 1400 रुपए बढ़कर 153,800 रुपए प्रति 10 ग्राम के पार निकल गया। चांदी भी इस दौड़ में पीछे नहीं रही, सितंबर वायदा का भाव करीब 2800 रुपए बढ़कर 2,32,750 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया, जिसमें लगभग 1.2 प्रतिशत की मजबूती दर्ज की गई। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भी कीमती धातुओं ने एक महीने के निचले स्तरों से शानदार रिकवरी की। कॉमैक्स पर सोने का भाव करीब 1.4 प्रतिशत यानी 62 डॉलर बढ़कर 4476 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। इस वैश्विक मजबूती का असर भारतीय बाजारों पर भी साफ तौर पर देखा गया। निर्मल बंग कमोडिटीज की एक रिपोर्ट के अनुसार, बाजार में गिरावट आने पर सोने में 153,500 रुपए के आसपास खरीदारी की रणनीति सुझाई गई है, जिसके लिए 152,300 रुपए का स्टॉप लॉस और 155,000 से 156,500 रुपए तक के लक्ष्य दिए गए हैं। चांदी में भी सकारात्मक रुख देखा गया है। रिपोर्ट में 239,000 के करीब खरीदारी करने की सलाह दी गई है, जिसमें 235,000 का स्टॉप लॉस और 246,000 से 250,000 रुपए तक के संभावित लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। डॉलर में लगातार कमजोरी और बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण निवेशकों का रुझान एक बार फिर सुरक्षित निवेश मानी जाने वाली इन कीमती धातुओं की ओर बढ़ रहा है।

ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज का शेयर 34 प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ बाजार में सूचीबद्ध

नई दिल्ली।

कंडक्टर एवं बिजली केबल विनिर्माता कंपनी ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज का शेयर अपने 82 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 34 प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ गुरुवार को शेयर बाजारों में सूचीबद्ध हुआ। शेयर एनएसई पर 110 रुपये पर खुला, जो निर्गम मूल्य से 34.15 प्रतिशत अधिक है। बाद में यह 44.15 प्रतिशत चढ़कर 118.20 रुपये प्रति शेयर पर पहुंच गया।बीएसई पर इसने 32.93 प्रतिशत की बढ़त के साथ 109 रुपये पर शुरुआत की। बाद में इसमें 45.11 प्रतिशत की तेजी आई और यह 118.99 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन एनएसई पर 3,508.46 करोड़ रुपये और बीएसई पर 3,505.41 करोड़ रुपये रहा। ल्यूमिनो इंडस्ट्रीज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सोमवार को बोली के अंतिम दिन 118.12 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 700 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 78-82 रुपये प्रति शेयर था।नए शेयर जारी कर जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने, उपकरण और मशीनरी की खरीद तथा कंपनी के सामान्य कामकाज आदि के लिए किया जाएगा।

प्रसोल केमिकल्स का आईपीओ आठ सितंबर को खुलेगा

नई दिल्ली । विशेष रसायन बनाने वाली प्रसोल केमिकल्स लिमिटेड ने अपने 500 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का मूल्य दायरा 643-676 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने गुरुवार को बयान में कहा कि आईपीओ आठ सितंबर को खुलेगा और 10 सितंबर को बंद होगा। एंकर (बड़े) निवेशक सात सितंबर को बोली लगा सकेंगे।सार्वजनिक घोषणा के अनुसार, आईपीओ 80 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और 420 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण होगा। नए शेयर से प्राप्त राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने, कार्यशील पूंजी की जरूरतों को पूरा करने और सामान्य कामकाज के लिए किया जाएगा।वर्ष 1992 में प्राची पॉली प्रोडक्ट्स के नाम से शुरू हुई कंपनी ने 2007 में अपना नाम बदलकर प्रसोल केमिकल्स किया था। 2022 में यह सार्वजनिक कंपनी बनी। कंपनी एसीटोन तथा फॉस्फोरस आधारित और अन्य विशेष रसायनों का उत्पादन करती है।

डॉक्टरों की कमी के बीच विदेशी मेडिकल ग्रेजुएट्स की राह मुश्किल

अनिवार्य लाइसेंस परीक्षा में 87 फीसदी से अधिक फेल

नई दिल्ली ।

भारत गंभीर डॉक्टरों की कमी से जूझ रहा है, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों का अभाव गहराता जा रहा है। इस बीच विदेश से मेडिकल की पढ़ाई पूरी कर लौटे हजारों भारतीय स्नातक देश की स्वास्थ्य व्यवस्था में शामिल नहीं हो पा रहे हैं। हाल ही में हुई अनिवार्य लाइसेंस परीक्षा में 87 प्रतिशत से अधिक उम्मीदवार असफल रहे, जिससे देश की चिकित्सा जरूरतों को पूरा करने की चुनौती और भी बढ़ गई है। राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस) द्वारा हाल ही में आयोजित फॉरेन मेडिकल ग्रैजुएट परीक्षा (एफएमजीई) में चौंकाने वाले नतीजे सामने आए हैं। 37,448 पंजीकृत उम्मीदवारों में से 36,288 ने परीक्षा दी, लेकिन केवल 4,635 (12.77 प्रतिशत) ही इसे पास कर पाए। यह स्थिति ऐसे समय में आई है जब भारत में डॉक्टरों की भारी कमी है और वे समान रूप से उपलब्ध नहीं हैं। स्वास्थ्य विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2023 तक ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) में 21,964 विशेषज्ञ डॉक्टरों की आवश्यकता के मुकाबले केवल 4,413 ही उपलब्ध थे, यानी लगभग 80 प्रतिशत की कमी। दिल्ली स्थित एम्स के एक रेजिडेंट डॉक्टर ने नाम न छापने की शर्त

पर बताया, देश में मेडिकल शिक्षा महंगी होने के कारण हजारों छात्रों को एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए विदेश जाना पड़ता है। भारत में हर साल 22 लाख से अधिक छात्र नीट-यूजी परीक्षा देते हैं, जबकि देश में एमबीबीएस की केवल 1.30 लाख स्नातक सीटें ही उपलब्ध हैं। इनमें से लगभग 63,700 सीटें सरकारी कॉलेजों में हैं, जिनकी फीस निजी और डीम्ड विश्वविद्यालयों की तुलना में काफी कम होती है। निजी मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाई का खर्च 80 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, जिससे यह मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए एक मुश्किल सपना बन जाता है।

एफएसएसएआई ने ब्रिटिश लाइफसाइंसेज के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की

3.7 टन उत्पाद नष्ट करने का आदेश

नई दिल्ली ।

भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने बेंगलुरु स्थित ब्रिटिश लाइफसाइंसेज के खिलाफ कड़े नियामक कदम उठाए हैं। निरीक्षण के दौरान कंपनी के परिसर में बड़ी मात्रा में गलत लेबल वाले और अवधि समाप्त शिशु खाद्य उत्पाद पाए गए, जिसके बाद एफएसएसएआई ने कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है। एफएसएसएआई ने बताया कि खाद्य सुरक्षा जांच के दौरान, खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए बड़ी मात्रा में गलत लेबल वाले शिशु खाद्य पदार्थों की पहचान कर उन्हें जब्त किया गया। नियामक ने इन उल्लंघनों की गंभीर प्रकृति और मानकों का पालन न करने वाले उत्पादों से शिशुओं तथा छोटे बच्चों को होने वाले संभावित जोखिम को देखते हुए कंपनी के खिलाफ उचित कानूनी कार्यवाही आरंभ की है। इसके अतिरिक्त, एफएसएसएआई ने अदालत के निर्देशानुसार 3.7 टन अवधि समाप्त हो चुके शिशु खाद्य पदार्थों को नष्ट करने का आदेश दिया। इन खराब हो चुके उत्पादों का सुरक्षित तरीके से निपटान सुनिश्चित किया गया है ताकि उनके दोबारा इस्तेमाल, गलत जगह भेजे जाने या खाद्य आपूर्ति श्रृंखला में फिर से शामिल किए जाने को रोका जा सके। यह कार्रवाई शिशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति नियामक की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

आरबीआई की विशेष योजना सफल, भारत में पहुंचे 136 अरब डॉलर

एनआरआई ने जमा किए सर्वाधिक 127 अरब डॉलर

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की विशेष विदेशी मुद्रा जुटाने वाली योजना को अभूतपूर्व सफलता मिली है। 31 अगस्त तक इसके तहत देश में रिकॉर्ड 136 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा आ चुकी है, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार मजबूत हुआ है। इस राशि का मुख्य हिस्सा (करीब 127 अरब डॉलर या 93 फीसदी) विदेशों में रहने वाले भारतीयों (एनआरआई) द्वारा जमा किया गया। शेष भारतीय कंपनियों की उधारी से आया। आरबीआई ने 8 जून को यह योजना वैश्विक अस्थिरता से अर्थव्यवस्था को सुरक्षा कवच देने हेतु शुरू की थी। शुरुआत में धीमी गति के बाद, अगस्त के अंतिम 10 दिनों में 63 अरब डॉलर से अधिक की अप्रत्याशित तेजी देखी गई। इस त्वरित सफलता के चलते, आरबीआई ने एनआरआई जमा विकल्प को निर्धारित समय से पहले 31 अगस्त को ही बंद कर दिया। यह 2013 की समान योजना से पांच गुना अधिक विदेशी मुद्रा जुटाने का रिकॉर्ड है। एनआरआई की यह भागीदारी भारत की अर्थव्यवस्था में उनके गहरे भरोसे को दर्शाती है। मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार रुपये को स्थिर रखेगा, आयात लागत पर दबाव कम करेगा और महंगाई नियंत्रण में सहायक होगा। इसका लाभ आम आदमी को आर्थिक स्थिरता के रूप में मिलेगा।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 417, निफ्टी 41 अंक गिरा

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से भी बाजार पर दबाव आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 417.49 अंक नीचे आकर 76,152.86 पर और 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 41 अंक टूटकर 23,873.45 पर बंद हुआ। आज बीएसई पर 4546 शेयरों में कारोबार हुआ, जिसमें से 2552 शेयरों में बढ़त दर्ज की गयी जबकि 1769 शेयरों में गिरावट आई और 225 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

निफ्टी पर सबसे ज्यादा बढ़त वाले शेयरों में अदाणी पोर्ट्स, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी

बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और एशियन पेंट्स शामिल रहे।

वहीं टेक महिंद्रा, सिप्ला, बजाज ऑटो और एमएंडएम के शेयर गिरे। सेक्टर के हिसाब से देखें तो आज ऑटो, फार्मा और एफएमसीजी में गिरावट आई, जबकि रियल्टी इंडेक्स और मीडिया इंडेक्स में बढ़त हुई। पीएसयू बैंक और प्राइवेट बैंक में भी बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स 1.2 प्रतिशत उछला। इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई।

सुबह बाजार तेजी के साथ खुले, सेंसेक्स 220 अंकों से अधिक की मजबूती के साथ 76,800 के स्तर के पास कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी करीब 80 अंकों की तेजी के साथ 24,000 के करीब पहुंच गया।

बढ़ती यील्ड के बावजूद लार्जकैप आकर्षक, इक्विटी रिस्क प्रीमियम ऊंचे स्तर पर

खुदरा निवेश की लहर के बावजूद स्मॉलकैप पर महंगी पूंजी और कच्चे माल का बोझ

नई दिल्ली ।

बढ़ती बॉन्ड यील्ड और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों के लिए एक दिलचस्प तस्वीर उभर रही है। जहां एक ओर बॉन्ड यील्ड में तेजी ने चिंता बढ़ाई है, वहीं लार्जकैप शेयर अपेक्षाकृत आकर्षक नजर आ रहे हैं। इसके विपरीत, मिडकैप और स्मॉलकैप सेगमेंट ऊंचे मूल्यांकन के चलते महंगे बने हुए हैं, जिससे बाजार अब टू-स्पीड मोड में प्रवेश करता दिख रहा है। वर्तमान में जब 10 साल के बॉन्ड की यील्ड 6.9 फीसदी तक पहुंच गई, तो भारतीय बाजार के निवेशक चिंतित हो गए। खासकर ऐसे समय में जब निफ्टी 50 इंडेक्स ने पिछले एक साल में 3 फीसदी का घाटा दिया है और तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। हालांकि, इन चुनौतियों के बावजूद, आंकड़ों से पता चलता है कि निफ्टी 50 के लिए इक्विटी रिस्क प्रीमियम (यानी शेयर से होने वाली कमाई और 10 साल के सरकारी बॉन्ड से मिलने वाले रिटर्न के बीच का अंतर) दीर्घावधि के सबसे अच्छे स्तरों पर है। 2012 से अब तक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, निफ्टी 50 का इक्विटी रिस्क प्रीमियम माइनस 2.41 फीसदी पर 66वें परसेंटाइल पर है। इसका सीधा मतलब है कि पिछले 10 सालों में 66 फीसदी हफ्तों में अर्निंग यील्ड और बॉन्ड यील्ड के बीच का अंतर अभी की तुलना में अधिक था, यानी लार्जकैप इस समय अपेक्षाकृत अधिक आकर्षक हैं। निफ्टी 50 इंडेक्स की अर्निंग्स यील्ड 4.61 फीसदी है, जो बढ़ती बॉन्ड यील्ड के बावजूद इसे निवेशकों के लिए लुभावना बनाती है। इसके विपरीत, मिडकैप और स्मॉलकैप सेगमेंट की तस्वीर अलग है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स के लिए इक्विटी रिस्क प्रीमियम माइनस 3.85 फीसदी (26वां परसेंटाइल) है, और स्मॉलकैप इंडेक्स के लिए माइनस 3.61 फीसदी (32वां परसेंटाइल) है। यह दर्शाता है कि ऐतिहासिक रूप से मिडकैप और स्मॉलकैप कम आकर्षक स्तरों पर हैं।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया गुरुवार को 26 अंकों की तेजी के साथ 94.47 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह शुरुआती कारोबार में 47 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.26 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा अनिवासी (बैंक) यानी एफसीएनआर (बी) जमा में उम्मीद से काफी अधिक राशि जुटने से रुपये को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि रुपये की चाल मजबूत पूंजी प्रवाह और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के आक्रामक हस्तक्षेप को दर्शाती है, जिसने कच्चे तेल की ऊंची कीमतों तथा वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि के नकारात्मक असर को बेअसर किया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.30 प्रति डॉलर पर खुला। फिर बढ़त हासिल करते हुए 94.26 प्रति डॉलर के स्तर तक पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 47 पैसे की बढ़त है। रुपया बुधवार को 22 पैसे की तेजी के साथ 94.73 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 99.43 पर रहा।

एसबीआई यूपीआई सेवा 4 सितंबर रात 45 मिनट के लिए बंद रहेगी

बैंक ने बताया मेंटेनेंस के कारण, रात 12:15 बजे से 1:00 बजे तक नहीं होगा भुगतान

नई दिल्ली

अगर आप भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के यूपीआई यूजर हैं तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। बैंक ने घोषणा की है कि 4 सितंबर की रात को उसकी यूपीआई सेवाएं 45 मिनट के लिए अस्थायी रूप से उपलब्ध नहीं रहेंगी। यह रुकावट सिस्टम के निर्धारित मेंटेनेंस के कारण होगी, जिससे ग्राहकों को इस अवधि में ऑनलाइन भुगतान में असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। एसबीआई के अनुसार सेवाएं 4 सितंबर की रात 12:15 बजे से 1:00 बजे तक बंद रहेंगी।

इस दौरान, ग्राहक यूपीआई के माध्यम से पैसे भेजने, बिल भरने या ऑनलाइन खरीदारी जैसे कोई भी भुगतान नहीं कर पाएंगे। बैंक ने ग्राहकों को सलाह दी है कि यदि उन्हें इस अवधि के आसपास कोई जरूरी भुगतान करना है, तो उसे पहले ही निपटा लें। अचानक परेशानी से बचने के लिए वैकल्पिक डिजिटल भुगतान विकल्पों को भी तैयार रखने की सलाह दी गई है।

एसबीआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से ग्राहकों को सूचित करते हुए असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है। बैंक ने इस अवधि के दौरान छोटे भुगतानों के लिए यूपीआई लाइट का विकल्प भी सुझाया है।

बढ़ती यील्ड के बावजूद लार्जकैप आकर्षक, इक्विटी रिस्क प्रीमियम ऊंचे स्तर पर

खुदरा निवेश की लहर के बावजूद स्मॉलकैप पर महंगी पूंजी और कच्चे माल का बोझ

नई दिल्ली ।

बढ़ती बॉन्ड यील्ड और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों के लिए एक दिलचस्प तस्वीर उभर रही है। जहां एक ओर बॉन्ड यील्ड में तेजी ने चिंता बढ़ाई है, वहीं लार्जकैप शेयर अपेक्षाकृत आकर्षक नजर आ रहे हैं। इसके विपरीत, मिडकैप और स्मॉलकैप सेगमेंट ऊंचे मूल्यांकन के चलते महंगे बने हुए हैं, जिससे बाजार अब टू-स्पीड मोड में प्रवेश करता दिख रहा है। वर्तमान में जब 10 साल के बॉन्ड की यील्ड 6.9 फीसदी तक पहुंच गई, तो भारतीय बाजार के निवेशक चिंतित हो गए। खासकर ऐसे समय में जब निफ्टी 50 इंडेक्स ने पिछले एक साल में 3 फीसदी का घाटा दिया है और तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं।

हालांकि, इन चुनौतियों के बावजूद, आंकड़ों से पता चलता है कि निफ्टी 50 के लिए इक्विटी रिस्क प्रीमियम (यानी शेयर से होने वाली कमाई और 10 साल के सरकारी बॉन्ड से मिलने वाले रिटर्न के बीच का अंतर) दीर्घावधि के सबसे अच्छे स्तरों पर है।

2012 से अब तक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार, निफ्टी 50 का इक्विटी रिस्क प्रीमियम माइनस 2.41 फीसदी पर 66वें परसेंटाइल पर है। इसका सीधा मतलब है कि पिछले 10 सालों में 66 फीसदी हफ्तों में अर्निंग यील्ड और बॉन्ड यील्ड के बीच का अंतर अभी की तुलना में अधिक था, यानी लार्जकैप इस समय अपेक्षाकृत अधिक आकर्षक हैं। निफ्टी 50 इंडेक्स की अर्निंग्स यील्ड 4.61 फीसदी है, जो बढ़ती बॉन्ड यील्ड के बावजूद इसे निवेशकों के लिए लुभावना बनाती है। इसके विपरीत, मिडकैप और स्मॉलकैप सेगमेंट की तस्वीर अलग है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स के लिए इक्विटी रिस्क प्रीमियम माइनस 3.85 फीसदी (26वां परसेंटाइल) है, और स्मॉलकैप इंडेक्स के लिए माइनस 3.61 फीसदी (32वां परसेंटाइल) है। यह दर्शाता है कि ऐतिहासिक रूप से मिडकैप और स्मॉलकैप कम आकर्षक स्तरों पर हैं। 31 गुना और 33 गुना के पीई मल्टीपल के साथ, ये सेगमेंट पिछले 14 वर्षों की तुलना में बहुत महंगे हैं। उनका रिस्क प्रीमियम पिछले 14 सालों के निचले क्वार्टाइल में है, जो 2023-24 की उस तेजी का परिणाम है जिसे नियामक ने खुद अत्यधिक तेजी वाला बताया था। यह स्थिति बाजार को दो स्पष्ट दिशाओं में बांटती है- एक तरफ वैल्यू के लिहाज से आकर्षक लार्जकैप सेगमेंट, जो भारत की ब्लूचिप कंपनियां हैं और पिछले दो सालों से विदेशी निवेश की निकासी झेल रही हैं।

हैकरों से एक कदम आगे रहना होगा ऑटो उद्योग को:मारुति सुजुकी

उद्योग को अपनी सुरक्षा प्रणालियों को लगातार मजबूत करना होगा

नई दिल्ली।

मारुति सुजुकी इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने भारतीय वाहन उद्योग को साइबर हमलों से एक कदम आगे रहने का आह्वान किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हैकर लगातार अपनी तकनीक को उन्नत कर रहे हैं, जिसके मद्देनजर उद्योग को अपनी सुरक्षा प्रणालियों को लगातार मजबूत करना होगा। हाल के वर्षों में कई बड़े साइबर हमलों ने इस चुनौती को और बढ़ा दिया है, जिससे अरबों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है।

ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एक्मा) के 66वें सालाना सत्र में अपने भाषण के दौरान ताकेउची ने कहा कि जैसे-जैसे उद्योग अधिक डिजिटल होता जा रहा है, साइबर सुरक्षा उतनी ही महत्वपूर्ण होती जा रही है। उन्होंने स्वीकार किया कि संगठन आधुनिक तकनीक में निवेश कर अपने साइबर सुरक्षा सिस्टम को मजबूत कर रहे हैं, लेकिन साथ ही हैकर्स भी अपनी तकनीक को बेहतर और अधिक स्मार्ट बना रहे हैं।

ऐसे में यह सुनिश्चित करना होगा कि हम उनसे हमेशा एक कदम आगे रहें। उन्होंने सितंबर 2025 में टाटा मोटर्स की कंपनी जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) पर हुए बड़े साइबर हमले का उदाहरण दिया। इस हमले के कारण ब्रिटिश लग्जरी कार कंपनी को अपने आईटी सिस्टम बंद करने पड़े और ब्रिटेन के संयंत्र में उत्पादन लगभग छह सप्ताह तक रोकना पड़ा। इस रुकावट ने विनिर्माण, रिटेल और वितरण पर गंभीर असर डाला, जिससे जेएलआर को 19.6 करोड़ पौंड का भारी खर्च उठाना पड़ा। थोक बिक्री में 24 प्रतिशत और रिटेल बिक्री में 17 प्रतिशत की गिरावट आई। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि कैसे एक कार निर्माता पर हुआ साइबर हमला उसकी पूरी आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित कर सकता है।

जेएलआर की घटना से पहले, मई 2023 में सुजुकी मोटरसाइकल इंडिया को भी साइबर हमले का शिकार होना पड़ा था। इस हमले के कारण कंपनी को लगभग एक सप्ताह के लिए अपने संयंत्रों में उत्पादन रोकना पड़ा, जिससे अनुमानित रूप से 20,000 से अधिक दोपहिया वाहनों का नुकसान हुआ था। ये घटनाएं भारतीय वाहन उद्योग के लिए साइबर सुरक्षा को एक अनिवार्य प्राथमिकता बनाती हैं।

ई-कॉमर्स सेक्टर में बंपर भर्तियां, त्योहारी सीजन ला रहा लाखों रोजगार

- मीशो 10 लाख, अमेजन 1.6 लाख से अधिक रोजगार के अवसर देगा

नई दिल्ली ।

त्योहारी सीजन शुरू होते ही ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स कंपनियों ने रोजगार के नए द्वार खोल दिए हैं। इस साल मांग में भारी उछाल की उम्मीद के चलते मीशो और अमेजन जैसी दिग्गज कंपनियां मिलकर लाखों नए रोजगार के अवसर पैदा कर रही हैं। यह हायरिंग प्रक्रिया अगस्त से शुरू होकर सर्दियों के शादी सीजन तक जारी रहने की संभावना है।

त्योहारी सीजन के नजदीक आते ही ई-कॉमर्स और लॉजिस्टिक्स कंपनियों ने उपभोक्ताओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर भर्तियां शुरू कर दी हैं। इस साल त्योहारी बिक्री स्वतंत्रता दिवस और रक्षा बंधन के साथ अगस्त में ही अपेक्षाकृत जल्दी शुरू हो चुकी है, जिसके दीवाली और उसके बाद सर्दियों के शादी के सीजन तक जारी रहने की उम्मीद है।

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म मीशो इस त्योहारी सीजन में 10 लाख से अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है। इसमें लगभग 6.5 लाख लोग उसके विक्रेता नेटवर्क से जुड़ेंगे, जबकि करीब 3.75 लाख लोग लॉजिस्टिक्स विभाग में काम करेंगे। मीशो का लॉजिस्टिक्स प्लेटफॉर्म वाल्मो अन्य भागीदारों के साथ मिलकर डिलीवरी, सॉर्टेशन और सेंटर संचालन जैसी भूमिकाओं के लिए लोगों को नियुक्त करेगा।

कंपनी के प्रवक्ता के अनुसार, त्योहारी सीजन ऑनलाइन खरीदारी के लिए बेहद महत्वपूर्ण अवसर होता है। इसी क्रम में, ई-कॉमर्स दिग्गज अमेजन ने भी देशभर में अपने नेटवर्क में 1,60,000 से अधिक रोजगार अवसर पैदा किए हैं। इसमें क्यूकॉम वर्टिकल अमेजन नाउ भी शामिल है। कंपनी देश के करीब 400 शहरों में पिकिंग, पैकिंग, शिपिंग और डिलीवरी जैसी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष भूमिकाओं के लिए कर्मचारियों की भर्ती कर रही है। ये भर्तियां त्योहारी मांग को कुशलतापूर्वक संभालने में सहायक होंगी।

कृष्ण पूर्णतया निर्विकारी हैं। तभी तो उनके अंगों के साथ भी लोग 'कमल' शब्द जोड़ते हैं, जैसे- कमलनयन, कमलमुख, करकमल आदि। उनका स्वरूप चैतन्य है। कृष्ण ने तो द्रोपदी का चीर बढ़ाकर उसे अपमानित होने से बचाया था। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का दिन बड़ा ही पवित्र है। जैनियों के भावी तीर्थंकर और वैदिक परंपरा के नारायण श्रीकृष्ण के अवतरण का दिन है।

सोलह कलाओं के अवतार हैं श्रीकृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण को सोलह कलाओं का अवतार माना जाता है। सच में कृष्ण ने समाज के छोटे से छोटे व्यक्ति का सम्मान बढ़ाया, जो जिस भाव से सहायता की कामना लेकर कृष्ण के पास आया, उन्होंने उसी रूप में उसकी इच्छा पूरी की। अपने कार्यों से उन्होंने लोगों का इतना विश्वास जीत लिया कि आज भी लोग उन्हें 'भगवान श्रीकृष्ण' के रूप में ही मानते और पूजते हैं।

कृष्ण पूर्णतया निर्विकारी हैं। तभी तो उनके अंगों के साथ भी लोग 'कमल' शब्द जोड़ते हैं, जैसे- कमलनयन, कमलमुख, करकमल आदि। उनका स्वरूप चैतन्य है। कृष्ण ने तो द्रोपदी का चीर बढ़ाकर उसे अपमानित होने से बचाया था। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का दिन बड़ा ही पवित्र है। जैनियों के भावी तीर्थंकर और वैदिक परंपरा के नारायण श्रीकृष्ण के अवतरण का दिन है। कृष्ण ने सारी दुनिया को कर्मयोग का पाठ पढ़ाया। उन्होंने प्राणीमात्र को यह संदेश दिया कि केवल कर्म करना आदमी का अधिकार है। फल की इच्छा रखना उसका अधिकार नहीं। इंसान सुख और दुख दोनों में भगवान का स्मरण करता है। श्रीकृष्ण का जीवन भी उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। उनके जीवन को हम तीन भागों में विभक्त करें तो वे जेल में पैदा हुए, महल में जिए और जंगल से विदा हुए। जेल में पैदा होना बुरी बात नहीं है, जेल में जीना और मरना अपराध हुआ करता है। आदमी जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है। भगवान श्रीकृष्ण, मर्यादा पुरुषोत्तम राम और भगवान महावीर आदि महापुरुषों ने हमें जीवन जीने की सीख दी है। राम, कृष्ण एवं महावीर का जीवन अलग-अलग मर्यादाओं और संदेशों पर आधारित है। राम ने जीवन भर मर्यादाएं नहीं तोड़ीं, वे देव बनकर जिए। श्रीकृष्ण वाकपुटता में जीवन जीते रहे। मर्यादाओं से नीरस हुए जीवन को कृष्ण ने रस और आनंद से भर दिया, लेकिन महावीर ने परम विश्राम और समाधि का सूत्र दिया। उन्होंने मौन साधना सिखाई। मित्रता सीखनी हो तो कृष्ण से सीखो वे सबको अपने समान चाहते थे। उनकी दृष्टि में अमीर-गरीब का कोई भेद नहीं था। अतः हमें भी कृष्ण की इसी सीख को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

व्रत-पूजन कैसे करें

उपवास की पूर्व रात्रि को हल्का भोजन करें और ब्रह्मचर्य का पालन करें।

उपवास के दिन प्रातःकाल स्नानादि नित्य कर्मों से निवृत्त हो जाएं।

तत्पश्चात सूर्य, सोम, यम, काल, संधि, भूत, पवन, दिक्पति, भूमि, आकाश, खेचर, अमर और ब्रह्मादि को नमस्कार कर पूर्व या उत्तर मुख बैठें।

इसके बाद जल, फल, कुश और गंध लेकर संकल्प करें

ममखिलपापप्रशमनपूर्वक सर्वाभीष्ट सिद्धये श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रतमहं करिष्ये॥

अब मध्याह्न के समय काले तिलों के जल से स्नान कर देवकीजी के लिए सूतिकागृह नियत करें।

तत्पश्चात भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति या चित्र स्थापित करें।

मूर्ति में बालक श्रीकृष्ण को स्तनपान कराती हुई देवकी हों और लक्ष्मीजी उनके चरण स्पर्श किए हों अथवा ऐसे भाव हो।

इसके बाद विधि-विधान से पूजन करें

पूजन में देवकी, वसुदेव, बलदेव, नंद, यशोदा और लक्ष्मी इन सबका नाम क्रमशः निर्दिष्ट करना चाहिए।

फिर इस मंत्र से पुष्पांजलि अर्पण करें-

**प्रणमे देव जननी त्वया जातस्तु वामनः।
वसुदेवात तथा कृष्णो नमस्तुभ्यं नमो नमः।
सुपुत्रार्घ्यं प्रदत्तं में गृहाणेमं नमोऽस्तुते।
अंत में प्रसाद वितरण कर भजन-कीर्तन करते हुए रतजगा करें।**

श्रीकृष्ण बना रहे मालामाल

जन्माष्टमी पर इन्हीं पोशाकों को धारण कर ठाकुरजी अपने अनन्य भक्तों को दर्शन देकर निहाल करेंगे। ब्रज के लाला के जन्मोत्सव की तैयारियां हिंदू ही नहीं, यहां का मुस्लिम समाज भी कर रहा है। ठाकुरजी को पहनाई जाने वाली पोशाकें और मुकुट श्रृंगार को तैयार करने में मुस्लिम समाज के कारीगर दिन रात एक करने लगे हैं।

भगवान श्रीकृष्ण दीन दयाल कहलाते हैं। जो भी इनकी शरण में आ जाता है, उसे धनवान बना देते हैं। श्रीकृष्ण की कृपा से हिंदू हमेशा से धनवान होते रहे हैं, लेकिन श्रीकृष्ण की लीलास्थली में मुसलमान भी श्रीकृष्ण की कृपा से निहाल हो रहे हैं और श्रीकृष्ण उन्हें मालामाल बना रहे हैं।

ऐसे कृपा बरस रही है कृष्ण की

वृंदावन के मुसलमानों को श्रीकृष्ण इसलिए मालामाल बन रहे हैं कि यहां के मुसलमान हिंदुओं की आस्था के केंद्र ठाकुर जी के लिए पूरी निष्ठा के साथ एक से बढ़कर एक शानदार पोशाकें, मुकुट श्रृंगार तैयार कर रहे हैं।

जन्माष्टमी पर इन्हीं पोशाकों को धारण कर ठाकुरजी अपने अनन्य भक्तों को दर्शन देकर निहाल करेंगे। ब्रज के लाला के जन्मोत्सव की तैयारियां हिंदू ही नहीं, यहां का मुस्लिम समाज भी कर रहा है। ठाकुरजी को पहनाई जाने वाली पोशाकें और मुकुट श्रृंगार को तैयार करने में मुस्लिम समाज के कारीगर दिन रात एक करने लगे हैं। कई परिवार वर्षों से ठाकुरजी की पोशाक और मुकुट श्रृंगार को मूर्त रूप प्रदान करते आए हैं। यह हमारी जीविका का साधन भी है। सैकड़ों मुस्लिम परिवारों का पालन ठाकुरजी की पोशाक और श्रृंगार के निर्माण से चल रहा है।

विदेशों में भी इनके कपड़े पहनते हैं श्रीकृष्ण

वृंदावन के मुस्लिम समाज द्वारा बनाई गई पोशाक गुजरात के अहमदाबाद स्थित अक्षरधाम के राधा-कृष्ण के श्री विग्रह और दिल्ली एवं पंजाबी बाग के इस्कान मंदिर के श्री विग्रह धारण करेंगे। वृंदावन में बनाई जाने वाली पोशाकों की मांग इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, कनाडा, आस्ट्रेलिया के भारतीय मूल के लोगों के अलावा विदेशी भी अधिक पसंद करते हैं। वे वृंदावन से खरीदकर अपने अपने देश ले जाते हैं।

राधा और कृष्ण का आपस में कैसा नाता

भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी के बारे में यह माना जाता है कि इन दोनों के बीच प्रेम संबंध था, जबकि असलियत यह है कि कृष्ण और राधा के बीच प्रेम से बढ़कर भी एक नाता था। यह नाता है पति-पत्नी का, लेकिन इस रिश्ते के बारे में सिर्फ तीन लोगों को पता था- एक तो कृष्ण, दूसरी राधा रानी और तीसरे ब्रह्मा जी, जिन्होंने कृष्ण और राधा का विवाह करवाया था, लेकिन इन तीनों में आपके कोई भी इस बात की गवाही देने नहीं आएगा, लेकिन जिस स्थान पर इन दोनों का विवाह हुआ था, वहां के वृक्ष आज भी राधा-कृष्ण के प्रेम और मिलन की गवाही देते हैं।

तब राधा-कृष्ण का विवाह संपन्न हुआ

गर्ग संहिता के अनुसार, मथुरा के पास स्थित भांडीर वन में भगवान श्रीकृष्ण और देवी राधा का विवाह हुआ था। इस संदर्भ में कथा है कि एक बार नंदराय जी बालक श्रीकृष्ण को लेकर भांडीर वन से गुजर रहे थे। उसी समय अचानक देवी राधा प्रकट हुई। देवी राधा के दर्शन पाकर नंदराय जी ने श्रीकृष्ण को राधा जी की गोद में दे दिया। श्रीकृष्ण बाल रूप त्याग कर किशोर बन गए। तभी ब्रह्मा जी भी वहां उपस्थित हुए। ब्रह्मा जी ने कृष्ण का विवाह राधा से करवा दिया। कुछ समय तक कृष्ण राधा के संग इसी वन में रहे। फिर देवी राधा ने कृष्ण को उनके बाल रूप में नंदराय जी को सौंप दिया।

राधा जी की मांग में सिंदूर

भांडीर वन में राधाजी और भगवान श्रीकृष्ण का मंदिर बना हुआ है। इस मंदिर में स्थित विग्रह अपने आप अनोखा है, क्योंकि यह अकेला ऐसा विग्रह है, जिसमें श्रीकृष्ण भगवान राधाजी की मांग में सिंदूर भरते हुए दृश्य हैं।

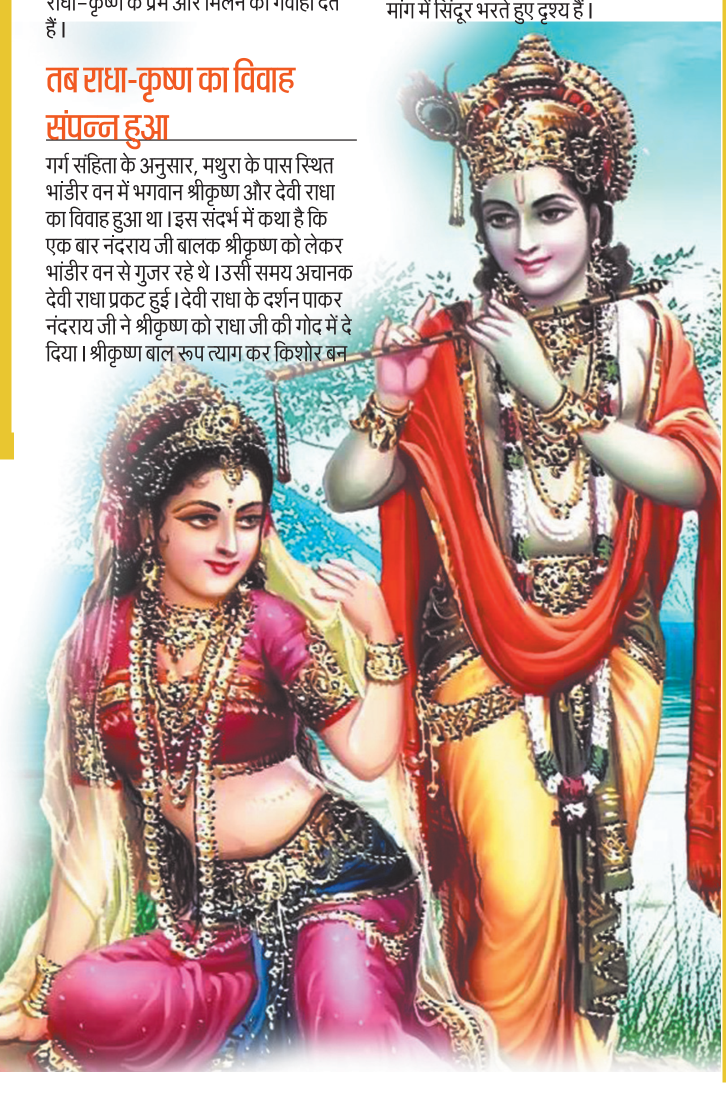

भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश

गीता के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को अनासक्त कर्म यानी 'फल की इच्छा किए बिना कर्म' करने की प्रेरणा दी। इसका प्रमाण उन्होंने अपने निजी जीवन में भी प्रस्तुत किया। मथुरा विजय के बाद भी उन्होंने वहां शासन नहीं किया।

कला से प्रेम करो : संगीत और कलाओं का हमारे जीवन में विशिष्ट स्थान है। भगवान ने मोरपंख और बांसुरी धारण करके कला, संस्कृति एवं पर्यावरण के प्रति अपने लगाव को दर्शाया। इनके जरिए उन्होंने संदेश दिया कि जीवन को सुंदर बनाने में संगीत और कला का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

निर्बल का साथ दो : कमजोर एवं निर्बल का सहारा बनो। निर्धन बाल सखा सुदामा हो या षड्यंत्र का शिकार पांडव, श्रीकृष्ण ने सदा निर्बलों का साथ दिया और उन्हें मुसीबत से उबारा।

अन्याय का प्रतिकार करो : अन्याय का सदा विरोध होना चाहिए। श्रीकृष्ण की शांतिप्रियता कायर की नहीं, बल्कि एक वीर की थी। उन्होंने अन्याय कभी स्वीकार नहीं किया। शांतिप्रिय होने के बावजूद शत्रु अगर गलत है तो उसके शमन में पीछे नहीं हटें।

मातृशक्ति के प्रति आदर भाव रखें : महिलाओं के प्रति सम्मान और उन्हें साथ लेकर चलने का भाव हो। भगवान कृष्ण की रासलीला दरअसल मातृशक्ति को अन्याय के प्रति जागृत करने का प्रयास था और इसमें राधा उनकी संदेशवाहक बनीं।

अपने अहंकार को छोड़ो : व्यक्तिगत जीवन में हमेशा सहज एवं सरल बने रहो। जिस तरह शक्ति संपन्न होने पर भी श्रीकृष्ण को न तो युधिष्ठिर का दूत बनने में संकोच हुआ और न ही अर्जुन का सारथी बनने में। एक बार तो दुर्योधन के छप्पन व्यंजन को छोड़कर विदुरानी (विदुर की पत्नी) के घर उन्होंने सादा भोजन करना पसंद किया।

जीवन में उदारता रखें : उदारता व्यक्तित्व को संपूर्ण बनाती है। श्रीकृष्ण ने जहां तक हो सका मित्रता, सहयोग सामंजस्य आदि के बल पर ही परिस्थितियों को सुधारने का प्रयास किया, लेकिन जहां जरूरत पड़ी, वहां सुदर्शन चक्र उठाने में भी उन्होंने संकोच नहीं किया। वहीं अपने निर्धन सखा सुदामा का अंत तक साथ निभाया और उनके चरण तक पखारें।

कविताएं

चन्दन की खुशबू, फूलों का हार

चन्दन की खुशबू, फूलों का हार,
दही की हांडी, बारीश की फुहार,
माखन चुराने आया नंदलाल,
यशोमती मैया का नंदगोपाल !

राधा की भक्ति, मुरली की मिठास,
माखन का स्वाद और गोपियों का रास,
इन्ही सबसे मिलकर बनता है,
जन्माष्टमी का ये दिन ख़ास !

मुरली मनोहर, ब्रिज के धरोहर,
मुरली की मधुर आवाज़, झूम उठे ये बहार,
कृष्ण जिनका नाम, गोकुल जिनका धाम,
श्री कृष्ण भगवान को हम सबका प्रणाम !

कान्हा

द्वापर में भादों के महीने में
काली अंधेरी रात में
जन्म लिया कान्हा ने
मथुरा में कारागार के कक्ष में।
था दिवस चमत्कारी
सारे बंधन टूट गए
द्वार के ताले स्वत: खुले
जाने का मार्ग प्रशस्त हुआ।
बेटे को बचाने के लिए
गोकुल जाने के लिए
वासुदेव ने जैसे ही
जल में पैर धरा
जमुना की श्रद्धा ऐसी जागी
बाढ़ आ गई नदिया में।
बाहर पैर आते ही
कान्हा के पैरों को पखारा
जैसें ही छू पाया उन्हें
अद्भुत शांति छाई जल में।
सारा गोकुल धन्य हो गया
कान्हा को पा बाहों में
गोपिया खो गईं
मुरली की मधुर धुन में।
बंधीं प्रेम पाश में उसके
रम कर रह गईं उसी में
ज्ञान उद्धव का धरा रह गया
उनको समझाने में।
वे नहीं जानती थीं उद्देश्य
कृष्ण के जाने का
कंस के अत्याचारों से
सब को बचाने का ।
अंत कंस का हुआ
सुखी समृद्ध राज्य हुआ
कौरव पांडव विवाद में
मध्यस्थ बने सहायता की ।
सच्चाई का साथ दिया
युद्ध से विचलित अर्जुन को
गीता का उपदेश दिया
आज भी है महत्व जिसका।
जन्म दिन कान्हा का
हर साल मनाते हैं
श्रद्धा से भर उठाते हैं
जन्माष्टमी मनाते हैं ।

सीपीएल 2026

क्विंटन डी कॉक का शतक बेकार, सेंट किट्स ने बारबाडोस को 6 विकेट से हराया

सेंट किट्स। वॉर्नर पार्क में कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 23वां मुकाबला बारबाडोस ट्राइडेंट्स और सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के बीच खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स को क्विंटन डी कॉक की शतकीय पारी के बावजूद 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक के शतक की बदौलत

4 विकेट पर 217 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए डी कॉक ने 57 गेंदों पर 6 छक्कों और 11 चौकों की बदौलत 106 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज जैकरी कार्टर ने 36 गेंदों पर 57 रन बनाए। कार्टर ने अपनी पारी में 7 छक्के लगाए। शेफरन रदरफोर्ड ने 26 और कप्तान क्रिस ग्रीन ने 18 रन की पारी खेली।

सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के लिए नसीम शाह ने 2, कप्तान जेसन होल्डर और वानिंदु हसरंगा ने 1–1 विकेट लिए। 218 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विस्फोटक शुरुआत की। जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने पहले विकेट के लिए 10.2 ओवर में 112 रन जोड़े। मायर्स के रन आउट होने से यह जोड़ी टूटी। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 27 गेंदों पर 29 रन बनाए।

चार्ल्स ज्यादा आक्रामक रहे। इस विस्फोटक बल्लेबाज ने 45 गेंदों पर 7 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 78 रन की पारी खेली। तीसरे नंबर पर प्रमोट किए दासुन शनाका ने 22 गेंदों पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 36 रन की पारी खेली। कप्तान जेसन होल्डर ने 11 गेंदों पर 18 रन बनाए। आंद्रे फ्लेचर ने 8 गेंदों पर 3 छक्कों की मदद से नाबाद 22 और वानिंदु हसरंगा ने 4 गेंदों पर 1 छक्का और 3 चौके की मदद से नाबाद 18 रन बनाकर टीम का स्कोर 19.1 ओवर में 4 विकेट पर 220 तक पहुंचाया और 5 गेंद पहले 6 विकेट से जीत दिला दी।

विमेंस एशिया कप

सादिया के नाम 3 विकेट, 'लो-स्कोरिंग मैच' में पाकिस्तान ने थाईलैंड को 35 रन से हराया

दुबई। पाकिस्तान ने जीत के साथ विमेंस एशिया कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत की है। इस टीम ने मंगलवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में थाईलैंड को 35 रन से मात दी। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही बना सकी।

इस टीम को दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर शवाल जुल्फिकार (1) के रूप में शुरुआती झटका लगा। इसी ओवर की अंतिम गेंद पर गुल फिरोजा (0) भी पवेलियन लौट गई। यहां से

मुनीबा अली ने आयशा जफर के साथ तीसरे विकेट के लिए 17 रन जुटाए। आयशा टीम के खाते में सिर्फ 9 रन ही जुटा सकीं। इसके बाद मुनीबा अली ने सदाफ शमास के साथ चौथे विकेट के लिए 48 गेंदों में 54 रन जुटाकर टीम को 77 के स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन 12वें ओवर की चौथी और छठी गेंद पर सदाफ (20) और कप्तान फातिमा सना (0) अपना विकेट खो बैठीं। इसके बाद टीम निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाती रही और निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही जुटा सकी।

विपक्षी खेमे से थिपाचा पुत्थावोंग ने 18 रन देकर 3 विकेट हासिल किए, जबकि सुलीपोर्न लाओमी ने 14 रन देकर 3 विकेट निकाले। इनके अलावा, फनिता माया ने 2 विकेट और सुनिदा चतुरोंगरात्तन ने 1 सफलता प्राप्त की। इसके जवाब में थाईलैंड 20 ओवरों के खेल में 8 विकेट खोकर 84 रन ही बना सकी।

ज्वेरेव ने टाला उलटफेर

यूएस ओपनः लोरेंजो सोनेगो को 5 सेट चले मुकाबले में हराया

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। टॉप सीडेड अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने आर्थर ऐश स्टेडियम में यूएस ओपन 2026 के पहले राउंड में बिना सीड वाले इटैलियन लोरेंजो सोनेगो को 6-4, 3-6, 6-7(7), 7-5, 6-4 से शिकस्त दी। जीत के साथ ज्वेरेव ने अगले दौर में जगह बना ली है। अलेक्जेंडर ज्वेरेव चौथे सेट में 4-5 से हार से दो पॉइंट दूर थे, फिर भी उन्होंने बाद के नियंत्रण हासिल किया और 4 घंटे, 53 मिनट तक चले मुकाबले में जीत हासिल की।

जर्मन खिलाड़ी ने सोनेगो के खिलाफ 6-0 के परफेक्ट एटीपी हेड-टू-हेड रिकॉर्ड के साथ मैच में एंट्री की। यह रिकॉर्ड ज्यादा मायने नहीं रखता क्योंकि वर्ल्ड नंबर 89 ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए ज्वेरेव की राह मुश्किल कर दी थी। मैच के दौरान सोनेगो की जोरदार शॉट-मेकिंग और हिम्मत देखने को मिली, जिससे मुकाबला बेहद रोमांचक हो गया था।

इस सीजन में सबसे ज्यादा 47 टूर-लेवल मैच जीतने वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव का दूसरे राउंड में फ्रांस के क्वेंटिन हेलिस के साथ मुकाबला होगा।

इससे पहले, फ्लेवियो कोबोली ने यूएस ओपन में अपने करियर में पहली बार दो सेट हारने के बाद वापसी की, जहां उन्होंने अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को कोमेसाना को 3-6, 2-6, 6-3, 6-4, 6-4 से हराकर 4 घंटे और 12 मिनट के रोमांचक खेल के बाद दूसरे राउंड में जगह बनाई। कोबोली की वापसी ने 25 साल के इटैलियन को साल के आखिरी मेजर में सिर्फ तीन दिन में, नंबर 4 नोवाक जोकोविच और नंबर 10 आर्थर फिल्स के साथ पुरुषों के ड्रॉ में शुरुआती हार से बचा लिया। इटैलियन को ग्रैंड स्लैम में कामयाबी तब मिली जब वह रोलैंड गैरोस के फाइनल में पहुंचे, जहां वह ज्वेरेव से पांच सेट में हार गए।

फ्रेंच ओपन वाली सफलता यूएस ओपन में दोहराना चाहता हूं: एलेक्जेंडर ज्वेरेव

यूएस ओपन 2026 की शुरुआत हो चुकी है। नोवाक जोकोविच का पहले राउंड से बाहर होना अब तक की सबसे बड़ी खबर है। जानिक सिनर के इंजरी की वजह से टूर्नामेंट के बाहर रहने और जोकोविच के बाहर होने से स्पेन के कार्लोस अल्काराज और जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव के बीच एकल का खिताबी मुकाबला होने की प्रबल संभावना बन गई है।

अल्काराज और ज्वेरेव दोनों ही दूसरे दौर में जगह बना चुके हैं। फ्रेंच ओपन 2026 का खिताब जीतने वाले एलेक्जेंडर ज्वेरेव की नजर अपने पहले यूएस ओपन और दूसरे ग्रैंड स्लैम खिताब पर है। एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने अपने पहले मैच में इटली के लोरेंजो सोनेगो को हराया। ज्वेरेव ने सोनेगो के खिलाफ जीत के बाद जियोहॉटस्टार से बात करते हुए यूएस ओपन 2026 जीतने की इच्छा जताई है। जर्मन खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे लगता है कि जीत कड़ी मेहनत का नतीजा था जो मैंने इतने सालों में की है। कई बार, मैं थोड़ा पीछे रह गया। शायद इसी वजह से आखिर में पांचवें सेट में फ्लाविया के खिलाफ फर्क पड़ा। मैं जीतने के लिए सच में तैयार महसूस कर रहा था, जो दूसरे फाइनल की तुलना में एक अलग तरह की फीलिंग थी। बेशक, मैं खुश हूं कि ऐसा हुआ। अब हम न्यूयॉर्क में हैं, और मैं इसे फिर से करने की कोशिश करना चाहता हूं।' फ्रेंच ओपन 2026 ज्वेरेव का पहला ग्रैंड स्लैम था। उस अनुभव को याद करते हुए ज्वेरेव ने कहा, 'मेरे कंधों पर जरूर कुछ बोझ था, खासकर जिस उम्र में मैं हूं। आपको कभी नहीं पता होता कि यह कभी होगा भी या नहीं। इसलिए, मैं आखिरकार अपनी पहली ग्रैंड स्लैम ट्रॉफी उठाकर बहुत खुश था, लेकिन अब, एक बार जब आप ऐसा कर लेते हैं, तो आप और चाहते हैं।

कार्लोस अल्काराज पहला सेट हारने के बावजूद जीते, तीसरे राउंड में जगह बनाई

न्यूयॉर्क। कार्लोस अल्काराज ने यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल के तीसरे राउंड में जगह बना ली है। तीसरा यूएस ओपन जीतने की कोशिश कर रहे अल्काराज ने जैमे फारिया को हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई। अल्काराज की जीत इसलिए भी अहम है, क्योंकि उन्होंने पहला सेट गंवा दिया था। आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अल्काराज ने जैमे फारिया को 4–6, 6–0, 6–3, 6–2 से हराया। कलाई की चोट की वजह से चार महीने के ब्रेक के बाद लौटे नंबर 3 सीड वाले स्पेन के अल्काराज ने 72वीं रैंक वाले पुर्तगाली खिलाड़ी फारिया को हराकर टेनिस कोर्ट पर एक बार फिर अपने दबदबे को साबित किया। फारिया ने पहला सेट 6–4 से जीतकर सबका ध्यान खींचा। पहले सेट में उतार–चढ़ाव के बाद, अल्काराज ने दूसरे सेट के अपने शुरुआती सर्विस गेम में एक ब्रेक पॉइंट बचाया और फिर लगातार आठ गेम जीत, सेट 6–0 अपने नाम किया। तीसरे सेट में अल्काराज ने लगातार आठ गेम जीते और फारिया की सर्विस लगातार पांच बार तोड़कर 6–3 से अपने नाम किया। इसके बाद अल्काराज ने चौथा सेट भी 6–2 से अपने नाम किया। अल्काराज की यह जीत अमेरिकन स्लैम में उनकी 26वीं मेन-ड्रॉ जीत है, जो चार मेजर में उनका सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। अल्काराज 2004 से 2008 तक रोजर फेडरर के लगातार पांच बार जीतने के बाद यूएस ओपन टाइटल बचाने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे हैं। एटीपी नंबर 1 क्लब के सदस्य न्यूयॉर्क में दो बार के चैंपियन हैं। अल्काराज ने 2022 और 2025 में यूएस ओपन का खिताब जीता था। अल्काराज सबसे कम उम्र में ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले खिलाड़ी हैं। स्पेन के कार्लोस का अगला मुकाबला चीन के वू यिबिंग से होगा, जिन्होंने जेम्स डकवर्थ को 7–5, 6–3, और 6–1 से हराया।

दलीप ट्रॉफी

तिलक वर्मा ने खेली अर्धशतकीय पारी

बेंगलुरु। दलीप ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में साउथ जोन ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नॉर्थ जोन को 7 विकेट से हराया। नॉर्थ जोन से मिले 181 रनों के लक्ष्य को साउथ जोन ने आसानी से 3 विकेट खोकर हासिल कर लिया। कप्तान तिलक वर्मा का प्रदर्शन बल्ले से दमदार रहा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ जोन की शुरुआत अच्छी रही।

रिकी भुई और एन जगदीशन ने मिलकर पहले विकेट के लिए 64 रनों की अहम साझेदारी निभाई। जगदीशन 5 चौकों की मदद से 43 रन बनाकर आउट हुए, जबकि रिकी भुई 42 रन बनाने के बाद गुरनूर बरार का शिकार बने। शेख रशीद बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ एक रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद कप्तान तिलक वर्मा और समरण रविचंद्रन ने साउथ जोन को कोई और झटका नहीं लगने दिया और चौथे विकेट के लिए 80 रनों की अटूट साझेदारी निभाते हुए टीम को जीत दिलाई। पहली पारी में शतक लगाने वाले तिलक ने दूसरी इनिंग में 79 गेंदों में 51 रनों की नाबाद पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने 8 चौके लगाए। वहीं, समरण 42 गेंदों में 4 चौके और एक छक्के की मदद से 32 रन बनाकर नॉटआउट रहे।

विमेंस एशिया कप

पाकिस्तान ने थाईलैंड को 35 रन से हराया

दुबई। पाकिस्तान ने जीत के साथ विमेंस एशिया कप 2026 में अपने अभियान की शुरुआत की है। इस टीम ने मंगलवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में थाईलैंड को 35 रन से मात दी। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी पाकिस्तानी टीम निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही बना सकी।

इस टीम को दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर शवाल जुल्फिकार (1) के रूप में शुरुआती झटका लगा। इसी ओवर की अंतिम गेंद पर गुल फिरोजा (0) भी पवेलियन लौट गई। यहां से मुनीबा अली ने आयशा जफर के साथ तीसरे विकेट के लिए 17 रन जुटाए। आयशा टीम के खाते में सिर्फ 9 रन ही जुटा सकीं। इसके बाद मुनीबा अली ने सदाफ शमास के साथ चौथे विकेट के लिए 48 गेंदों में 54 रन जुटाकर टीम को 77 के स्कोर तक पहुंचाया, लेकिन 12वें ओवर की चौथी और छठी गेंद पर सदाफ (20) और कप्तान फातिमा सना (0) अपना विकेट खो बैठीं। इसके बाद टीम निरंतर अंतराल पर विकेट गंवाती रही और निर्धारित ओवरों में 9 विकेट खोकर 119 रन ही जुटा सकी।

एक कमरे में दो क्रिकेटरों को ठहराने के पक्ष में नहीं बीसीसीआई

आईओए से लगाई गुहार, खुद उठाएगा हवाई खर्च

नईदिल्ली (एजेंसी)। एशियाई खेलों के दौरान होटल के एक कमरे में दो क्रिकेटरों को ठहराए जाने की व्यवस्था से बीसीसीआई खुश नहीं है। बीसीसीआई ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) से गुहार लगाई है कि आयोजकों से बात कर एक क्रिकेटर को एक कमरे में ठहराने की व्यवस्था की जाए। आईओए ने इसे आयोजकों तक पहुंचा दिया है, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। सूत्र बताते हैं कि सितारे भारतीय क्रिकेटरों के रहने में कोई दिक्कत नहीं आए, इसके लिए बीसीसीआई की एक टीम जल्द ऐची-नागोया का दौरा करेगी। इसके बाद ही बीसीसीआई फैसला लेगी कि क्रिकेटरों को आयोजकों की ओर से उपलब्ध कराए जा रहे होटल में ठहरना है या फिर उन्हें अपने खर्च पर होटल की व्यवस्था करनी है। बोर्ड ने यह भी फैसला लिया है कि एशियाड में भाग लेने के लिए हवाई यात्रा का खर्च वह खेल मंत्रालय से नहीं लेगा और अपने खर्च पर बिजनेस क्लास में क्रिकेटरों को जापान भेजेगा।

इकोनॉमी क्लास से जाते हैं खिलाड़ी

इस बार खेलों में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में मुख्य टीम भेजी जा रही है, जिसमें बुमराह, अभिषेक शर्मा जैसे क्रिकेटर हैं। बीसीसीआई क्रिकेटरों को अमूमन बिजनेस क्लास में या फिर चार्टर्ड फ्लाइट में यात्रा कराता है। खेल मंत्रालय खेलों के लिए भारतीय दल का खर्च उठाते हुए खिलाड़ियों को इकोनॉमी क्लास में यात्रा कराता है। सूत्र बताते हैं कि बीसीसीआई ने आईओए से कहा है, वह क्रिकेटरों की यात्रा का खुद खर्च उठाएगा। आईओए ने 50 क्रिकेटरों और सपोर्ट स्टाफ पर दो करोड़ 34 लाख का खर्च तय किया था। इनमें यात्रा, दैनिक भत्ता, सेरिमोनियल-प्लेइंग किट का खर्च शामिल है।

महिला टीम को अलग होटल में ठहराया जाएगा

हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली महिला टीम को 14 सितंबर को नगोया पहुंचना है, जबकि उनकी वापसी 23 सितंबर की है। पुरुष टीम 21 को पहुंच रही है और चार अक्तूबर को वापसी कर रही है। पुरुष टीम को नगोया के एपीए होटल और महिला टीम को मेइतेत्सु ग्रांड होटल में ठहराया जा रहा है। आयोजकों ने एक कमरे में दो क्रिकेटरों को ठहराने की व्यवस्था की है। सूत्र बताते हैं कि आयोजकों ने कुछ दिन पूर्व एशियाड में आने वाले सभी देशों को बताया है कि उनकी ओर से 15 हजार खिलाड़ियों को ठहराने की व्यवस्था की गई थी, लेकिन यह 17 हजार पहुंच चुकी है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि बीसीसीआई की मांग पूरी नहीं हो पाएगी।

सितारे भी रुकते हैं गेम्स विलेज में

एशियाड में इस बार गेम्स विलेज जैसो कोई व्यवस्था नहीं है। क्रूज शिप, कंटेनरों के अलावा होटलों में खिलाडियों को ठहराने की व्यवस्था की गई है। हालांकि, ओलंपिक जैसे आयोजनों में नोवाक जोकोविच, राफेल नडाल, मैजिक जान्सन जैसे अंतरराष्ट्रीय सितारे सबके साथ गेम्स विलेज में ठहरने को वरीयता देते आए हैं। अब यह देखना होगा कि बीसीसीआई आयोजकों की और से दिए गए होटल में क्रिकेटरों को उहराती है या अपनी ओर से इंतजाम करती है।

हुंडई वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीजः अहमदाबाद में होगा आयोजन, 100 से ज्यादा एथलीट लेंगे हिस्सा

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारत में इंटरनेशनल खेलों की मेजबानी बढ़ती जा रही है। क्रिकेट के अलावा भारत अब दूसरे खेल भी काफी सफल तरीके से आयोजित करा रहा है. जिससे उनको और ज्यादा खेलों की मेजबानी मिल रही है। हाल ही में भारत ने दिल्ली में वर्ल्ड बैडमिंटन चैंपियनशिप की सफल मेजबानी कीअब भारत पहली बार हुंडई वर्ल्ड आर्चरी (तीरंदाजी) पैरा सीरीज की मेजबानी करेगा। ये सीरीज 5 से 9 सितंबर तक अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर आयोजित की जाएगी. जिसमें 20 देशों के 100 से ज्यादा एथलीट हिस्सा लेंगे। गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष संघवी ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में, गुजरात अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है. अहमदाबाद में अंतरराष्ट्रीय सीरीज की मेजबानी से बड़े खेल आयोजनों के लिए गुजरात की बढ़ती पहचान और मजबूत होगी और पैरा-आर्चरी को एक वैश्विक मंच मिलेगा।

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए श्रीलंकाई टीम का ऐलान

कोलंबो। श्रीलंका ने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले वनडे और टी20 सीरीज के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस की कप्तानी में टीम का ऐलान कर दिया है। सीरीज 15 सितंबर से शुरू हो रही है। श्रीलंका को इस दौरे पर 3 टी20 और 3 वनडे मैच खेलना है। चरिथ असलांका दोनों सीरीज में उपकप्तान होंगे। पथुम निसांका, जिन्होंने हाल के महीनों में वनडे में शानदार फॉर्म दिखाया है, उनसे एक बार फिर टॉप ऑर्डर में मजबूती की उम्मीद की जाएगी। उनके साथ कामिल मिशारा, कामिंडू मेंडिस, जेनिथ लियानागे और पवन रथनायके हैं। ये बल्लेबाजी को मजबूती देंगे। इसके अलावा, टीम में अनुभवी ऑलराउंडर पूर्व कप्तान दासुन शनाका, ऑलराउंडर वानिंदू हसरंगा और दुनिथ वेलालागे भी हैं। ये

खिलाड़ी श्रीलंकाई टीम को गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों विभाग में मजबूती देंगे।

शनाका ने वनडे टीम में वापसी की है, जबकि टी20 टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है। वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारी के लिए श्रीलंका की टीम में उनकी वापसी अहम है। वनडे सीरीज के लिए बतौर गेंदबाज महेश तीक्षाणा, सचिंदू कोलंबेज, दुष्मंथा चमीरा, ईशान मलिंगा, असिथा फर्नांडो और दिलशान मदुशंका टीम में शामिल हैं। टी20 सीरीज के लिए लाहिरू उदारा और थारिंदू रथनायके को टीम में शामिल किया गया है, जबकि तेज गेंदबाज नुवान तुषारा और बिनुरा फर्नांडो चमीरा और ईशान मलिंगा भी टीम का हिस्सा हैं। टीम में निसांका, कामिंडू मेंडिस, असलांका, जनिथ लियानागे, शनाका, हसरंगा, वेलालागे और तिक्षाणा भी शामिल हैं। पहले टी20 सीरीज खेली जानी है। पहला टी20 15 सितंबर को साउथैम्प्टन में, दूसरा 17 सितंबर को कार्डिफ में और तीसरा 19 सितंबर को मैनचेस्टर में होगा। इसके बाद तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जाएगी। पहला वनडे 22 सितंबर को चेस्टर-ले-स्ट्रीट, दूसरा 24 सितंबर को लीड्स और तीसरा 27 सितंबर को 'द ओवल' खेला जाएगा। श्रीलंका की टीम 5 सितंबर को इंग्लैंड के लिए रवाना होगी।

शतकीय पारी के बाद भी डी कॉक की टीम को करना पड़ा हार का सामना

सेंट किट्स। वॉर्नर पार्क में कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 23वां मुकाबला बारबाडोस ट्राइडेंट्स और सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के बीच खेला गया। बारबाडोस ट्राइडेंट्स को क्विंटन डी कॉक की शतकीय पारी के बावजूद 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक के शतक की बदौलत 4 विकेट पर 217 रन बनाए थे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए डी कॉक ने 57 गेंदों पर 6 छक्कों और 11 चौकों की बदौलत 106 रन की पारी खेली। इसके अलावा, सलामी बल्लेबाज जैकरी कार्टर ने 36 गेंदों पर 57 रन बनाए। कार्टर ने अपनी पारी में 7 छक्के लगाए। शेफरन रदरफोर्ड ने 26 और कप्तान क्रिस ग्रीन ने 18 रन की पारी खेली। सेंट किट्स और नेविस पैट्रियट्स के लिए नसीम शाह ने 2, कप्तान जेसन होल्डर और वानिंदु हसरंगा ने 1–1 विकेट लिए। 218 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी बारबाडोस ट्राइडेंट्स ने विस्फोटक शुरुआत की। जॉनसन चार्ल्स और काइल मायर्स ने पहले विकेट के लिए 10.2 ओवर में 112 रन जोड़े। मायर्स के रन आउट होने से यह जोड़ी टूटी। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 27 गेंदों पर 29 रन बनाए। चार्ल्स ज्यादा आक्रामक रहे। इस विस्फोटक बल्लेबाज ने 45 गेंदों पर 7 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 78 रन की पारी खेली। तीसरे नंबर पर प्रमोट किए दासुन शनाका ने 22 गेंदों पर 2 छक्कों और 2 चौकों की मदद से 36 रन की पारी खेली। कप्तान जेसन होल्डर ने 11 गेंदों पर 18 रन बनाए।

शाहरुख खान के साथ 'किंग' में काम करना उनके लिए सपने के सच होने जैसा

'मुंज्या' की सफलता के बाद अभय वर्मा के लिए शोहरत के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है। वह कहते हैं कि सफलता ने उनकी भूख कम नहीं की, बल्कि सपनों को और बड़ा कर दिया। शाहरुख खान के साथ 'किंग' में काम करना उनके लिए सपने के सच होने जैसा रहा।

ख'मुंज्या' की सफलता के बाद क्या अब दबाव महसूस होता है?

दबाव नहीं कहूंगा, लेकिन जिम्मेदारी जरूर बढ़ गई है। सफलता के बाद उम्मीदें बढ़ जाती हैं और आपको अगली बार और मेहनत करनी पड़ती है। मुझे याद नहीं कि पिछली बार आठ घंटे कब सोया था। लेकिन मेरे सपने मुझे सोने नहीं देते। मैंने एक खूबसूरत बात सुनी थी कि अगर आपको पता हो कि आप फेल नहीं होंगे तो आप कितना बड़ा सपना देखेंगे? इसलिए अब मैंने अपने सपनों की कोई लिमिट नहीं रखी है। आराम बाद में होता रहेगा। अभी मैं अपने दर्शकों का प्यार और बड़ा करना चाहता हूं।

आज की तारीख में आपको सबसे ज्यादा खुशी किस चीज से मिलती है?

लोगों का प्यार मेरी सबसे बड़ी खुशी है। मैं इसे एक अमानत मानता हूं। दर्शक जब चाहें यह अमानत दे सकते हैं और जब चाहें अपने खजाने से और प्यार दे सकते हैं। मेरा काम है कि मैं इतनी मेहनत करूं कि यह प्यार बार-बार मिलता रहे। अभी तक जितना प्यार मिला है, उसने मेरी भूख कम नहीं की, बल्कि और बढ़ा दी है।

शाहरुख खान के साथ 'किंग' में काम करने का अनुभव कैसा रहा?

मैंने सपने देखना ही शाहरुख सर को देखकर शुरू किया है। लोग उन्हें अपना हीरो मानते हैं और उनके जैसा बनने का सपना देखते हैं। मेरे लिए तो वह उससे भी आगे हैं।मैंने उनसे पूछा कि शुरुआती दौर में फिल्में कैसे चुनते थे? उन्होंने कहा- 'उन लोगों के साथ काम करो, जिनके साथ आपका मन लगे और जो आपको प्यार करते हों।' उनके अंदर 35 साल के अनुभव के बाद भी सीखने और सिखाने की वही ऊर्जा है। वह सेट पर सैंडबैग उठाकर बताते हैं कि यह आपका मार्क है, ऐसे डायलॉग बोलकर देख सकते हो। जब वह शूट नहीं कर रहे होते तो एक कुर्सी लेकर बैठ जाते और देखते कि सिनेमा कैसे बन रहा है। उनके अंदर का पैशन और जज्बा देखकर मुझे समझ आया कि वह शाहरुख खान क्यों बने हैं।

पहली बार शाहरुख खान के साथ काम करने का फोन आया तो आपका रिएक्शन क्या था?

मेरे लिए दो राय की कोई बात नहीं थी। मैंने कहा कि मुझे दीवार पर मक्खी भी बना देंगे तो मैं मक्खी बन जाऊंगा, बस उनके साथ काम करने का मौका मिलना चाहिए। जिस दिन मेरा शूट नहीं होता था, तब भी मैं सेट पर पहुंच जाता था। अगर मेरा शूट जल्दी खत्म हो जाता और उनका शूट चल रहा होता तो मैं पूरा दिन सेट पर रहता। जब फोन आया तो पैसे की बात भी हुई। मैंने कहा कि मेरे लिए इससे ऊपर कोई बात नहीं है। आप प्रोफेशनल तौर पर जो ठीक समझें, करिए। मेरे लिए उनके साथ काम करना ही सबसे बड़ा मौका था।

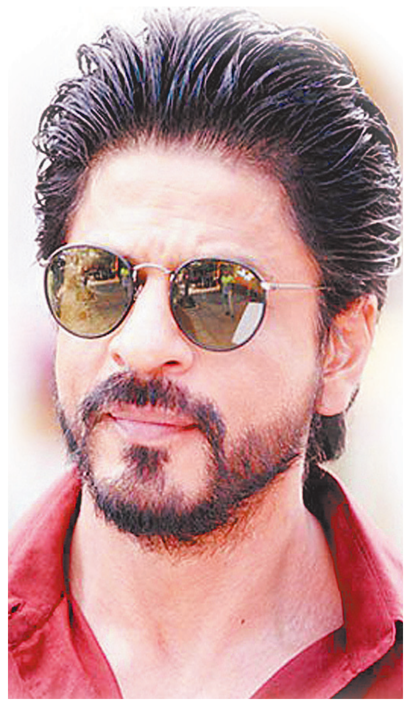

'मिर्जापुर' में 'डिंपी के किरदार में काफी ट्रांसफॉर्मेशन हुआ है

अभिनेत्री हर्षिता गौर आगामी फिल्म 'मिर्जापुर' में फिर से डिंपी पंडित के किरदार से वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि मिर्जापुर वेब सीरीज से लेकर अब तक उनके काम में काफी ग्रोथ देखने को मिली है। अभिनेत्री ने आगामी फिल्म 'मिर्जापुर' में फिर से डिंपी पंडित के किरदार के बारे में बताया कि वह अब पहले से बड़ी हो गई है। उन्होंने कहा, 'डिंपी के किरदार में काफी ट्रांसफॉर्मेशन हुआ है, उसने अपनी जिंदगी में बहुत तरक्की की है। मिर्जापुर के हालात कुछ ऐसे हैं कि एक समय के बाद आपको खुद को चुनना होता है और डिंपी ने भी कुछ ऐसा ही किया है। उन्होंने आगे कहा, 'वह इमोशनली समझदार और मेंटली मजबूत है, वह समझती है कि उसे अपनी ताकत दिखाने के लिए इस अफरा-तफरी का हिस्सा बनने की जरूरत नहीं है।'
अभिनेत्री ने आगे शो की पॉपुलैरिटी के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'अगर ये फिल्म सीधे आती तो हमें पता नहीं चलता कि दर्शक उसे कैसा रिस्पॉन्स देंगे, लेकिन लोग पहले से ही शो के इतने बड़े फैन हैं और इसे और ज्यादा देखना चाहते हैं। पहले सीजन वाला वही अंदाज वापस आ गया है, इसलिए मुझे लगता है कि ये सारी चीजें इस एक्सपीरियंस को और भी बेहतर बनाएंगी।'
अभिनेत्री ने बताया कि डिंपी से उन्हें सीखने को मिला, कि चाहे कुछ भी हो जाए, अपने डायनामिक्स में नहीं फंसना चाहिए। आपको अपनी बात रखनी होगी, और आप बिना लड़ाई-झगड़े के ऐसा कर सकते हैं। अभिनेत्री से सवाल किया, 'शो की पॉपुलैरिटी के साथ-साथ, वॉयलेंस और अब्यूसिव लैंग्वेज को लेकर भी क्रिटिसिज्म हुआ है। आपके अनुसार, क्या मिर्जापुर समाज की असलियत को दिखाता है, या यह कभी-कभी वायलेंस को सेंसेशनल बनाता है?'
इस सवाल के जवाब में अभिनेत्री हर्षिता गौर ने कहा, 'असल दुनिया फिक्शन को इंस्पायर करती है और कभी-कभी फिक्शन भी असल दुनिया को दिखाता है। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि यह किसी चीज को सेंसेशनल बनाने के बारे में है।'

रुक्मिणी वसंत के लिए मुसीबत बनी टॉक्सिक

फैंस सुना रहे खरी-खोटी

यश की 'टॉक्सिक' ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर देश में 101.10 करोड़ का नेट कलेक्शन कर बंपर शुरुआत की है। गीतू मोहनदास की यह फिल्म अपने बोल्ड और बिंदास अंदाज को लेकर सुर्खियों में हैं। एक तरफ जहां यश के फैंस सिनेमाघरों में सीटियां बजा रहे हैं, वहीं 'कांतारा' फेम एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत के लिए यह सिर दर्द' साबित हो रहा है।

ऋषभ शेट्टी की 'कांतारा: चैप्टर 1' में लोगों ने रुक्मिणी को कनकवती के किरदार में देखा और खूब सराहा। लेकिन अब 'टॉक्सिक' में यश के साथ उनके बेडरूम सीन को देख लोग खफा हो गए हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस को आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। बेंगलुरु में पैदा हुई 29 साल की रुक्मिणी वसंत ने टॉक्सिक में मेलिसा का किरदार निभाया है। महज 7 साल पहले 2019 में कन्नड़ फिल्म 'बीरबल ट्रायोलॉजी' से करियर शुरू करने वाली रुक्मिणी के लिए यह नई फिल्म करियर में बड़ा महत्व रखता है। हालांकि, इस बार सोशल मीडिया पर उनके ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। खासकर उस बेडरूम सीन को लेकर।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स इंस्टाग्राम और रेडिट पर वायरल हो क्लिप में रुक्मिणी बिस्तर पर सिर्फ एक कंबल ओढ़े दिख रही हैं। फिल्म में यह यश के किरदार राया के साथ इंटीमेट होने के बाद की सुबह का दृश्य है। यूजर्स ने इस सीन पर सवाल उठाते हुए लिखा है, 'रुक्मिणी, यह क्या बकवास है?' एक दूसरे यूजर ने लिखा, 'मैं ऐसे सीन को कैसे समझूं? रुक्मिणी, सच कहूं तो मुझे आपसे इसकी उम्मीद नहीं थी!'

यूजर्स ने पूछा- टॉक्सिक की स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी थी आपने?

एक तीसरे यूजर ने लिखा है, 'क्या आपने फिल्म की स्क्रिप्ट नहीं पढ़ी थी? इतनी घटिया स्क्रिप्ट क्यों चुनी?' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'इससे ठीक पहले के सीन में मेलिसा बिना कुछ कहे अपने कपड़े उतारने लगती है। यह क्या है, रुक्मिणी से ऐसे सीन की उम्मीद नहीं थी।'

डीपफेक बिकिनी वीडियो का शिकार बनी थीं रुक्मिणी वसंत

बहरहाल, रुक्मिणी वसंत की ओर से अभी तक इस ट्रोलिंग पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। न ही मेकर्स ने ही कोई जवाब दिया है। इससे पहले इसी साल मई 2026 में रुक्मिणी वसंत 'डीपफेक' का भी शिकार बनी थीं। तब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर उनका एक स्विमिंग पूल वीडियो वायरल हो रहा था, जिसमें वह हरे रंग की बिकिनी में नजर आईं। दावा किया गया कि यह किसी शूटिंग का हिस्सा है।

'ललकार' के लिए बड़ा बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन करेंगे आमिर

आमिर खान एक बार फिर अपने किरदार के लिए खुद को पूरी तरह बदलने की तैयारी में हैं। आमिर जल्द ही निर्देशक आशुतोष गोवारिकर की नई स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म 'ललकार' में नजर आएंगे। इस फिल्म को लेकर सामने आई नई जानकारी के मुताबिक... 'आमिर अपने किरदार के लिए बड़ा फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन करने वाले हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म में वह करीब 25 साल के युवक का किरदार निभाएंगे। ऐसे में अपनी उम्र से काफी कम दिखने के लिए एक्टर वजन कम करने की खास तैयारी कर रहे हैं। आमिर ने फिल्म के लिए वजन कम करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए वह एक बड़े वेट लॉस प्रोग्राम पर काम कर रहे हैं। आमिर के लिए यह बदलाव केवल वजन घटाने तक सीमित नहीं होगा। किरदार को विश्वसनीय बनाने के लिए उनके लुक, बॉडी शेप और स्क्रीन प्रेजेंस पर भी खास ध्यान दिया जाएगा।' आमिर पहले भी अपनी उम्र से अलग किरदार निभाकर दर्शकों को चौंका चुके हैं। '3 इडियट्स' में उन्होंने कॉलेज स्टूडेंट का किरदार निभाया था।

भावना पानी ने संजय लीला भंसाली के साथ काम करने की इच्छा जताई

अभिनेत्री भावना पानी फिल्मों और रंगमंच में खास पहचान रखती हैं। उन्होंने हालिया बातचीत में बताया कि वे अपने करियर में एक बार संजय लीला भंसाली की फिल्मों में काम करना चाहती हैं। उन्होंने बताया, 'संजय लीला भंसाली सर, चाहे मुझे कोई भी रोल दें, उसे आगे ले जाना मेरे ऊपर है। मैं उम्मीद करती हूं कि जब भी मुझे उनकी फिल्म में काम करने का मौका मिलेगा, तो वह शानदार, दमदार और चुनौतीपूर्ण रोल होगा। मैं यह भी उम्मीद करती हूं कि वह डांस वाला हो क्योंकि मैंने बचपन से ही भारतीय शास्त्रीय नृत्य सीखा है। मुझे लगता है कि संजय लीला भंसाली सर को शास्त्रीय संगीत और नृत्य की अच्छी समझ भी है। अभिनेत्री का मानना है कि हिंदी फिल्मों में अगर किसी निर्देशक ने भारतीय शास्त्रीय नृत्य और म्यूजिक को बड़े कैनवास पर उतारा है, तो वे संजय लीला भंसाली सर हैं। अभिनेत्री ने यह भी कहा है कि अगर आप एक्टर या डांसर नहीं होते, तो आप एस्ट्रोनॉट बनना चाहते। एक्टिंग कल्पना और इमोशन से चलती है, जबकि एस्ट्रोफिजिक्स लॉजिक और साइंस पर आधारित है। ये अलग-अलग दुनियाएं आपकी पर्सनैलिटी में एक साथ कैसे रहती हैं?'
अभिनेत्री ने जवाब देते हुए कहा, 'इमोशन कभी भी बिना तर्क के नहीं आते हैं। ये आते कहां से हैं, उसका मकसद और जरूरत क्या है? यह सब समझने के लिए बहुत सारे तर्क और विज्ञान की आवश्यकता होती है। इसके लिए आपको बिहेवियरल साइंस की भी जानकारी होनी चाहिए। कई ऐसी चीजें हैं जहां आपके दिमाग का तार्किक होना बहुत जरूरी है। मुझे लगता है कि तार्किक दिमाग के साथ-साथ कल्पना और भावना की भी जरूरत होती है।

करीना कपूर ने 'दायरा' को बताया ड्रीम प्रोजेक्ट

अभिनेत्री करीना कपूर खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'दायरा' की रिलीज की तैयारी में हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए इस प्रोजेक्ट पर काम करने के अपने अनुभव के बारे में बताया। अभिनेत्री करीना कपूर खान ने इंस्टाग्राम पर एक नोट शेयर कर बताया कि इस फिल्म ने उन्हें मुंबई के उन हिस्सों और ऐसी जगहों पर पहुंचाया, जहां वह पहले कभी नहीं गई थीं। करीना ने कहा कि भले ही वह पूरी जिंदगी इसी शहर में रही हैं और पूरे भारत में घूमी हैं, लेकिन 'दायरा' ने उन्हें मुंबई का एक अनदेखा पहलू दिखाया। अभिनेत्री ने लिखा, 'मुंबई में मेरा जन्म हुआ। सारी जिंदगी इस शहर में रहते हुए देशभर में काफी सफर करने के बाद, मुझे लगता था कि मैं इस शहर और देश को अच्छे से जानती हूं, लेकिन फिल्म दायरा की शूटिंग के दौरान मैं ऐसी-ऐसी जगहों पर गई, जो मैंने पहले कभी ना देखी थी और ना जानती थी।'
अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म दायरा ने उनकी सामाजिक समझ को भी कई नई हदों तक पहुंचाया। उन्होंने लिखा, 'दायरा का सफर मेरी रचनात्मकता को उन जगहों तक ले गया, जो मेरे लिए अब तक अनजान थे। दायरा ने मेरी सामाजिक समझ को भी कई नई हदों तक पहुंचाया। मैंने सीखा है कि हमारी जिंदगी और समाज सिर्फ दोहरा नहीं है, सब कुछ सिर्फ काला या सफेद नहीं होता। इनके बीच एक पूरा स्पेक्ट्रम है, ग्रे का एक पूरा संसार है, जिसमें हम जीते हैं। दायरा उस ग्रे को सिर्फ समझने की कोशिश नहीं करती बल्कि, ये उसके अंदर उतरती है, उसे कुरेदती है। यही दायरा का सार है। क्योंकि दायरा की दुनिया पूरी तरह ग्रे है, लेकिन इसके साथ-साथ, हमेशा दोहरी भी है।'
उन्होंने आगे लिखा, 'यह फिल्म हमेशा से ही दोहरी कहानी वाली रही है। अपने मूल में 'दायरा' सिर्फ दोहराव के बारे में है और यह दोहरापन फिल्म के दो मुख्य किरदारों के जरिए दिखाया गया है। कास्टिंग के लिहाज से, यह मेरे लिए सपने के सच होने जैसा था। हिंदी और मलयालम फिल्म इंडस्ट्री के दो बेहतरीन कलाकारों को एक-दूसरे के सामने लाना। क्योंकि 'दायरा' एक ऐसी कहानी है जो एक नहीं, बल्कि देश भर में हुई कई सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। दायरा की कहानी भारत के किसी एक शहर या राज्य में नहीं घटती, बल्कि यह हमारे देश में लगभग हर जगह घटती है। दायरा की इस दुनिया को बेहतरीन कलाकारों और शानदार टीम ने जीवंत किया है।' उन्होंने बताया कि इस कहानी में दोनों कलाकार कानून के सफर में हैं, लेकिन फिर, दोंनो खुद को कानून की नाजुक लकीरों के आर-पार पाते हैं।
फिल्म में मैंने अजूनी का किरदार निभाया है, जो अपने उसूलों को लेकर अटूट है और पृथ्वीराज के रमन के तेवर भी उनके उसूल जितने मजबूत हैं। जिंदगी की तरह, दायरा में भी, दोनों के फैसले न काले हैं, न सफेद। दोनों ग्रे के एक ऐसे इंद्रधनुष में घुले हैं, जहां कुछ भी साफ-साफ, सही या गलत नहीं है। कभी कानून उन्हें रास्ता दिखाता है, तो कभी वही कानून उनके रास्ते रोक देता है। कानून की लकीरों के दरम्यान का सफर, है दायरा।'
करीना ने बताया कि इस फिल्म में वे बिल्कुल नए अंदाज में नजर आने वाली हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में शटडाउन का संकट टला?: प्रतिनिधि सभा ने दिसंबर तक फंडिंग वाला बिल पास किया, अब ट्रंप की मंजूरी बाकी

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) ने मंगलवार को एक अस्थायी विधेयक पारित किया। इसका मकसद संघीय सरकार के कामकाज के लिए दिसंबर की शुरुआत तक धन उपलब्ध कराना है। यह कदम इसलिए उठाया गया है, ताकि सांसदों के दोबारा चुनाव के लिए प्रचार के दौरान सरकार का कामकाज बंद (शटडाउन) न हो। सांसदों के लिए सितंबर के आखिर में खत्म हो रहे वित्त वर्ष से पहले यह कदम उठाना जरूरी था। ऐसा नहीं करने पर सरकारी कामकाज के लिए पैसा खत्म हो सकता था। सांसद नहीं चाहते थे कि चुनाव प्रचार के दौरान सरकार के कामकाज को लेकर कोई संकट खड़ा हो। पिछले साल भी सरकार के कामकाज के लंबे समय तक बंद रहने से बड़ा संकट पैदा हुआ था। प्रतिनिधि सभा ने 370-48 वोट से विधेयक पारित किया। सीनेट इसे पहले ही भारी बहुमत से मंजूर कर चुका है। अब यह विधेयक राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास जाएगा। उनकी मंजूरी के बाद यह कानून बन जाएगा।

पश्चिम एशिया तनाव: अमेरिका ने चाबहार समेत ईरान के कई ठिकानों पर किए हमले; ट्रंप ने क्या धमकी दी

वाशिंगटन/तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को ईरान में चाबहार और केशम द्वीप समेत कई अहम ठिकानों पर मिसाइलों से हमला किया। भारतीय समयानुसार रात करीब साढ़े नौ बजे शुरू हुए हमलों में ईरान के इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के ठिकानों को भी निशाना बनाया गया। सेंटकॉम ने कहा कि अमेरिकी सेना ने एक सितंबर को ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमलों की एक श्रृंखला सफलतापूर्वक पूरी की। अमेरिकी सेना ने आईआरजीसी के ठिकानों को निशाना बनाया। इनमें एयर डिफेंस साइट, रडार सिस्टम, समुद्री ठिकाने और सुविधाएं, बारूदी सुरंगें बिछाने की क्षमता से जुड़े ठिकाने और संचार केंद्र शामिल थे। कमान ने कहा कि ये हमले होर्मुज जलडमरूमध्य में वाणिज्यिक जहाजों और अमेरिकी सैनिकों पर आईआरजीसी के हालिया हमलों की कोशिशों के बाद किए गए। पश्चिम एशिया में इस समय 50 हजार से ज्यादा अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। कमान ने कहा कि ये सैनिक सतर्क हैं और जरूरत पड़ने पर आगे की कार्रवाई के लिए तैयार हैं। यह कार्रवाई अमेरिकी राष्ट्रपति के निर्देश पर की जाएगी। ईरान की समाचार एजेंसियों के अनुसार, केशम द्वीप, बंदर अब्बास, चाबहार, जास्क और सिरिक में धमाकों की आवाजें सुनी गईं। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिणी जॉर्डन के शहर अकाबा के ऊपर धमाके दिखाई दिए। ईरान के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी हमले में एक घर को निशाना बनाया गया। उस समय वहां शादी समारोह चल रहा था। हमले में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने धमकी दी कि अगर ईरान ने इस हमले का जवाब दिया, तो उसे और भी सख्त परिणाम भुगतने होंगे। आईआरजीसी ने कहा कि अमेरिका को अपने इन नए हमलों पर पछतावा होगा।

आर्थिक नीति: जी20 मंच से इतर रूस, कोरियाई दल से सीतारमण की मुलाकात; आईएमएफ एमडी ने भारत की तारीफ में क्या कहा

वाशिंगटन, एजेंसी। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने अमेरिका के एशविल में आयोजित जी20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक से इतर कई अहम देशों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। इन मुलाकातों में भारत के आर्थिक सहयोग, निवेश, वैश्विक अर्थव्यवस्था और वित्तीय साझेदारी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। सीतारमण ने रूस के वित्त मंत्री एंटोन सिलुआनोव के साथ बैठक में द्विपक्षीय सहयोग मजबूत करने और क्षेत्रीय व वैश्विक आर्थिक घटनाक्रम पर विचार साझा किए। दोनों पक्षों ने बहुपक्षीय मंचों पर साझा हितों से जुड़े विषयों पर भी चर्चा की। बैठक में न्यू डेवलपमेंट बैंक और एशियन इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट बैंक के साथ सहयोग बढ़ाने के मुद्दे पर विचार हुआ। दोनों नेताओं ने इन संस्थानों को प्रभावी बहुपक्षीय विकास बैंकों के रूप में मजबूत करने के लिए साझा हित वाले क्षेत्रों की संभावनाएं तलाशीं। इसके अलावा शंघाई सहयोग संगठन डेवलपमेंट बैंक की स्थापना पर भी चर्चा हुई। वित्त मंत्री ने दक्षिण कोरिया के उप प्रधानमंत्री एवं अर्थव्यवस्था और वित्त मंत्री कू यून-चोल से भी मुलाकात की। सीतारमण ने कहा कि भारत दक्षिण कोरिया को एक महत्वपूर्ण आर्थिक साझेदार मानता है और दोनों देशों के बीच संबंधों से कई क्षेत्रों में पारस्परिक लाभ हुआ है।

मृतकों का आंकड़ा 1127 पहुंचा, 4800 से अधिक लोग अभी भी लापता; भारत की पांचवीं मदद रवाना

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में बाढ़ के बाद हालात बदतर बने हुए हैं। हर दिन के साथ हताहतों की संख्या बढ़ती जा रही है, जबकि अभी भी हजारों लोग लापता हैं। वहीं, इस भीषण त्रासदी को झेलने वाले अब मानसिक रूप से पीड़ा झेल रहे हैं, जिसमें बच्चे से लेकर बड़े भी शामिल है। फिलहाल राहत और बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी है। बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद मंगलवार को नेपाल के बाढ़ प्रभावित त्रिशूली बाजार पहुंचे। उन्होंने मौके पर हालात का जायजा लिया और प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी परेशानियां सुनीं। बाढ़ से हुए भारी नुकसान को देखकर सोनू सूद ने चिंता जताई और कहा कि लोगों को सामान्य जिंदगी में लौटने में काफी समय लग सकता है।

एएनआई से बातचीत में उन्होंने नेपाल की मदद के लिए भारत सरकार के प्रयासों की सराहना की। सोनू सूद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताते हुए कहा कि संकट की इस घड़ी में नेपाल को दी जा रही सहायता सराहनीय है। उन्होंने कहा कि राहत और सहयोग का सिलसिला लगातार जारी रखना जरूरी है, क्योंकि प्रभावित लोगों की मुश्किलें कुछ हफ्तों या महीनों में खत्म नहीं होंगी। उन्होंने सभी से नेपाल के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए आगे आने की अपील की।

मौतों का आंकड़ा 1,127 पहुंचा : नेपाल में बाढ़ की तबाही से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,127 हो गई है। आपदा के एक सप्ताह बाद भी हजारों लोग लापता हैं और सुरक्षा बल प्रभावित इलाकों में लगातार तलाशी और राहत अभियान चला रहे हैं। नेपाल पुलिस के मुताबिक, सबसे ज्यादा शव चितवन से 348, नवलपरासी ईस्ट से 217, नवलपरासी वेस्ट से 190 और नुवाकोट से 155 बरामद किए गए हैं। इसके अलावा गोरखा से 66, धादिंग से 59, रसुवा से 45 और तनहूं से 38 शव मिले हैं। पुलिस ने बताया कि अब तक 1,113 शवों का पोस्टमार्टम और कानूनी पहचान की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है। इनमें से 95 शव उनके परिजनों को सौंपे जा चुके हैं। लापता लोगों के परिवारों की मदद के लिए नेपाल पुलिस ने 911 अज्ञात शवों की जानकारी अपनी वेबसाइट पर अपलोड की है, ताकि परिजन तस्वीरों और उपलब्ध विवरण के आधार पर अपने रिश्तेदारों की पहचान कर सकें। नेपाल पुलिस के अनुसार, सुरक्षा बलों ने अब तक बाढ़ प्रभावित इलाकों से 6,541 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला है। वहीं, 4,858 लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। उनकी तलाश के लिए प्रभावित क्षेत्रों में अभियान जारी है।

नेपाल के लिए भारत ने भेजी पांचवीं मदद : नेपाल में राहत और बचाव अभियान के लिए भारत ने मदद का सिलसिला जारी रखा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बुधवार को बताया कि भारत का पांचवां विमान राहत सामग्री लेकर नेपाल के लिए रवाना हो गया है। जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि इस विमान में 11 सदस्यीय विशेष रेस्क्यू टीम मौजूद है। टीम के साथ बचाव कार्य में इस्तेमाल होने वाले जरूरी उपकरण भी भेजे गए हैं। इसके अलावा विमान में करीब 5.5 टन आवश्यक दवाएं भी भेजी गई हैं। भारत की ओर से यह सहायता नेपाल में जारी राहत एवं बचाव प्रयासों को मजबूत करने के उद्देश्य से भेजी गई है। विदेश मंत्री ने कहा कि पांचवां भारतीय विमान नेपाल के लिए रवाना हो चुका है और इसमें विशेष उपकरणों से लैस बचाव दल के साथ बड़ी मात्रा में जरूरी दवाएं भी शामिल हैं।

सरकार की प्राथमिकता लोगों की जान बचाना : लोक बहादुर छेत्री ने कहा कि इस समय नेपाल सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता लोगों की जान बचाना, लापता लोगों का पता लगाना, बचे हुए लोगों को सुरक्षित निकालना और प्रभावित लोगों तक तत्काल राहत पहुंचाना है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि बाढ़ से प्रभावित सभी लोगों, चाहे वे नेपाली नागरिक हों या विदेशी, को जरूरी सहायता और सहयोग मिले। नेपाल में आई इस विनाशकारी बाढ़ ने कई जिलों में भारी तबाही मचाई है। बड़ी संख्या में लोगों की मौत के साथ-साथ कई लोग अब भी लापता हैं। ऐसे में राहत, शवों की पहचान और जोखिम वाले इलाकों में बचाव अभियान लगातार जारी है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन: दिल्ली में जुटेंगे दुनिया के दिग्गज, गुटेरेस आएंगे; पुतिन-जिनपिंग भी कर सकते हैं शिरकत

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। भारत की मेजबानी में होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेस भी हिस्सा लेंगे। यह सम्मेलन 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। भारत इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने मंगलवार को प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि गुटेरेस के सम्मेलन में शामिल होने की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है। हालांकि, उन्होंने संकेत दिया कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख करीब 10 दिन बाद नई दिल्ली में होने वाली ब्रिक्स बैठक में भाग लेंगे।

गुटेरेस का भारत से पुराना जुड़ाव : यूएन महासचिव एंतोनियो गुटेरेस का इस साल भारत का यह दूसरा महत्वपूर्ण दौरा होगा। फरवरी 2026 में वह नई दिल्ली में आयोजित इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में शामिल हुए थे। यह ग्लोबल साउथ में आयोजित पहला वैश्विक AI शिखर सम्मेलन था।

ईरान संघर्ष को लेकर भी जताई चिंता : इससे पहले बिश्केक में एससीओ समिट के दौरान गुटेरेस ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने ईरान में जारी संघर्ष के मानवीय और आर्थिक प्रभावों पर चिंता जताई। गुटेरेस ने संघर्ष का समाधान बातचीत और वार्ता के जरिए करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून के पूर्ण सम्मान की बात कही, जिसमें स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास नौवहन अधिकारों और स्वतंत्रता का सम्मान भी शामिल है। संयुक्त राष्ट्र ने व्यापक और स्थायी समाधान के लिए कूटनीतिक प्रयासों को समर्थन देने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के शामिल होने की उम्मीद है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भी सम्मेलन में पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में नई दिल्ली में होने वाली यह बैठक वैश्विक कूटनीति के लिहाज से बेहद अहम मानी जा रही है।

भारत की अध्यक्षता में क्या होगा खास : विदेश मंत्रालय के अनुसार, 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में सदस्य और साझेदार देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ-साथ आउटरीच के तहत आमंत्रित देशों के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

प. एशिया तनाव: ईरान में शादी के जश्न पर बरसीं अमेरिकी मिसाइलें

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सिरिक इलाके में एक शादी समारोह उस समय मातम में बदल गया, जब अमेरिकी हवाई हमले की चपेट में यह कार्यक्रम आ गया। ईरानी अधिकारियों और सरकारी मीडिया के मुताबिक, हमले में कम से कम पांच लोगों की मौत हुई है। मृतकों में चार साल का एक बच्चा भी शामिल है। वहीं, 50 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। यह घटना स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास स्थित तटीय क्षेत्र में हुई। ईरानी अधिकारियों ने इसे युद्ध के दौरान नागरिकों के लिए सबसे गंभीर घटनाओं में से एक बताया है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस तरह की कार्रवाई को इससे पहले हुई घटनाओं से अलग करके नहीं देखा जा सकता। प्रवक्ता ने विशेष रूप से मिनाब में एक स्कूल पर हुए हवाई हमले का उल्लेख किया, जिसमें ईरानी अधिकारियों के अनुसार युद्ध के पहले दिन एक बालिका विद्यालय में 160 लोगों की जान गई थी। मिनाब की घटना को लेकर अमेरिकी रक्षा विभाग की ओर से अभी तक आधिकारिक निष्कर्ष सामने नहीं आया है। हालांकि, एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि यह हमला पुराने लक्ष्य संबंधी आंकड़ों के इस्तेमाल का नतीजा हो सकता है।

सिरिक में शादी समारोह पर हमला ऐसे समय हुआ है जब अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर सैन्य तनाव तेज हो गया है। बुधवार को दोनों देशों के बीच पिछले कई हफ्तों में सबसे बड़ा सैन्य टकराव देखने को मिला। अमेरिका की ओर से आगे और भी अधिक व्यापक हमले किए जाने की चेतावनी दी गई है। ऐसे में शादी समारोह में हुई नागरिक मौतों ने युद्ध के मानवीय प्रभाव को लेकर चिंता और बढ़ा दी है। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को ईरान में चाबहार और केशम द्वीप समेत कई अहम ठिकानों पर मिसाइलों से हमला किया।

ऐसा गृह युद्ध होता, जिससे हम कभी उबर नहीं पाते': जेडी वेंस का बड़ा खुलासा, दुनिया के खात्मे पर भी बोले

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एक पॉडकास्ट में चौंकाने वाला बयान देते हुए कहा कि अगर 2024 में डोनाल्ड ट्रंप पर हुए हमले में उनकी मौत हो जाती तो देश में ऐसा गृह युद्ध होता, जिससे अमेरिका कभी उबर नहीं पाता। पॉडकास्ट में वेंस ने दुनिया के अंत पर भी अपने विचार साझा किए। ईसाई पॉडकास्टर ब्राइस क्रॉफर्ड के साथ बातचीत में जेडी वेंस ने धर्म, अध्यात्म समेत कई मुद्दों पर अपने विचार रखे।

'ट्रंप की मौत से अमेरिका में छिड़ जाता गृह युद्ध' : साल 2024 में अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति पर जानलेवा हमला हुआ था। उस हमले में ट्रंप बाल-बाल बचे थे और एक गोली उनके कान को छूकर निकली थी और ट्रंप के एक समर्थक की मौत हो गई थी। उस घटना पर जेडी वेंस ने कहा, 'अगर 2024 में हुई हत्या की कोशिश में डोनाल्ड ट्रंप की मौत हो जाती, तो वे हमेशा सोचते रहते कि यह किसी साजिश का हिस्सा था और शायद वे किसी दूसरे रिपब्लिकन को भी अगला राष्ट्रपति मानने को तैयार नहीं होते। ट्रंप खुद भी 2024 के हमले में खुद की जान बचने को दैवीय कृपा मानते रहे हैं, और वेंस भी ऐसा ही मानते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, 'अगर गोली से ट्रंप की मौत हो जाती, तो देश में ऐसा गृह-संघर्ष होता जिससे शायद देश कभी उबर नहीं पाता।' वेंस ने कहा, 'ट्रंप के कई समर्थकों को लगता कि किसी साजिश के तहत उनका चुना हुआ राष्ट्रपति छीन लिया गया, और उनके मन में भी कहीं न कहीं ऐसे ही विचार आते।

दुनिया के अंत पर भी बोले वेंस : क्रॉफर्ड ने वेंस से दुनिया के अंत में उनकी दिलचस्पी के बारे में भी पूछा। इस पर उपराष्ट्रपति ने हंसते हुए कहा कि 1990 के दशक के आखिर में जवानी के दिनों में उनकी भी इसमें दिलचस्पी थी, जब लोग नई सदी के आने के साथ दुनिया के खत्म होने की संभावनाओं पर चर्चा कर रहे थे। हंसते हुए वेंस ने एक दोस्त की कहानी सुनाई जिसे यह जुनून सवार था कि 2007 के आखिर में दुनिया खत्म हो जाएगी और उसने क्रेडिट कार्ड पर भारी कर्ज ले लिया था।

एआई को लेकर जताई चिंता : वेंस ने कहा, 'दुनिया में कुछ ऐसी चीजे हैं, जिन्हें देखकर मुझे हैरानी नहीं होगी अगर 'एंटीक्राइस्ट' (शैतान का रूप) हमारे बीच घूम रहा हो, लेकिन फिर भी, मैं इस पर बहुत ज्यादा ध्यान नहीं देने की कोशिश करता हूं।' उन्होंने IT कंपनियों और इंसानी बातचीत की जगह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल पर चिंता जताई। बीते दिनों ट्रंप ने ईसा मसीह के रूप में अपनी एक एआई तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की थी, जिस पर खासा विवाद हुआ था। हालांकि वेंस ने ट्रंप का बचाव किया। उन्होंने कहा, 'उनका मकसद भगवान का मजाक उड़ाना या उनकी नकल करना नहीं था, वे ऐसे इंसान नहीं हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'राष्ट्रपति अक्सर चीजों को हल्का-फुल्का रखने की कोशिश करते हैं और लगातार मजाक करते रहते हैं।

ट्रंप ने अपने करीबी अधिकारी को दी बड़ी जिम्मेदारी, कौन हैं पूर्व सील फाइटर हंग काओ

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि वे कार्यकारी नौसेना सचिव हंग काओ को स्थायी नौकरी के लिए नामांकित कर रहे हैं। ट्रंप ने नौसेना के पूर्व अधिकारी को ऐस समय नियुक्ति दी है, जब ऐसी चिंताएं सामने आई हैं कि ईरान युद्ध के दौरान कुछ नाविकों पर बहुत ज्यादा दबाव पड़ा है। दरअसल ईरान युद्ध के दौरान अमेरिका के युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन को करीब नौ महीने समुद्र में बिना रुके तैनात रहना पड़ा, जिससे कई अमेरिकी नौसैनिकों की मानसिक स्थिति पर बुरा प्रभाव पड़ा।

जॉन फेलन के इस्तीफे से मिला मौका : अप्रैल के आखिर में जॉन फेलन के अचानक और बिना किसी कारण के नौकरी छोड़ने के बाद हंग काओ को नौसेना का कार्यकारी सचिव नियुक्त किया गया था। जॉन फेलन ने कभी नौसेना में सेवाएं नहीं दी थीं या सर्विस में कोई सिविलियन लीडरशिप रोल भी नहीं निभाया था। वहीं काओ ने नेवी में स्पेशल ऑपरेशन्स ऑफिसर के तौर पर 25 साल बिताए और इराक और अफगानिस्तान में स्थ्नरु टीमों और स्पेशल फोर्सेज के साथ काम किया।

ट्रंप ने सीनेट से जल्द नियुक्ति की पुष्टि करने को कहा : ट्रंप ने काओ की नियुक्ति का एलान करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, 'मुझे एक सच्चे योद्धा को नॉमिनेट करते हुए खुशी हो रही है।' उन्होंने सीनेट से अपील करते हुए कहा कि इस योद्धा को जल्द से जल्द कन्फर्म करें। काओ ने सोशल मीडिया पर इसे नेवी और मरीन कॉर्प्स टीम के महान योद्धाओं का नेतृत्व करना जीवन का सबसे बड़ा सम्मान बताया।

अमेरिकी सेना में उथल-पुथल का दौर : काओ का नामांकन ऐसे समय में हुआ है जब कुछ लोग, जिनमें कांग्रेस में डेमोक्रेट्स भी शामिल हैं। मानते हैं कि ट्रंप नेवी पर बहुत ज्यादा दबाव डाल रहे हैं। ईरान युद्ध में मदद के लिए यूएसएस अब्राहम लिंकन एयरक्राफ्ट कैरियर की नौ महीने की तैनाती के दौरान समुद्र में बिना रुके रहने का रिकॉर्ड बना है। साथ ही उनकी नियुक्ति ऐसे समय भी हुई है, जब अमेरिकी मिलिट्री के टॉप लेवल पर उथल-पुथल मची हुई है। हालिया उदाहरण में, आर्मी सेक्रेटरी डैन ड्रिस्कॉल ने इस हफ्ते अपना इस्तीफा सौंप दिया, जबकि उनके और डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ के बीच तनाव की खबरें बड़े पैमाने पर आ रही थीं। मौजूदा भूमिका से पहले काओ नेवी अंडरसेक्रेटरी के तौर पर काम कर चुके हैं। उन्होंने उन सर्विस मेंबर्स की ड्यूटी पर वापसी का समर्थन किया था, जिन्होंने बाइडेन के समय में वैक्सीन लेने के आदेश को मानने से इनकार कर दिया था। ट्रंप के करीबी माने जाने वाले काओ ने यह भी कहा कि उन्हें नेवी के डेमोंस्ट्रेशन स्क्वाड्रन, ब्लू एंजल्स के जुलाई में फ्लोरिडा के भीड़भाड़ वाले बीच पर इतनी कम ऊंचाई पर उड़ने से कोई दिक्कत नहीं थी।

पश्चिम एशिया में चीन बढ़ा रहा दखल: मिस्र पहुंचे शी जिनपिंग, अमेरिका के करीबी देश में बीजिंग की बढ़ रही पकड़

काहिरा, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस सप्ताह मिस्र के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। यह यात्रा चीन और मिस्र के बीच आर्थिक एवं राजनयिक संबंधों को मजबूत करने की सामान्य कवायद नजर आती है, लेकिन इसके पीछे पश्चिम एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव की बड़ी रणनीति भी देखी जा रही है।

अमेरिका के प्रमुख वैश्विक प्रतिद्वंद्वी चीन के लिए मिस्र पश्चिम एशिया में अपनी मौजूदगी मजबूत करने का अहम केंद्र बनता जा रहा है। वहीं, मिस्र अमेरिका का एक महत्वपूर्ण सहयोगी है। ऐसे में शी की काहिरा यात्रा को दोनों देशों के रिश्तों से आगे क्षेत्रीय भू-राजनीति के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मिस्र पहुंचे शी जिनपिंग, हुआ भव्य स्वागत : शी जिनपिंग मंगलवार शाम काहिरा एयरपोर्ट पहुंचे। उनके स्वागत के लिए एयरपोर्ट को चीन और मिस्र के झंडों से सजाया गया था। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी और सैन्य गार्डों ने रेड कार्पेट समारोह के साथ उनका स्वागत किया। दोनों नेताओं के बुधवार को बातचीत करने का कार्यक्रम है। शी जिनपिंग ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम का भी दौरा करेंगे, जो गीजा के पिरामिडों के पास स्थित है। यह मिस्र की उनकी करीब एक दशक बाद पहली यात्रा है। वहीं, 2022 में सऊदी अरब दौरे के बाद यह पश्चिम एशिया की उनकी पहली यात्रा है।

चीन-मिस्र के रिश्तों में क्यों आई तेजी : चीन और मिस्र इस साल अपने राजनयिक संबंधों की स्थापना के 70 वर्ष पूरे कर रहे हैं। इसी मौके पर दोनों देशों के नेताओं ने मंगलवार को मिस्र के सरकारी अखबारों में दोस्ताना लेख भी प्रकाशित किए। शी जिनपिंग ने दोनों देशों से विकास के जरिए व्यावहारिक सहयोग का दायरा बढ़ाने की अपील की। वहीं, अल-सीसी ने मिस्र में चीन के निवेश की सराहना की और ताइवान को चीन का हिस्सा मानने वाले बीजिंग के दावे के समर्थन को दोहराया। मिस्र चीन के साथ बढ़ते रिश्तों को अपनी रणनीतिक साझेदारियों में विविधता लाने के अवसर के तौर पर देखता है।

ब्रिक्स से बेल्ट एंड रोड तक चीन की बढ़ती पकड़ : मिस्र को 2023 में ब्रिक्स में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था। यह समूह उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक प्रमुख मंच है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका जैसे देश शामिल हैं। इसके एक साल बाद मिस्र और चीन ने चीन की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत सहयोग के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए। यह पहल दुनियाभर में बुनियादी ढांचे और परिवहन नेटवर्क के निर्माण के जरिए चीन की आर्थिक और रणनीतिक पहुंच बढ़ाने पर केंद्रित है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, चीन मिस्र में 10 अरब डॉलर से अधिक का निवेश कर चुका है। इनमें काहिरा के पूर्व में बिजनेस हब और नील डेल्टा में औद्योगिक क्षेत्र के लिए इलेक्ट्रिक रेल लाइन जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। दोनों देशों के बीच सालाना व्यापार करीब 20 अरब डॉलर का बताया जाता है। इसके मुकाबले 2025 में अमेरिका और मिस्र के बीच व्यापार 15.7 अरब डॉलर रहा था। चीन लंबे समय से पश्चिम एशिया में अपनी कूटनीतिक और आर्थिक भूमिका बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। 2023 में बीजिंग ने ईरान और सऊदी अरब के बीच राजनयिक संबंध बहाल कराने में मध्यस्थ की भूमिका निभाई थी।

क्या है तहरीक-ए-लब्बैक: पाकिस्तान में मदरसे के लिए 125 साल पुराना मंदिर ढहाया, पंजाब में कैसे हिंदुओं को डराया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के हालात कैसे हैं, यह पूरी दुनिया में किसी से नहीं छिपा है। हालांकि, अब शहबाज शरीफ की सरकार के कार्यकाल में चरमपंथी ताकतें प्रतिबंधित होने के बावजूद खुलेआम न सिर्फ लोगों को डरा रही हैं, बल्कि उनके पूजास्थलों को भी ढहाने और उसकी जमीन पर कब्जा करने में जुट गई हैं। ताजा मामला पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के नारोवाल जिले का है। यहां सिराज गांव में एक चरमपंथी संगठन- तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) ने कथित तौर पर एक 100-125 साल पुराने हिंदू पूजास्थल को ढहा दिया। कहा जा रहा है कि इस संगठन ने ऐसा मंदिर की जमीन पर कब्जा करने और पास ही मौजूद एक मदरसे का दायरा बढ़ाने के लिए किया।

आइये जानते हैं कि जिस मंदिर के ढहाए जाने को लेकर इस वक्त पाकिस्तान में बवाल मचा है, वह क्या है और कहां है? इसके साथ हाल ही में ऐसा क्या हुआ, जिसने पूरी दुनिया का ध्यान चरमपंथी संगठन और उनकी खुलेआम अल्पसंख्यकों के खिलाफ किए जा रहे जुर्मों की तरफ कर दिया है? यह तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान क्या है, जिससे न सिर्फ अल्पसंख्यक, बल्कि पाकिस्तान की सरकार तक घबराती है? क्यों शहबाज सरकार की ओर से लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद यह संगठन मजबूत बना हुआ है।

कब ढहाया गया यह पूजा स्थल, क्यों पैदा हुआ विवाद : इस ऐतिहासिक हिंदू मंदिर को 21 अगस्त 2026 को ढहाया गया था। हालांकि, इसे ढहाए जाने के मामले ने तूल अगस्त के अंत में पकड़ा। दरअसल, इस मंदिर के ढहने की वजहों और इसकी भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर दो परस्पर विरोधी दावे सामने आ गए, जिससे यह विवाद और बड़ा हो गया है।

अल्पसंख्यक संगठन बोले- मंदिर को सोची-समझी साजिश के तहत गिराया गया : स्थानीय हिंदू प्रतिनिधियों और अल्पसंख्यक संगठनों का आरोप है कि लगभग 100 से 125 साल पुराने इस मंदिर को जानबूझकर

और एक साजिश के तहत गिराया गया है, ताकि मंदिर की करीब 1,000 वर्ग मीटर जमीन पर पास के मदरसे का कब्जा कराया जा सके। पाकिस्तान मसीहा मिल्लत पार्टी के अध्यक्ष असलम परवेज सहोत्रा ने बताया कि मंदिर विध्वंस में चरमपंथी धार्मिक राजनीतिक दल तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) से जुड़े लोग शामिल थे। वे मंदिर को गिराने के बाद उसके शिखर से धातु के उपकरण और ईंटें भी उठाकर ले गए। सहोत्रा के मुताबिक, मंदिर से सटी जमीन को पहले इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) ने मदरसे के लिए पट्टे पर दिया था। किराया न चुकाने और नियमों के उल्लंघन के कारण 29 जनवरी 2026 को इस पट्टे को रद्द कर दिया गया और अवैध कब्जा हटाने के आदेश दिए गए थे, लेकिन प्रशासन ने इस आदेश को लागू नहीं किया।

नारोवाल जिला शांति समिति और 'पाक धरम आस्थान हिंदू समिति' के सदस्य और हिंदू समुदाय के नेता रतन लाल ने घटना स्थल के आसपास के डरावने माहौल को बयां करते हुए कहा- 'मंदिर परिसर में जो मदरसा लगातार चल रहा है, उसकी उपस्थिति के कारण हम अब उस जगह पर जाने से भी डरते हैं।' उन्होंने आरोप लगाया कि जिला प्रशासन सुरक्षा चेतावनियों के बावजूद मंदिर की रक्षा करने और वहां से अवैध कब्जे हटाने में पूरी तरह विफल रहे।

प्रशासन बोला- भारी बारिश की वजह से गिर गया मंदिर का ढांचा : अल्पसंख्यक संगठनों के उलट ईटीपीबी के वरिष्ठ अधिकारी राणा इफ्तिखार और जिला प्रशासन ने जानबूझकर ढांचा गिराए जाने के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। उनका कहना है कि हाल ही में हुई मूसलाधार बारिश के कारण यह पुराना और जर्जर ढांचा अपने आप ढह गया। अधिकारी ने सफाई दी कि मंदिर की मूल भूमि को कभी किसी को पट्टे पर नहीं दिया गया। तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) पाकिस्तान का प्रतिबंधित चरमपंथी, कट्टरपंथी और अति-दक्षिणपंथी इस्लामी राजनीतिक संगठन है। इसी संगठन पर नारोवाल जिले में एक 100 साल से भी पुराने ऐतिहासिक हिंदू मंदिर को ढहाने का आरोप लगा है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.